हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शनिवार | 30 नवम्बर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :194 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

महाराष्ट्र दुर्घटनाः गोंदिया में राज्य परिवहन बस पलटने से नौ लोगों की मौत, 25 घायल

एजेंसी

महाराष्ट्र दुर्घटनाः पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में एक दुखद घटना में राज्य परिवहन बस के पलट जाने से नौ यात्रियों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह घटना खजरी गांव के पास हुई, जहां एक मोटरसाइकिल से टक्कर से बचने की कोशिश में राज्य परिवहन बस पलट गई। दुर्घटना दोपहर करीब 12:30 बजे हुई, जब बस भंडारा से सकोली होते हुए गोंदिया जा रही थी।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस में 35 से अधिक यात्री सवार थे और दुर्घटना के बाद बस चालक मौके से भाग गया। स्थानीय निवासियों ने पुलिस और एम्बुलेंस सेवाओं को सूचित किया, जो घायल यात्रियों को बचाने के लिए तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। घायलों को इलाज के लिए गोंदिया के जिला सरकारी केटीएस अस्पताल ले जाया गया।इस बीच, क्रेन की मदद से पलटी हुई बस को उठाने का प्रयास जारी है और पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

सत्ता के भूखे लोग जनता से सिर्फ झूठ बोलते आए हैं

, विपक्ष पर बरसे प्रधानमंत्री न, कहा- 2019 में जो चौकीदार...

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब पहले दिन से देश की जनता किसी और को आशीर्वाद दे, इसका गुस्सा उन्हें देश की जनता पर भी है। इस स्थिति ने उनके अंदर इतना गुस्सा भर दिया है कि वो देश के खिलाफ साजिश करने में जुटे हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से तीन दिनों के लिए ओडिशा के दौरे पर हैं। भुवनेश्वर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव, हरियाणा चुनाव और देशभर में हुए उपचुनाव के नतीजों ने पूरे देश में जो विश्वास भर दिया है, वो आपकी आंखों में मैं देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि पहले ओडिशा, फिर हरियाणा, और अब महाराष्ट्र ! यही तो बीजेपी की विशेषता है। यही तो बीजेपी के कार्यकताओं का सामर्थ्य है।मोदी ने कहा कि चुनाव से कुछ महीने पहले तक बड़े-बड़े पॉलिटिकल एक्सपर्ट ओडिशा में भाजपा को पूरी तरह से खारिज कर रहे थे। ये लोग कह रहे थे कि ओडिशा में भाजपा इतनी बड़ी ताकत बन ही नहीं सकती कि वो अपने बलबूते पर सरकार बना लें। लेकिन जब परिणाम आए, तो लोग हैरान हो गए। क्योंकि ओडिशा के लोगों के लिए भाजपा की केंद्र सरकार के कार्य और दिल्ली में बैठते हुए भी ओडिशा के लोगों के साथ अपनापन का जो नाता रहा, वो

ओड़िशा के घर-घर पहुंच चुका था।नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजनीति में नीतिगत विरोध बहुत स्वाभाविक है। किसी भी निर्णय को लेकर अलग-अलग मत हो सकते हैं। राजनीतिक दल अपनी बात जनता के बीच पहुंचाने के आंदोलन भी करते रहते हैं। लोकतंत्र और संविधान की मयार्दा में रहकर अपने विचार भी प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से एक बहुत बड़ा बदलाव आप सब महसूस कर रहे होंगे। भारत के संविधान की भावनाओं को कुचल दिया जाता है, लोकतंत्र की सारी मान-मयार्दाओं को अस्वीकार किया जाता है। जो लोग सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं, उनके पास केंद्र की सत्ता पिछले 1 दशक से नहीं है।प्रधानमंत्री ने कहा कि अब पहले दिन से देश की जनता किसी और को आशीर्वाद दे, इसका गुस्सा उन्हें देश की जनता पर भी है। इस स्थिति ने उनके अंदर इतना गुस्सा भर दिया है कि वो देश के खिलाफ साजिश करने में जुटे हैं। ये लोग अपना गुस्सा जनता पर ही निकालने लगे हैं। उन्होंने कहा कि देश को गलत दिशा में ले जाने के लिए उन्होंने लोगों को गुमराह करना शुरू कर दिया है। उनकी झूठ और अफवाह की दुकान 50-60 साल से चल रही है। अब उन्होंने इस अभियान को और तेज कर दिया है।मोदी ने कहा कि ऐसे में जागृत नागरिकों के लिए, भाजपा कार्यकताओं के लिए, जो देश को प्यार करते हैं, जो संविधान का सम्मान करते हैं, उनके लिए ऐसे लोगों की हरकतें, इरादे और उनके कारनामे बहुत बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। इसलिए मैं सभी देशवासियों से कहना चाहूंगा कि हमें हर पल सतर्क रहना है और लोगों को जागरूक करते रहना है। हमें हर झूठ को बेनकाब करना है। उन्होंने कहा कि सत्ता के भूखे ये लोग जनता से सिर्फ झूठ बोलते आए हैं। जब इनका एक झूठ लोगों पर काम नहीं करता, तो उससे बड़ा दूसरा झूठ ये घड़ते हैं।

5 दिसंबर को होगा शपथ ग्रहण! अमित शाह के साथ बैठक के बाद भी नए उट पर सस्पेंस जारी

एजेंसी

महाराष्ट्रः भले ही महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री चेहरे के नाम पर सस्पेंस जारी है। वहीं, अब अटकलें तेज हो गई हैं कि नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 5 दिसंबर को आजाद मैदान में होगा। सीएम की रेस में अब भी देवेंद्र फडणवीस आगे हैं। एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को दो प्रमुख बैठकें रद्द कर दीं और सूत्रों की मानें तो वह अपने गांव सतारा के लिए रवाना हो गए हैं। विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा प्रचंड बहुमत हासिल करने के बाद महाराष्ट्र में अगली सरकार के लिए सत्ता-साझाकरण समझौते को तैयार करने के लिए शिंदे ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ गुरुवार देर रात शाह और नड्डा से मुलाकात की।रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीजेपी में पुराने और नए चेहरों को मिलाकर 17 कैबिनेट मंत्री हो सकते हैं।एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नौ कैबिनेट मंत्री और अजित पवार की एनसीपी के सात कैबिनेट मंत्री हो सकते हैं।एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि गुरुवार रात राज्य में सरकार गठन के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा के साथ उनकी अच्छी और सकारात्मक चर्चा हुई। मुंबई रवाना होने से पहले नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री पर फैसला राज्य की राजधानी में महायुति गठबंधन की एक और बैठक में एक या दो दिन में लिया जाएगा।भाजपा गृह सहित प्रमुख विभागों पर महत्वपूर्ण रूप से बातचीत कर रही है, जो उसके चुनावी प्रभुत्व के बाद नियंत्रण को मजबूत करने के इरादे का संकेत देता है। अभी तक आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं है कि महाराष्ट्र कैबिनेट में किसे क्या मिलेगा। दिल्ली में देवेन्द्र फड़णवीस, एकनाथ शिंदे, अजीत पवार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच एक निर्णायक बैठक का उद्देश्य लंबित मुद्दों को हल करना था। यह बैठक, जिसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है

हिन्दुओं की सुरक्षा करे बंगलादेश सरकार, लोकसभा में बोले एस जयशंकर, हम चिंतित, मामले को गंभीरता से ले रहे है

एजेंसी

नई दिल्लीःविदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार अल्पसंख्यकों सहित बांग्लादेश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। जयशंकर ने बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के बारे में लोकसभा में एक सवाल के जवाब में यह बयान दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि सरकार ने अगस्त 2024 से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं की कई रिपोर्टें देखी हैं, जब शेख हसीना को बांग्लादेश से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा था।जयशंकर ने कहा कि सरकार ने पूरे बांग्लादेश में अगस्त 2024 के महीने सहित हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों, उनके घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं और मंदिरों/धार्मिक स्थानों पर हमलों की कई रिपोर्टें देखी हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सरकार ने इन घटनाओं को गंभीरता से लिया है और बांग्लादेश सरकार के साथ अपनी चिंताओं को साझा किया है। बांग्लादेश में हाल ही में दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान मंदिरों और पूजा मंडपों पर हमलों की खबरें भी सामने आईं।

आर्थिक मोर्चे पर भारत को लगा बड़ा झटका, दूसरी तिमाही में फिसली जीडीपी ग्रोथ रेट

एजेंसी

नई दिल्ली: एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि घटकर 5.4% रह गई, जो लगभग दो वर्षों में इसकी सबसे धीमी गति है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यह पिछले साल की समान अवधि में दर्ज की गई 8.1% की वृद्धि से एक महत्वपूर्ण गिरावट है। मंदी के बावजूद, भारत ने उसी तिमाही में चीन की 4.6% जीडीपी वृद्धि को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा।पिछली बार जीडीपी वृद्धि इस स्तर से नीचे वित्त वर्ष 2023 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में गिरी थी, जब यह गिरकर 4.3% हो गई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, कृषि क्षेत्र के लिए सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में बढ़कर 3.5% हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 1.7% था। इसके विपरीत, विनिर्माण क्षेत्र की जीवीए वृद्धि गिरकर 2.2% हो गई, जो कि एक साल पहले की अवधि में दर्ज की गई 14.3% की मजबूत वृद्धि से तेज गिरावट है।विनिर्माण क्षेत्र में मंदी समग्र आर्थिक विकास पर प्राथमिक बाधा के रूप में उभरी है, जिससे वैश्विक आर्थिक प्रतिकूलताओं के बीच क्षेत्र की रिकवरी को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान, भारत की जीडीपी वृद्धि 6% रही, जो पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में 8.2% थी।

केंद्र सरकार से नहीं संभल रही दिल्ली की कानून व्यवस्था, केजरीवाल बोले- आज हर कोई डरा हुआ है

एजेंसी

नई दिल्ली: आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ कड़ी आलोचना की और उस पर दिल्ली को 'गैंगस्टरों' द्वारा शासन करने की अनुमति देने का आरोप लगाया। दिल्ली विधानसभा में आप विधायक और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, दिल्ली की कानून व्यवस्था बद से बदतर होती जा रही है, खासकर 2019 के बाद से जब अमित शाह गृह मंत्री बने। वह दिल्ली को संभाल नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हत्या की घटनाएं अक्सर हो रही हैं। केजरीवाल ने कहा कि लोगों को रंगदारी के लिए फोन आ रहे हैं। खुलेआम गैंगवार और गोलीबारी हो रही है। जो हमने फिल्मों में देखा वो आज दिल्ली में हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में अपहरण हो रहे हैं। महिलाओं का अपहरण, बलात्कार और हत्या कर दी जाती है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने कहर बरपाया है। लॉरेंस बिश्नोई खुद साबरमती जेल में बंद हैं जो बीजेपी शासित राज्य गुजरात में स्थित है। उन्होंने सवाल किया कि वहां की जेल से वह दिल्ली में रंगदारी का रैकेट कैसे चला रहा है?

प्रदर्शन की चेतावनी, इस बार राकेश टिकैत ने सीधे पीएम मोदी को लिखा पत्र, कर दी यह मांग

एजेंसी

नई दिल्ली: किसान नेता राकेश टिकैत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) बीजों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। पत्र में ऐतिहासिक उदाहरणों का संदर्भ दिया गया है जहां आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों, जैसे बैसिलस थुरिंजिएन्सिस (बीटी) कपास की शुरूआत ने मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर उनके संभावित प्रतिकूल प्रभावों के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। टिकैत ने किसानों के सामने बढ़ती इनपुट लागत और अप्रत्याशित जलवायु परिस्थितियों, फसल की पैदावार को प्रभावित करने और किसानों की आय में कमी सहित बढ़ती चुनौतियों को भी संबोधित किया।

पत्र में, टिकैत ने बताया कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, किसानों को उनकी उपज का उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक दुर्दशा और खराब हो रही है। आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलें वे पौधे हैं जिनके डीएनए को विशिष्ट वांछनीय लक्षण विकसित करने के लिए आनुवंशिक इंजीनियरिंग के माध्यम से संशोधित किया गया है। इस प्रक्रिया में अक्सर अन्य जीवों, जैसे बैक्टीरिया या पौधों के जीन को फसल की आनुवंशिक संरचना में शामिल करना शामिल होता है।

'अगर पीएम वहां बिरयानी खाने जा सकते हैं.. भारत-पाकिस्तान क्रिकेट विवाद में कूदे तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटनाः राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि भारतीय टीम को अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करनी चाहिए और अपने रुख का समर्थन करते हुए दावा किया कि खेलों में राजनीति को शामिल करना अच्छी बात नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की पाकिस्तान यात्रा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, टूनामेंट शुरू होने में बस कुछ ही महीने बाकी हैं। तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण, भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है, जब उन्होंने एशिया कप में भाग लिया था।दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वियों ने आखिरी बार 2012-13 में भारत में द्विपक्षीय श्रृंखला खेली थी, जिसमें सफेद गेंद के मैच शामिल थे। वर्तमान में, वे मुख्य रूप से आईसीसी टूनामेंट और एशिया कप में एक-दूसरे का सामना करते हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस बात पर जोर दिया कि बोर्ड भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों का सख्ती से पालन करेगा। भारत ने पाकिस्तान की यात्रा नहीं करने का रुख दृढ़ता से रखा है। तेजस्वी ने पत्रकारों से कहा कि खेल में राजनीति को शामिल करना अच्छी बात नहीं है.

दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले उतरेगी कांग्रेस, आपके साथ गठबंधन नहीं करने का ऐलान

एजेंसी

दिल्ली: कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के साथ किसी भी गठबंधन से इनकार करते हुए आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि पार्टी आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी 70 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने साफ किया कि चुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं होगा। यादव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में फैसला चुनाव के बाद कांग्रेस विधायक दल द्वारा किया जाएगा।इस महीने की शुरूआत में, अअढ प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों की तुलना महाभारत के समान 'धर्मयुद्ध' से की थी। पूर्व सीएम ने जिला स्तर पर एक संबोधन में कहा, "दिल्ली विधानसभा चुनाव एक 'धर्मयुद्ध' की तरह है। उनके पास कौरवों की तरह अपार धन और शक्ति है, लेकिन भगवान

और लोग पांडवों की तरह हमारे साथ हैं।" इस बीच, दिल्ली बीजेपी ने गुरुवार (28 नवंबर) को विधानसभा चुनाव से संबंधित कार्यों के लिए 43 समितियों की घोषणा की, जिनमें महिलाओं, युवाओं, एससी, ओबीसी और केंद्रीय योजना के लाभार्थियों से संपर्क के लिए अभियान शामिल हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के निदेर्शानुसार समिति के सदस्यों के नामों की घोषणा की गई। समितियों का गठन विभिन्न चुनाव-संबंधी कार्यों के लिए किया गया था, जिनमें नामांकन, मीडिया संबंध, अभियान कथा का सुझाव देना, सोशल मीडिया, दस्तावेजीकरण, डेटा प्रबंधन, विशेष संपर्क और लॉजिस्टिक्स आदि शामिल थे। दिल्ली के सभी 70 निर्वाचन क्षेत्रों के विधान सभा चुनाव फरवरी 2025 को या उससे पहले होने वाले हैं। पिछला विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था। चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी ने राज्य में सरकार बनाई और अरविंद केजरीवाल तीसरी बार मुख्यमंत्री बने। 7वीं दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 15 फरवरी 2025 को समाप्त होने वाला है।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि पार्टी आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी 70 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने साफ किया कि चुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं होगा।

अग्निशमन विभाग ने मॉक ड्रिल कर चलाया जागरूकता अभियान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' थाना क्षेत्र अन्तर्गत जीडी हॉस्पिटल महेशवाड़ा में अग्निशमन विभाग ने अग्नि रोधक जागरुकता अभियान चलाया।अग्निशमन विभाग के बेगूसराय अग्निक राजीव रंजन कुमार,नैंसी कुमारी एवं रोहित कुमार ने बताया कि विभिन्न गांव में मॉक ड्रिल कर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।जीडी हॉस्पिटल महेशवाड़ा के डायरेक्टर अमित कुमार उर्फ फूचो ने बताया कि मॉक ड्रिल के माध्यम से अग्नि से होने वाले दुर्घटनाओं के बारे में जानकारी दी गई।इस दौरान अग्निक संजय कुमार,उत्तम, पंकज, नीतू कुमारी ने बताया कि आग नहीं लगने और आग लग जाए तो क्या करें और क्या ना करें इससे संबंधित जानकारी दी।आग लगने के दौरान अग्नि बुझाने,लोगों का बचाव करने और अपनी हिफाजत करने से संबंधित गुर सिखाए। वहीं अग्निक श्रवण, रविदास,डीके यादव, अरविंद कुमार ने बताया कि आग से सुरक्षा एवं बचाव के उपायों की जानकारी से संबंधित पर्चा का वितरण किया गया।अग्निशमन दल के कर्मियों ने बताया कि अग्निकांड मानव जनित आपदा है।सिलेंडर में आग लगने पर ऑक्सीजन के संपर्क से सिलेंडर को दूर कर देना चाहिए।आग की लपटे निकलते समय जुट या सूती कपड़े को पानी में भिगोकर आग की लपटों को बंद करना चाहिए। गैस सिलेंडर को किसी टब या गड्ढे में जिसमें पानी भरा हो खड़े पोजीशन में रखना चाहिए।पाइप और रेगुलेटर को गैस जलाने से पहले चेक कर लेना चाहिए एवं कार्य खत्म होते ही गैस रेगुलेटर बंद कर देना चाहिए।रसोई घर में मिट्टी का तेल एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थ न रखने की सलाह दी गई।किसी व्यक्ति के शरीर में आग लग जाए तो उसे जमीन पर रोल कर लेटाना चाहिए, इससे आग जल्दी बुझ जाती है।वैसे समय में उसके शरीर पर सूती कपड़ा डालकर पानी के छीटें मारना चाहिए।आग लगने की स्थिति में अग्निशमन पदाधिकारी या थाना को सूचित करें। इस दौरान डॉ प्रगति, मोहित कुमार, अशोक कुमार सहित दर्जनाधिक ग्रामीण मौजूद थे।

जन सुरक्षा योजना के तहत शिविर का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' प्रखंड क्षेत्र अन्तर्गत डफरपुर पंचायत के पूर्वी डफरपुर में एलडीएफ बेगूसराय के निदेशानुसार शुक्रवार को ग्राम पंचायत स्तरीय जन सुरक्षा योजना अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सेंट्रल बैंक आफ इंडिया छतौना के शाखा प्रबंधक अभय कुमार,उप शाखा प्रबंधक मोहम्मद आजाद आलम, स्वाधार फिनएक्सेस से बबलू कुमार, क्लर्क रवि कुमार,ग्राहक सेवा केंद्र संचालक अविनाश कुमार की उपस्थिति में शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर में 30 व्यक्तियों का जन सुरक्षा बीमा किया गया।वहीं 15 बचत खाता भी खोले गए।सेंट्रल बैंक छतौना के शाखा प्रबंधक अभय कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना,प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना,अटल पेंशन योजना हेतु सुरक्षा पेंशन योजना से जोड़ा गया। उन्होंने बताया कि पीएमएसबीवाई के तहत 18 से 70 साल के बीच के लोग जिनके पास आधार से जुड़ा बैंक खाता है वह शामिल हो सकते हैं। इस योजना का सालाना प्रीमियम मात्र ?20 है।वहीं पीएमजेजेबीवाई के तहत 18 से 50 साल के बीच के लोग जो बैंक खाता रखते हैं वह शामिल हो सकते हैं। इस योजना का सालाना प्रीमियम 436 रुपए है इन योजनाओं के तहत बैंक खातों का इस्तेमाल करके लोगों को पेंशन और बीमा कर दिया जाता है।

आंखों में सपने, कंधे पर बस्ता और जान हथेली पर, नांव के सहारे बच्चे स्कूल जाने को मजबूर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। आंखों में सपने, कंधे पर बस्ता और जान हथेली पर यह स्थिति है हसनपुर प्रखंड क्षेत्र के सिरसिया गांव की सिरसिया गांव के बच्चों को स्कूल जाने के लिए नांव के सहारे नदी पार करनी पड़ती है। बच्चें रोज यह खतरा मोल लेते हैं ताकि स्कूल में जाकर पढ़ाई कर सकें। पिछले कई वर्षों से स्थिति ऐसी ही बनी हुई है। एक ही पंचायत के दो हिस्से नदी की वजह से बंटे हुए हैं। लोगों को पंचायत के दुसरे हिस्से में जाने के लिए नांव का सहारा लेना पड़ता है। छात्राओं ने बताया कि यह स्थिति पिछले कई वर्षों से बनी हुई है, हर बार प्रशासन से कहा जाता है कि इस नदी पर एक पुल बनवा दीजिए या सरकारी नांव की व्यवस्था कर दीजिए, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। हर साल बस वादा कर दिया जाता है, एक छात्रा ने कहा कि स्कूल जाना हो तो कई बार सोचना पड़ता है। उन्होंने बताया कि अभी कुछ दिनों पहले ही 2 छात्रा नांव का संतुलन बिगड़ने की वजह से बीच नदी में गिर गये थे। बड़ी मुश्किल से उनको बचाया गया। ग्रामीणों मो मुन्ना, अनवर इकबाल का कहना है कि नदी पार करने के लिए नांव ही एक मात्र सहारा है। वह भी इतना छोटा है कि ठीक से 4 लोग से अधिक बैठ जाय तो नांव का संतुलन बिगड़ जाता है। उन्होंने छात्राओं की सहूलियत के लिए प्रशासन से दो नांव देने की मांग की है। अब देखना है कि जिला प्रशासन इस ओर कबतक ध्यान देती है।

रात्रि रक्त पट्ट संग्रह में 202 व्यक्तियों का लिया गया ब्लड सैंपल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत समसा पंचायत के जीतपुर में जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत फाइलेरिया जांच हेतु 8 से 12 बजे के बीच रात्रि ब्लड सर्वे हेतु शिविर का आयोजन किया गया।पीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रामनरेश शर्मा ने बताया कि जांच के बाद उनके फाइलेरिया ग्रसित होने पर अस्पताल द्वारा आवश्यक चिकित्सकीय सहायता दी जाएगी। फाइलेरिया एक लाइलाज बीमारी है जिसकी पहले से ही पहचान होने पर उन्हें नियंत्रित रखा जा सकता है इसलिए नाइट ब्लड सर्वे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को भाग लेना चाहिए और अपने फाइलेरिया की जांच करवानी चाहिए।नाइट ब्लड कलेक्शन शिविर में लोगों को फाइलेरिया ग्रसित होने से होने वाली समस्याओं की जानकारी देते हुए उन्हें पहले से फाइलेरिया की जांच करवाने के लिए जागरूक एवं प्रेरित किया।शिविर के दौरान फाइलेरिया के 202 संदिग्ध व्यक्तियों से ब्लड सैंपल कलेक्शन किया गया।शिविर में सीएचओ विक्रांत कुमार, सूर्यभूषण, काउंसलर राज कुमार सिन्हा,जीएनएम रवि शंकर कुमार,एएनएम रेणु कुमारी,एलटी पंकज जोशी आदि मौजूद थे।

महिलाओं के वंध्याकरण शिविर का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी बेगूसराय ' अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिहारा में डॉ शैलेंद्र कुमार के द्वारा कुल 21 महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ दीपक कुमार सिंह ने बताया कि परिवार नियोजन में महिला के साथ पुरुष भी खुले मन से परिवार नियोजन साधनों को अपनाने को आगे आएं।उन्होंने कहा कि आज भी पुरुषों की मानसिकता में सिर्फ महिलाएं ही परिवार नियोजन के लिए जिम्मेवार हैं।पुरुष नसबंदी से शारीरिक कमजोरी आती,यह गलत धारणा है। इसको मन से निकालकर यह जानना बहुत जरूरी है कि महिला नसबंदी की अपेक्षा पुरुष नसबंदी अत्यधिक सरल और सुरक्षित है।इसलिए दो बच्चों के जन्म में पर्याप्त अंतर रखने के लिए अस्थायी साधन अपना सकते हैं।परिवार पूर्ण होने पर परिवार नियोजन के स्थायी साधन नसबंदी को अपनाकर अहम जिम्मेदारी निभाएं।प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक सुरेंद्र कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान दो और तीन बच्चों के पिता को पुरुष नसबंदी करवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।सर्जन डॉ शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पुरुष नसबंदी मामूली प्रक्रिया है।इसके लिए न्यूनतम संसाधन, बुनियादी ढांचा और न्यूनतम देखभाल की आवश्यकता है।मौके पर स्वास्थ्य प्रबंधक सुरेंद्र कुमार,बीसीएम रतन कुमार,काउंसलर धर्मेंद्र कुमार, एलटी कमलेश कुमार, मनोज कुमार, जीएनएम सरिता कुमारी, निशा कुमारी, एएनएम नीतू कुमारी पुष्प लता कुमारी आदि मौजूद थे।

व्यवसायी एवं पुलिस प्रशासन के बीच बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। व्यवसायियों की सुरक्षा को लेकर स्थानीय खाटू श्याम मंदिर परिसर में जिला प्रशासन और व्यवसायियों की बैठक आयोजित हुई जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संजय कुमार पांडे, ट्रैफिक डीएसपी आशीष राज, नगर थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार, मुफस्सिल थानाध्यक्ष पिंकी कुमारी ने शिरकत की। बैठक में कैट के जिला अध्यक्ष व पूर्व पार्षद राहुल कुमार ने व्यवसायियों की जान माल की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि शहर के व्यवसायी आज काफी दहशत मे हैं। इसलिए प्रशासन शहर में लगे सीसी टीवी कैमरे को ठीक कराए और पैदल गश्त कराए ताकि शहर में आपराधिक घटनाओं पर विराम लग सके। वही अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संजय कुमार पांडे ने व्यवसायियों को आश्वस्त किया कि प्रशासन हर संभव मदद के लिए तैयार है। उक्त दोनों ने व्यवसायियों से अपील की वो अपने प्रतिष्ठान में और आसपास सीसी टीवी कैमरा लगाये ताकि कोई घटना घटित होने पर पुलिस को अपराधियों तक पहुंचने में मददगार साबित हो। इस अवसर पर निर्मल केडिया, राहुल कुमार, राकेश राज, विजय कुमार, अनस रिजवान, सिद्धार्थ, सुनील कुमार, अनिरुद्ध कुमार, अशोक, अजय आदि मौजूद थे।

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में भाग लेने हेतु समाहरणालय से हरि झंडी दिखाकर किया गया रवाना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में भाग लेने हेतु समस्तीपुर जिला से जिला स्तरीय युवा महोत्सव में चयनित प्रतिभागियों को हरी झंडी देकर समाहरणालय परिसर से जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सुश्री जूही कुमारी द्वारा लखीसराय जिला के लिए रवाना किया गया। जिला से समूह लोक नृत्य में पुरुष वर्ग में एक एवं महिला वर्ग में 13, चित्रकार में महिला वर्ग में एक, वक्तृता में महिला वर्ग में एक, छायाचित्र में पुरुष वर्ग में एक, लघु नाटक में पुरुष वर्ग में 9 तथा महिला वर्ग में दो, शास्त्रीय गायन में पुरुष वर्ग में एक, शास्त्रीय नृत्य में पुरुष वर्ग में एक, शास्त्रीय वादन में पुरुष वर्ग में तीन तथा महिला वर्ग में एक, ज्ञान मेला में पुरुष वर्ग में चार महिला वर्ग में दो तथा एक दल प्रभारी पुरुष और एक दल प्रभारी महिला। इस प्रकार कुल पुरुष वर्ग मे 21 तथा महिला वर्ग में 25 कुल 46 प्रतिभागियों को लखीसराय में आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में भाग लेने हेतु रवाना किया गया। मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रजनीश कुमार राय, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी डॉ अशोक कुमार सहित विभिन्न पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर पंचायती राज पदाधिकारी के साथ की बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- आगामी 14 दिसंबर 2024 को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारियों के साथ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री विनोद कुमार तिवारी ने समीक्षात्मक बैठक की।

उन्होंने कहा कि ऐसे सुलहयोग्य वाद जो ग्राम कचहरी में लंबित है और पक्षकारों के बीच सुलह समझौते की गुंजाइश है तो पक्षकारों को ग्राम कचहरी में बुलाकर प्रि-काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने का प्रयास करें। समझौता पश्चात वाद को राष्ट्रीय लोक अदालत में निष्पादन के लिए तैयार करें। जिला जज ने कहा कि ग्राम कचहरियों के सभी प्रतिनिधि स्थानीय और सामाजिक होते हैं तथा मामले के सभी पहलुओं को भलीभांति समझते हैं। मामलों में स्थानीय पक्षकारों के होने से उनके बीच समझौता करना आसान होता है, इसलिए अधिक से अधिक मामलों में सुलह समझौता करायें। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री रंजन देव ने कहा कि ग्राम कचहरियों के माध्यम से राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार-प्रसार करायें साथ ही लोगों को लोक अदालत के फायदों से अवगत करायें। उन्होंने निष्पादन योग्य सुलहनीय वादों की सूची जमा करने का भी निर्देश दिया।

अग्निशमन विभाग ने मॉक ड्रिल कर चलाया जागरूकता अभियान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी बेगूसराय थाना क्षेत्र अन्तर्गत जीडी हॉस्पिटल महेशवाड़ा में अग्निशमन विभाग ने अग्नि रोधक जागरुकता अभियान चलाया।अग्निशमन विभाग के बेगूसराय अग्निक राजीव रंजन कुमार,नैंसी कुमारी एवं रोहित कुमार ने बताया कि विभिन्न गांव में मॉक ड्रिल कर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।जीडी हॉस्पिटल महेशवाड़ा के डायरेक्टर अमित कुमार उर्फ फूचो ने बताया कि मॉक ड्रिल के माध्यम से अग्नि से होने वाले दुर्घटनाओं के बारे में जानकारी दी गई।इस दौरान अग्निक संजय कुमार,उत्तम, पंकज, नीतू कुमारी ने बताया कि आग नहीं लगने और आग लग जाए तो क्या करें और क्या ना करें इससे संबंधित जानकारी दी।आग लगने के दौरान अग्नि बुझाने,लोगों का बचाव करने और अपनी हिफाजत करने से संबंधित गुर सिखाए। वहीं अग्निक श्रवण, रविदास,डीके यादव, अरविंद कुमार ने बताया कि आग से सुरक्षा एवं बचाव के उपायों की जानकारी से संबंधित पर्चा का वितरण किया गया।अग्निशमन दल के कर्मियों ने बताया कि अग्निकांड मानव जनित आपदा है।सिलेंडर में आग लगने पर ऑक्सीजन के संपर्क से सिलेंडर को दूर कर देना चाहिए।आग की लपटे निकलते समय जुट या सूती कपड़े को पानी में भिगोकर आग की लपटों को बंद करना चाहिए। गैस सिलेंडर को किसी टब या गड्ढे में जिसमें पानी भरा हो खड़े पोजीशन में रखना चाहिए।पाइप और रेगुलेटर को गैस जलाने से पहले चेक कर लेना चाहिए एवं कार्य खत्म होते ही गैस रेगुलेटर बंद कर देना चाहिए।रसोई घर में मिट्टी का तेल एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थ न रखने की सलाह दी गई।किसी व्यक्ति के शरीर में आग लग जाए तो उसे जमीन पर रोल कर लेटाना चाहिए, इससे आग जल्दी बुझ जाती है।वैसे समय में उसके शरीर पर सूती कपड़ा डालकर पानी के छीटें मारना चाहिए।आग लगने की स्थिति में अग्निशमन पदाधिकारी या थाना को सूचित करें। इस दौरान डॉ प्रगति, मोहित कुमार, अशोक कुमार सहित दर्जनाधिक ग्रामीण मौजूद थे।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रखंड स्तरीय भाजपा की बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' प्रखण्ड क्षेत्र अन्तर्गत हसनपुर बागर में नावकोठी मंडल के विभिन्न पंचायतों में बूथ कमेटी के गठन हेतु कार्यकताओं की बैठक अजीत सिंह के आवास पर हुई।अध्यक्षता मंडल उपाध्यक्ष बजरंगी शाह ने की।बैठक में संबोधित करते हुए युवा जिला अध्यक्ष सह मंडल प्रभारी सुमित कुमार सन्नी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा के सभी कार्यकताओं को सक्रिय हो जाना चाहिए। बखरी विधानसभा में पिछले बार कम वोट से हार हुई थी जिसे इस बार जीतोड़ मेहनत कर बाजी अपने पक्ष में करना है। तकनीकी रूप से मंडल के विभिन्न पंचायतों के 54 मतदान केंद्रों पर बूथ अध्यक्ष,मंत्री सहित 12 सदस्यों की कमेटी का अविलंब गठन किया जाए।प्रत्येक पंचायत में सांगठनिक चुनाव कराने के लिए प्रभारी के नाम के घोषणा की गई। अजीत सिंह, अर्जुन शाह, पंकज चौधरी,मुकेश महतो,दिलीप महतो, रानी कुमारी आदि को पंचायत प्रभारी बनाया गया है।शक्ति केंद्र अध्यक्ष चुनाव के बाद मंडल और जिला चुनाव की तिथि कि घोषणा की जाएगी।मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता विश्वनाथ सिंह,त्रिभुवन पासवान, विनय सिंह,जयशंकर भारती,सुशील कुमार भारती,दीपक कुमार कानू, तरुण कुमार,बाबू साहब कुंवर सहित भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता मौजूद थे।

दरौली प्रखंड में हुएं पैक्स चुनाव में 38.59 प्रतिशत मतदाताओं ने किया मतदान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

-मतदान सभी मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण पैक्स चुनाव संपन्न

दरौली, सिवानः दरौली प्रखंड क्षेत्र के दस पैक्स में शुक्रवार हुए मतदान में सभी मतदान केन्द्रो पर शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हो गया। बताते चलें कि प्रखंड क्षेत्र के दस पंचायतों में पैक्स चुनाव को लेकर कुल 47 मतदान केंद्र बनाए गए थे, जहां 30490 मतदाताओं को मतदान करना था। मतदान समाप्ति तक 11767 मतदाताओं ने मतदान किया, 38.59 प्रतिशत था।सभी दस पंचायत में अध्यक्ष पद के लिए 30 तथा सदस्य पद के लिए 82 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे हैं शुक्रवार को सुबह में 7 बजे से मतदान शांतिपूर्ण प्रारंभ हो गया । 11बजे तक प्रखंड क्षेत्र में कुल 12.92 प्रतिशत तथा एक बजे तक 23.64प्रतिशत, तीन बजे तक 33.08 प्रतिशत।

जिला महासचिव मुन्नी देवी के पुत्री के आसामयिक निधन के उपरांत उनके पटना के गोला रोड स्थित आवास पहुंचे

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोजपा (रा) के जमुई सांसद सह बिहार प्रदेश संगठन प्रभारी श्री अरुण भारती ने पार्टी के पटना जिला अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला महासचिव मुन्नी देवी के पुत्री के आसामयिक निधन के उपरांत उनके पटना के गोला रोड स्थित आवास पहुंचे और उनके शोकाकुल परिजनों से मिलकर पीड़ित परिवार वालों को संत्वना दिए तथा हर संभव मदद करने का भरोसा दिलाए।पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि मौके पर पार्टी के अल्पसंख्यक सेल प्रदेश अध्यक्ष सलीम साहिल ,महिला सेल अध्यक्ष शोभा सिंन्हा पासवान, अति पिछड़ा पटना जिला अध्यक्ष गुड़िया देवी तथा पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

मधुबनी के जयनगर थाना परिसर में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिप्लव कुमार ने

पिछले दिन रेलवे स्टेशन परिसर जयनगर में हुए लूट कांड का किया उद्भेदन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर डीएसपी बिप्लव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पिछले दिन मनी एकचेंजर पर अपराधियो के द्वारा गोली मारकर पैसों की लूट का किया उद्भेदन ।

जयनगर थाना परिसर में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिप्लव कुमार ने पिछले दिन रेलवे स्टेशन परिसर जयनगर में हुए लूट कांड एवं गोली कांड का उद्भेदन करते हुए बतलाया कि दिनांक 22/11/24 की सन्ध्या जयनगर के पिटवा टोल निवासी जयप्रकास यादव अपने पुत्र चंदन कुमार यादव के साथ रेलवे स्टेशन परिसर जयनगर से अपने आवास पिटवा टोल जाने के क्रम पूर्व से घात लगाए चार अपराधी नेपाली रेलवे स्टेशन के सीढ़ी के पास चंदन कुमार से रुपिया बाला बैग छीन लिया एवं पेट मे गोली मार दिया और बंदूक के बट से जयप्रकास यादव को सिर पर मारकर घायल कर दिए और फरार हो गए ।जयनगर रेलवे थाना कांड संख्या 51/24दर्ज करने के बाद सीसीटीवी फुटेज एवं आधुनिक तकनीक के आधार पर अनुसंधान पुलिस अधीक्षक मधुबनी के दिशा निर्देश पर टीम गठन कर अनुसंधान शुरू किया गया ।पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार कर पूछताछ किया ,सीसीटीवी फुटेज एवं गिरफ्तार अपराधी से पूछताछ में कुल चार अपराधी का नाम आया जिसमे एक कि गिरफ्तारी हो चुकी है बाकी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है ,गिरफ्तार अपराधी का नाम माणिक सिंह पिता विजय कुमार सिंह ,घर सेलरा ,थाना जयनगर निवासी है ,इन पर दरभंगा कांड संख्या 216/ 23 दर्ज है ।छापेमारी दल में थानाध्यक्ष अमित कुमार ,संजय कुमार सिंह,मोहमद सर्वर आलम,मोहमद शमसाद आलम,विक्रम आचार्य,अनूप कुमार,वीणा देवी (रेल थानाध्यक्ष),शिव शंकर उरांव ,सुरेश कुमार शामिल रहे ।

मोटरसाइकिल चालक की दर्दनाक मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

आज ही सुबह करीब 11 बजे सिंघिया घाट से कल्याणपुर चौक के बीच गैस गोदाम के ठीक सामने किसी अज्ञात पिकअप के ठोकर मार देने से मोटरसाइकिल चालक की स्पॉट मृत्यु हो गई ।मृतक की पहचान शीलकुमार केराई पंचायत के वार्ड नङ्ग 14 के रूप में की गई। टक्कर इतनी भयानक थी की मोटर साइकिल दो टुकड़ों में विभक्त हो गया था। गाड़ी नङ्ग इफ्ॠ3अ ढ3347 है।

घटना पश्चात जुटी आक्रोशित भीड़ ने घंटो रोड जाम कर दिया जिसे सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस प्रशासन ने बड़ी मशक्कत के बाद जाम हटाया और लाश को अपने कब्जे में लेते हुए सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रिया को पूरा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर हॉस्पिटल समस्तीपुर भेज दिया गया।

विकसित बिहार की ओर एक मजबूत कदम !

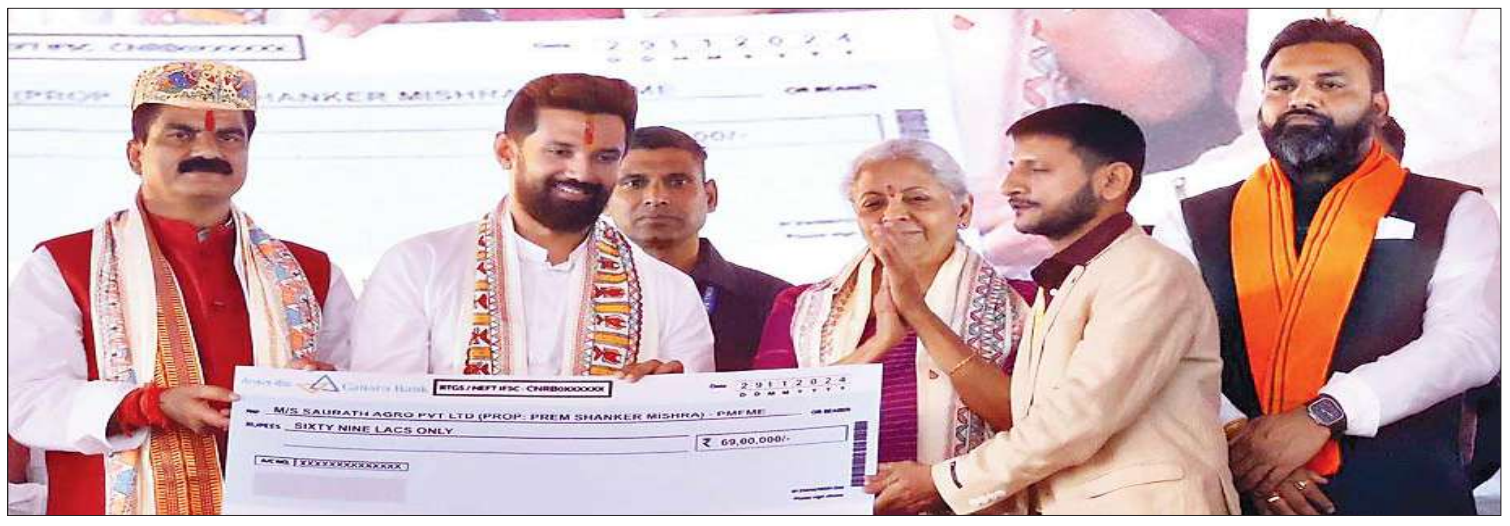

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज दरभंगा में केंद्रीय वित्तमंत्री श्रीमती @ल्ल३ँ१ेल्ल जी के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री आदरणीय श्री चिराग पासवान जी क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं में लगभग 49000 से अधिक लाभार्थियों को लगभग 1388 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया। इससे बिहारियों के लिए स्वरोजगार और उद्यमशीलता के लिए अवसर के नये द्वारा खुलेंगे। बिहारी मजबूत होंगे तभी बिहार विकसित होगा। एक सशक्त बिहार के लिए जरूरी है रोजगार सृजन होगा।

जॉब कैम्प का आयोजन किया जा रहा है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

(दरभंगा) :- श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार पटना के तत्वावधान में विश्वविद्यालय नियोजन सूचना मार्गदर्शन केन्द्र, दरभंगा के माध्यम से दिनांक-29 नवम्बर 2024 को विश्वविद्यालय नियोजन सूचना एवं मार्गदर्शन केन्द्र, दरभंगा दरभंगा के कार्यालय परिसर में द्वारा 11:00 बजे पूर्वाहन से 4:00 बजे अपराहन तक जॉब कैम्प का आयोजन किया जा रहा है।

इसमें कुल 50 पदों पर नियुक्ति के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 12३ँ ढ२२ ल्ल]िङ्ग५ी उत्तीर्ण अभ्यथीर्यों की

नियोजक द्वारा चयनित अभ्यथीर्यों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

बहाली की जाएगी। जिसके लिए अभ्यथीर्यों की उम्र सीमा 18 से 25 वर्ष निर्धारित है। कम्पनी द्वारा अभ्यथीर्यों को 19,500 से 20,500/- रुपए सहित अन्य भत्ते प्रतिमाह दिया जाएगा। नियोजक द्वारा चयनित अभ्यथीर्यों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इसलिए आप सभी वांछित अभ्यथीर्यों को सूचित किया जाता है। कि इस जॉब कैम्प में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर रोजगार के अवसर का लाभ उठावे। जॉब कैम्प में भाग लेने हेतु अभ्यथीर्यों के लिए नियोजनालय निबंधन अनिवार्य है। इकच्छुक अभ्यर्थी भारत सरकार के ठउर ढङ्ग१३'' (६६६.ल्लू२ॅङ्ग५.ल्ल) पर जाकर खुद से व इस नियोजनालय में आकर निबंधन करा सकते है।साथ ही साथ वांछित अभ्यथीर्यों को इस जॉब कैम्प में भाग लेने हेतु अपना बायो-डाटा, सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्र, रंगीन फोटो आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं अन्य प्रमाण पत्र की छाया प्रति साथ अवश्य लाएगें।

ट्रक बैक करने के क्रम में उप चालक की मौत

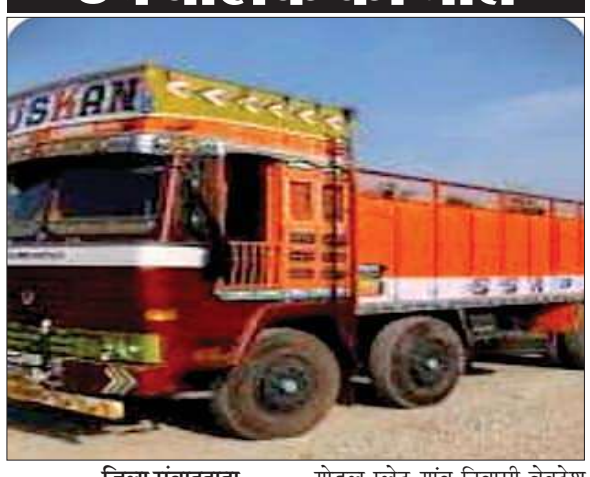

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रामपुरा मोड़ से सटे धर्म कांटा के पास ट्रक बैक करने के क्रम में ट्रक के उप चालक का पैर फिसल गया, जब तक ड्राइवर उसे देख पाता तबतक ट्रक का चक्का उप चालक के शरीर के ऊपर चढ़ गया। जबतक उसे निकाल कर इलाज के लिए ले जाया जाता उप चालक की मौत हो गई। मृतक उप चालक की पहचान आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिला अंतर्गत गोडल प्लेटू गांव निवासी बेक्टेश बटलू के 40 वर्ष पुत्र बेनू गोपाल डूडू के रूप हुई है। घटना के बाद पहुंची कल्याणपुर थाना की ओर से थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने गाड़ी को कब्जे में लेते हुए शव को अंत्य परीक्षण के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया।इसके बाद शव का अंत्यपरीक्षण किया जा रहा है, इस मामले में ड्राइवर व खलासी चाचा भतीजा बताई जा रहे हैं, हालांकि अन्य परिजन के पहुंचने पर दिए गये आवेदन के आधार कागजी कार्रवाई की जाएगी

समस्तीपुर में व्यवसायियों की सुरक्षा जिला प्रशासन और व्यवसायियों की बैठक आयोजित हुई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर में व्यवसायियों की सुरक्षा को लेकर स्थानीय खाटू श्याम मंदिर परिसर में जिला प्रशासन और व्यवसायियों की बैठक आयोजित हुई जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संजय कुमार पांडे, ट्रैफिक डीएसपी आशीष राज,नगर थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार,मुफस्सिल थानाध्यक्ष पिंकी कुमारी ने शिरकत की ।बैठक में कैट के जिला अध्यक्ष व पूर्व पार्षद राहुल कुमार ने व्यवसायियों की जान व माल की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि शहर के व्यवसाई आज काफी दहशत में हैं इसलिए प्रशासन शहर में लगे सीसी टीवी कैमरे को ठीक कराए और पैदल गश्त कराए ताकि शहर में आपराधिक घटनाओं पर विराम लग सके ।वही अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संजय कुमार पांडे ने व्यवसायियों को आश्वस्त किया कि प्रशासन हर संभव मदद के लिए तैयार है ।उक्त दोनों ने व्यवसायियों से अपील की वो अपने प्रतिष्ठान में और आस पास सीसी टीवी कैमरा लगाए ताकि कोई घटना घटित होने पर पुलिस को अपराधियों तक पहुंचने में मददगार साबित हो ।इस अवसर पर निर्मल केडिया,राहुल कुमार,राकेश राज,विजय कुमार,अनस रिजवान,सिद्धार्थ, सुनील कुमार, अनिरुद्ध कुमार,अशोक,अजय आदि लोग उपस्थित थे ।

चिराग पासवान ने अपनी गाड़ी में दोनों घायलों को अस्पताल भेजने का प्रबंध किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक 29 नवम्बर, 2024

पटना से दरभंगा जाने के क्रम में वैशाली जिले के भगवानपुर के समीप हाईवे पर घायलावस्था में सड़क के किनारे पड़े दो व्यक्ति को देखते हीं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने पूरे काफिले को तुरंत रोक कर अपनी गाड़ी में दोनों घायलों को अस्पताल भेजने का प्रबंध किया। उनके उचित इलाज के लिए डॉक्टर से श्री चिराग ने स्वयं संपर्क किए ।इससे पूर्व भी कई घायलों को ऊंची इलाज के लिए मदद करते देखा गया है एक बार फिर से श्री चिराग का मानवीय चेहरा देखने को मिला।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव में चयनित प्रतिभागियों को हरी झंडी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में भाग लेने हेतु समस्तीपुर जिला से जिला स्तरीय युवा महोत्सव में चयनित प्रतिभागियों को हरी झंडी देकर समाहरणालय परिसर से जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सुश्री जूही कुमारी द्वारा लखीसराय जिला के लिए रवाना किया गया। समस्तीपुर जिला से समूह लोक नृत्य में पुरुष वर्ग में एक एवं महिला वर्ग में 13, चित्रकार में महिला वर्ग में एक ,वक्तृता में महिला वर्ग में एक , छायाचित्र में पुरुष वर्ग में एक, लघु नाटक में पुरुष वर्ग में 9 तथा महिला वर्ग में दो ,शास्त्रीय गायन में पुरुष वर्ग में एक ,शास्त्रीय नृत्य में पुरुष वर्ग में एक, शास्त्रीय वादन में पुरुष वर्ग में तीन तथा महिला वर्ग में एक, ज्ञान मेला में पुरुष वर्ग में चार महिला वर्ग में दो तथा एक दल प्रभारी पुरुष और एक दल प्रभारी महिला ।इस प्रकार कुल पुरुष वर्ग मे 21 तथा महिला वर्ग में 25 कुल 46 प्रतिभागियों को लखीसराय में आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में भाग लेने हेतु रवाना किया गया ।मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी समस्तीपुर श्री रजनीश कुमार राय, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी डॉ अशोक कुमार सहित विभिन्न पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

अनिल ज्वेलर्स लूटकांड का एस पी ने किया खुलासा, पांच अपराध कर्मी को किया गया गिरफ्तार आभूषण बरामद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। पुलिस ने 2 करोड़ के सोना लूट के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 5 अपराधियों को गिरफ्तार किया है और लूटा हुआ सोना और चांदी भी बरामद कर लिया है।एसपी अशोक मिश्रा ने प्रेस कांफ्रेंस में मामले का खुलासा किया और एसआईटी को पुरस्कृत करने की बात कही है। बताया जाता है कि बीते 23 नवंबर को समस्तीपुर के पुरानी पोस्ट ऑफिस चौक स्थित अनिल ज्वेलर्स में दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था। उन्होंने प्रेस वार्ता में बताया कि 5 अपराधी ग्राहक बनकर आये और 102 डब्बों से आभूषण लूटकर फरार हो गये थे। बताते चले कि दिनदहाड़े दो करोड़ के सोना लूट की घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। पुलिस ने इसे चुनौत के रूप में स्वीकार किया और लूटकांड के खुलासे के लिए एसपी के निर्देश पर एसआईटी की गठन किय गया। एसआईटी की टीम लगातार अपराधियों के पीछे लगी हुई थी।इस दौरान पुलिस ने ताजपुर से 5 अपराधियों को 4 देशी कट्टा और 3 बाईक के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने लूटी हुई 559 ग्राम सोना और 750 ग्राम चांदी बरामद की है। गिरफ्तार अपराधियो ने पुलिस के सामने लूट में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।एसपी अशोक मिश्रा ने मामले का खुलासा किया और एसआईटी को पुरस्कृत करने की बात कही है।

समस्तीपुर मंडल में रक्तदान शिविर का आयोजन,29 लोगों ने रक्तदान किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर मंडल में शुक्रवार को मंडल रेल अस्पताल तथा ग्रामीण रक्तदान संघ द्वारा संयुक्त रूप से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर का उदघाटन मंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस रक्तदान शिविर में रेल कर्मचारियों और अधिकारियों ने बढ़ - चढ़कर हिस्सा लिया। इस रक्तदान आयोजन में कुल 29 लोगों ने रक्तदान किया, जो कि एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव ने कहा कि रक्तदान एक बहुत बड़ा

दान है, जो कि किसी की जान बचाने में मदद कर सकता है। हमें गर्व है कि हमारे रेल कर्मचारियों और अधिकारियों ने इस रक्तदान शिविर में भाग लिया और रक्तदान किया। इस कार्यक्रम में ग्रामीण रक्तदान संघ के अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि हमें समस्तीपुर मंडल रेलवे के साथ मिलकर रक्तदान शिविर आयोजित करने का अवसर मिला, जो कि बहुत ही सफल रहा। हमें उम्मीद है कि इस रक्तदान शिविर से किसी की जान बचाने में मदद मिलेगी। इस रक्तदान शिविर के आयोजन से समस्तीपुर मंडल रेलवे ने एक बार फिर से समाज में अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने का प्रयास किया है। इस अवसर पर मंडल रेल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुनील कुमार के साथ अस्पताल के सभी चिकित्सक, नर्सें तथा अन्य कर्मचारी और रेडक्रॉस की रक्त संग्रह कर्ता टीम भी उपस्थित थी और उन सबने इस आयोजन में बढ़चढ़ कर भाग लिया।

संक्षिप्त डायरी

मशरक में शादी समारोह से बाइक चोरी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के सिद्धिदात्री मंदिर के पास शादी समारोह से अज्ञात चोरों के द्वारा बाइक चोरी करने का मामला सामने आया है। मामले में बताया गया कि बाइक सिवान जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र के जगतपुर गांव रवि कुमार गुप्ता की हैं जो रिश्तेदारी में निवासी अतुल कुमार गुप्ता के यहां थी। बगल में शादी समारोह में शामिल होने के दौरान हीरो स्पलेंडर बीआर 29 एएच 8300 चोरी कर ली गई। पीड़ित के द्वारा थाना पुलिस को आवेदन दिया गया।

मशरक में कपड़ा दुकान से ठंड के गर्म समेट अन्य कपड़े चोरी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड में एचडीएफसी बैंक के सामने कपड़ा दुकान का गेट तोड़ कर चोरी करने का मामला सामने आया। मशरक तख्त टोला गांव निवासी जाकिर हुसैन ने बताया कि दुकान खोलने आए तों देखा कि दुकान के आगे का गेट उखाड़ कर दुकान में गर्म कपड़े समेट अन्य कपड़े चोरी की गयी हैं। उन्होंने बताया कि दुकान के अंदर से स्वेटर, जैकेट, गर्म गंजी,शांल, बच्चों का कोट पैंट और फ्रांक चोरी कर ली गई है।चोरी गयी सामानों की कीमत लगभग 50 हजार बताई गई। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

अलग-अलग घटनाओं में आधा दर्जन घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के अलग-अलग गांवों में मारपीट की घटनाओं में आधा दर्जन लोग घायल हो गए।घायलों का इलाज सीएचसी मशरक में हुआ। पहले मामले में नगर पंचायत क्षेत्र के दक्षिण टोला गांव में आपसी विवाद में मारपीट में सुनीता देवी और लालवीर राय घायल हो गए। घायलों ने बताया कि आपसी विवाद को लेकर पट्टीदार सुरेन्द्र राय समेत अन्य ने मारपीट कर दोनों को घायल कर दिया। वहीं दूसरे मामले में बहरौली गांव में मंजू देवी पति मिश्रीलाल सहनी मारपीट में घायल हो गए वहीं मारपीट में बचाने आई पुत्री रबिना कुमारी भी घायल हो गयी। वहीं तीसरे मामले में मशरक तख्त टोला गांव निवासी 40 वर्षीय बबिता देवी और पुत्री 24 वर्षीय खुशबू कुमारी और चौथे मामले में सिरसा जलालपुर गांव निवासी सुरेंद्र महंतों की 43 वर्षीय पत्नी मंजू देवी का इलाज हुआ। मामले में थाना पुलिस को आवेदन दिया गया पुलिस जांच में जुटी है।

महाराष्ट्र से गोपालगंज आ रहा मजदूर नशा खुरानी गिरोह का हुआ मजदूर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक जंक्शन के पास नशा खुरानी गिरोह का शिकार हुआ मजदूर बेहोशी की हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। परिजनों ने बताया कि वह महाराष्ट्र के पुणा में काम करता है वहीं से वह घर आ रहा था जब घर नहीं पहुंचा तो खोजबीन की गयी तों मशरक जंक्शन के पास बेहोशी की हालत में पाया गया और उसका सारा सामान चोरी कर ली गई है। वह गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के कतालपुर गांव निवासी इमामुद्दीन का 30 वर्षीय पुत्र नूर हसन साई हैं , वहीं उसका ससुराल मशरक के पूरब टोला गांव में बाला पठान के टोला में ही हैं। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ चन्द्रशेखर सिंह ने प्राथमिक उपचार किया।

वारिसनगर में शांति पूर्वक संपन्न हुआ पैक्स चुनाव, बीडीओ ने दी बधाई, मतदान 61 प्रतिशत रहा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले वारिसनगर प्रखंड क्षेत्र के 16 पैक्स के लिए शुक्रवार को हुआ चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। चुनाव के दौरान प्रशासन की गाड़ियां गश्त लगाती रही व सभी बूथों का जायजा लेते नजर आये। निवार्ची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी अजमल परवेज, सीओ धर्मेंद्र पंडित, थानाध्यक्ष निरंजन कुमार सहित जिला से आये अन्य पदाधिकारी पुलिस बल के साथ दिनभर घूमते रहे। प्रखंड के 16 पंचायत के कुल 26,184 मतदाताओ में से कुल 15,966 मतदाताओ ने अपने-अपने मत का उपयोग किया। अध्यक्ष के 16 पद के 50 प्रत्याशी तथा सदस्य के 38 पद हेतु 65 प्रत्याशियो के भाग्य का फैसला शनिवार को किशनपुर के भागवत ठाकुर उच्च विद्यालय में मतगणना के बाद होगा। जहां 12 टेबुल पर 48 गणना कर्मी सभी के भाग्य का फैसला करेंगे। धनहर में शाम छह बजे तक हुआ मतदान। ज्ञात हो कि धनहर पैक्स के बूथ संख्या 2 (ख) पर तीन बजे से पहले लगी वोटरों की लम्बी कतार के कारण संध्या करीब छह बजे तक मतदान की प्रक्रिया चलती रही। इधर पूछे जाने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अजमल परवेज ने बताया कि वारिसनगर में मतदान 61 प्रतिशत रहा। उन्होंने सभी अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों को शांति पूर्वक मतदान सम्पन्न कराने के लिए धन्यवाद एवं शुभकामनाएं दी है।

सड़क किनारे ई रिक्शा,ऑटो वाहन खड़ा करने पर भरना पड़ेगा जुमार्ना

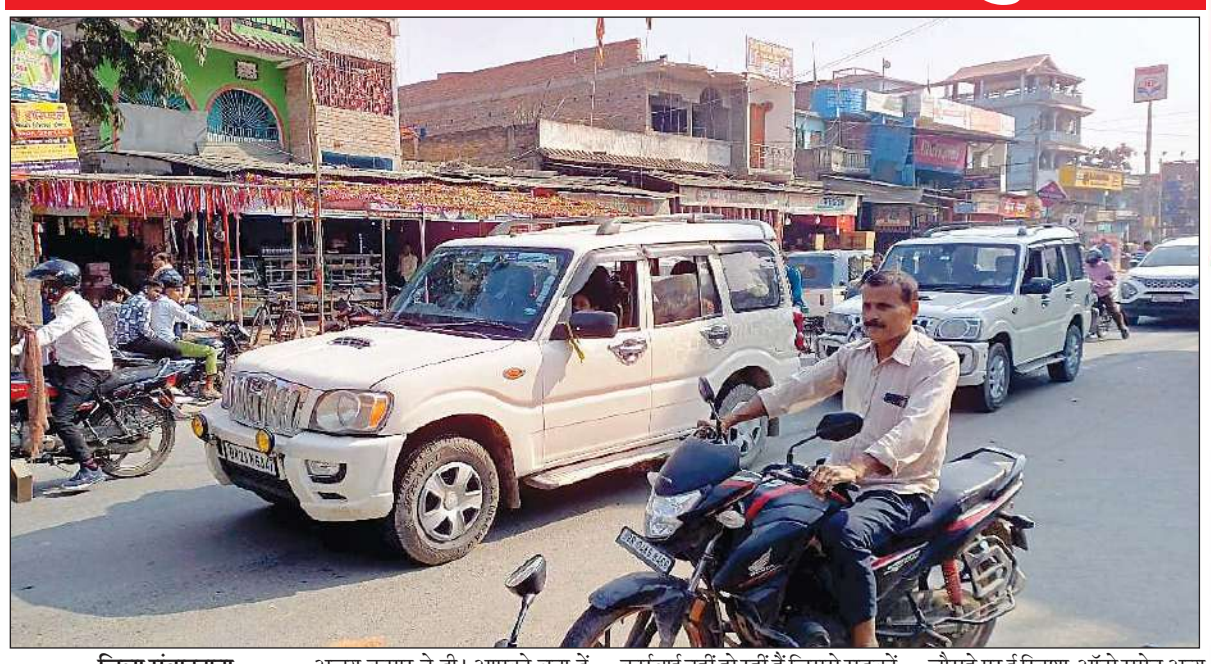

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक (सारण) सड़क पर जहां-तहां वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ प्रशासन सख्त कार्रवाई करना शुरू कर दी हैं। इसके अलावा ओवरलोडिंग व तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों पर नकेल कसने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।इसकी जानकारी थानाध्यक्ष अजय कुमार ने दी। आपको बता दें कि थाना क्षेत्र से गुजर रही एन एच 227 ए राम जानकी पथ पर महाराणा प्रताप चौंक, महावीर चौक, डाक-बंगला चौंक, अस्पताल चौंक पर ई रिक्शा,ऑटो और चार चक्का वाहन सड़क पर ही खड़े करने से जाम की समस्या बनी रहती है। वहीं स्थानीय लोग प्रशासन से अतिक्रमण हटाने की मांग की जाती है पर इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रहीं हैं जिससे सड़कों पर महा जाम लग जा रहा है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि सड़क पर परिवहन नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन मालिकों व चालकों पर जुमार्ना के साथ-साथ कड़ी कार्रवाई भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि मशरक में महावीर चौक, महाराणा प्रताप चौंक, अस्पताल चौंक समेत अन्य चौंक चौराहे पर ई रिक्शा, ऑटो समेत अन्य चार चक्का वाहन खड़े करने पर जांच के दौरान जुमार्ना लगाया जा रहा है। वहीं आपको बता दें कि राष्ट्रीय राजमार्ग व परिवहन विभाग के नियमानुसार एनएच और एस एच पर वाहन खड़ा करने वालों पर कार्रवाई करने का प्रावधान है। परंतु अब तक विभागीय अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे थे।

पुलिस के साथ विवाद करना युवा नेता को पड़ा महंगा

किशनगंज बस स्टैंड के पास एनएच-27 पर बीते शनिवार 23 नवंबर को किशनगंज पुलिस के साथ विवाद करना एक युवा नेता और उनके साथी को महंगा पड़ गया। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर चालान काटने का विरोध करने के कारण इम्तियाज नसर और उनके साथी के खिलाफ किशनगंज टाउन थाना के अध्यक्ष संदीप कुमार ने मामला दर्ज किया है। थानाध्यक्ष संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक के आदेश पर किशनगंज बस स्टैंड, एनएच-27 और सर्विस लेन पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान एक सफेद रंग की गाड़ी (रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 37 वी 8459) आती दिखाई दी। इसमें सवार दोनों व्यक्तियों ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी। पुलिसकर्मियों ने गाड़ी रोककर दस्तावेज मांगे और सीट बेल्ट न लगाने के लिए मोटर वाहन अधिनियम की धारा 194इ के तहत 1000 का ऑनलाइन जुमार्ना वसूला। चालान काटे जाने के बाद, दोनों व्यक्तियों ने एनएच-27 पर हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने एक बड़े राजनीतिक दल के नेता होने का रौब दिखाया और पुलिसकर्मियों को धमकाया। इसके बाद उन्होंने एनएच-27 पर अपनी गाड़ी खड़ी कर उसके सामने बैठकर रास्ता जाम कर दिया। पुलिस ने जब उनसे रास्ता खाली करने को कहा तो उन्होंने धक्का-मुक्की की और वाहन के दस्तावेज प्रस्तुत करने से मना कर दिया। पुलिस ने बताया कि दोनों व्यक्तियों ने सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने, ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों को धमकाने, धक्का-मुक्की करने और राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित करने जैसे गंभीर आरोपों के तहत मामला दर्ज किया है। इनके खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ज्यादातर बच्चे और बुजुर्ग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जिस कारण बच्चों में सर्दी ,खांसी, बुखार, कोल्ड डायरिया होता है वहीं बुजुर्गों में ब्लड प्रेशर होने की संभावना अधिक होती है। बचाव के लिए यही उपाय की मौसम के अनुसार वस्त्र का चयन करना चाहिए। सदर अस्पताल अधीक्षक बी एस झा ने बताया कि ठंड के कारण दिन पर दिन मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। सामान्य दिन में सदर अस्पताल में मरीजों की संख्या 600 से 700 होती थी। अब 1000 से अधिक मरीजों की संख्या हो रही है। मरीजों की संख्या को देखते हुए ओपीडी की सेवा डबल कर दी गई है। ज्यादातर मरीज इन्फ्लूएंजा सर्दी खांसी बुखार के साथ साथ ब्लड प्रेशर और शुगर के आ रहे हैं। मौसम के कुप्रभाव से बचने के लिए गर्म कपड़ा का उपयोग सुबह शाम करें कोल्ड ड्रिंक ना पिएं। बच्चों पर विशेष ध्यान रखें।

तेल कटवा गिरोह के 3 बदमाश अरेस्ट

मुजफ्फरपुर। पुलिस ने तेल चोरी के मामले को लेकर टीम गठित कर किया था। साथ ही आरोपी पर नकेल कसने के लिए पुलिस लगातार काम कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि गिरोह से जुड़े कुछ सदस्य सरैया थाना क्षेत्र के पास वाहनों से तेल चोरी की घटना को अंजाम देने वाले है। सूचना मिलने के बाद SDPO सरैया कुमार चंदन के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई की। तीन शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके पास से 1 पिस्टल, 8 कारतूस, 3 मोबाइल ,1 वाहन और 2 टूटा हुआ नंबर प्लेट बरामद किया है। चोरी की गई 20 गैलन तेल भी जब्त किया गया है। पुलिस ने इस गिरोह के मुख्य सदस्य गुड्डू कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके ऊपर मधुबनी जिले में चोरी के दौरान हत्या का मामला दर्ज है। अन्य सदस्य में एक ओम प्रकाश और रौशन कुमार भी शामिल हैं। पूरे मामले पर एसपी ग्रामीण विद्या सागर ने बताया कि यह एक बड़ा गिरोह है, जिसको पकड़ा गया है। इस गिरोह के लोग वाहनों से तेल की चोरी किया करते थे।

खाद से लदा एक मिनी ट्रक हुआ जब्त

किशनगंज। में कृषि विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर हलीम चौक के पास पश्चिम बंगाल से बिहार आ रहे खाद से लदे एक मिनी ट्रक BR11GD7960 को जब्त किया है। कृषि विभाग की टीम ने छापेमारी कर अवैध खाद यूरिया, 70 बोरा डायम्मोनियम फास्फेट 5 बोरा, नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम 6 बोरा ,कीटनाशक 10जीआर 3 बाल्टी बरामद किया है। कृषि विभाग के अधिकारी वरुण कुमार ने कहा कि गुप्त सूचना मिली थी कि बंगाल से बिना किसी कागजात के बड़े पैमाने पर खाद की तस्करी बिहार होने वाली है। वहीं, गुप्त सूचना मिलते ही टीम का गठन कर जाल बिछा दिया गया। उन्होंने कहा शहर के हलीम चौक से आगे एक मिनी ट्रक पर कवर ढंकी खाद लदी वाहन दिखी, जिसे जबरन रोका गया। चालक से कागजात की मांग की गई, लेकिन चालक ने मौके पर कोई कागजात नहीं दिया। उन्होंने कहा कि जब्त वाहन को स्थानीय थाना के हवाले कर दिया गया है। खाद की बोरियों की गिनती की जा रही है। उसके बाद एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

65% आरक्षण को लेकर राजद का एक दिवसीय धरना

नेताओं ने कहा- सरकार संविधान विरोधी सोच और मानसिकता को लेकर धूर्तता से काम कर रही है

भोजपुर। जिले के आरा शहर के जेपी स्मारक के समीप गुरुवार को 65 प्रतिशत आरक्षण को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं ने एक दिवसीय धरना का आयोजन किया। इस दौरान आरा के पूर्व विधायक, जिला अध्यक्ष समेत राजद के कई अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे। धरना के दौरान नेताओं ने मौजूदा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना पर बैठे आरा के पूर्व विधायक मो अनवर आलम ने बताया कि जब बिहार में तेजस्वी जी उपमुख्यमंत्री थे, तो वादे के अनुरूप उनके पहल पर जातिगत सर्वेक्षण में जातियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति को देखते हुए आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 65 प्रतिशत किया गया। महागठबंधन की सरकार 17 महीने बनी थी तो 500 करोड़ों रुपए खर्च कर जाति आधारित जनगणना कराया गया था। उच्च न्यायालय में जब यह मामला चल रहा था तो राज्य सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और इसकी लड़ाई ठीक ढंग से नहीं लड़ी। जिसके कारण उच्च न्यायालय ने इस पर रोक लगा दी। तो राष्ट्रीय जनता दल ने सर्वोच्च न्यायालय में पेटीशन दाखिल किया। राजद पार्टी से भोजपुर जिलाध्यक्ष बीरबल यादव ने बताया कि देश की मौजूदा केन्द्र सरकार और बिहार की राज्य सरकार अपनी संविधान विरोधी सोच और मानसिकता पर जिस प्रकार का काम कर रही है, उससे लग रहा है कि सरकार धूर्तता से काम कर रही है। सरकार आरक्षण कोटे को समाप्त कर रही है। नौकरियों में दलित-बहुजनों और अतिपिछड़ों का आरक्षण समाप्त करना चाहती है। राष्ट्रीय जनता दल पूर्व की भांति इन वर्गों की लड़ाई लड़ता रहेगा। मुक्कमल अंजाम तक ले जायेगा। वंचित लोगों की हक और हक की लड़ाई के लिए राजद का एक-एक कार्यकर्ता अपनी जान की बाजी लगाने के लिए संकल्पित है। धरना पर बैठे राजद कार्यकताओं का कहना है कि यह देश सभी का है। वस्त्र, भोजन और धर्म का फर्क हो सकता है लेकिन हम हमेशा एक थे और एक रहेंगे। यही हमारी अनेकता में एकता की पहचान है। दलितों, वंचितों और अति पिछड़ों की आरक्षण को बचाने और बढ़ाने की लड़ाई लड़ते रहेंगे। राष्ट्रीय जनता दल मांग करती है कि बिहार में बढ़ी हुई आरक्षण सीमा को जल्द से जल्द लागू करें और केन्द्र की भाजपा सरकार इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करें।

सीएम के चित्रकूट दौरे की झलकियां

मंदाकिनी नदी को आचमन कर की आरती, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव भी रहे मौजूद

संवाददाता

चित्रकूट। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर चित्रकूट पहुंचे। यहां उन्होंने क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा की और धार्मिक गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री हेलीपैड पर उतरने के बाद सीधे जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की लिंक रोड, जिला मुख्यालय का बाईपास, चित्रकूट में बनाए गए चौथे टाइगर रिजर्व और टेबल टॉप एयरपोर्ट जैसे अहम मुद्दों पर अधिकारियों से चर्चा की। इन परियोजनाओं के लिए अगले कदम तय किए गए, ताकि क्षेत्र का समग्र विकास किया जा सके। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सोनपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने बच्चों से बातचीत की और शिक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बच्चों के साथ बातचीत से मुख्यमंत्री ने शिक्षा के स्तर और बच्चों की प्रगति पर विचार विमर्श किया। अपने दौरे के अंत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामघाट स्थित मंदाकिनी नदी के किनारे पहुंचे।

उन्होंने जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के साथ साधु-संतों के साथ बैठकर मंदाकिनी नदी का आचमन किया और मंदाकिनी की आरती में भाग लिया। इसके बाद, उन्होंने बने मत गजेंद्र नाथ मंदिर में दूध और जल से अभिषेक भी किया। मुख्यमंत्री ने डाक बंगला में आधे घंटे का विश्राम किया, जहां उन्होंने क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ आगामी योजनाओं पर चर्चा की।

संक्षिप्त डायरी

तीन जर्जर पुलों के निर्माण के लिये 8.87 करोड़ स्वीकृत

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कुशीनगर विधानसभा पीएन पाठक की पहल रंग लाई है और क्षेत्र के तीन जर्जर पुलों के निर्माण के लिए शासन से 8.87 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गए हैं। शासन ने तीनों पुल का निर्माण के लिए पत्र जारी किया गया है अब तीनों पुल का निर्माण कार्य का रास्ता साफ हो गया। बता दें कि कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के बरवा जंगल से कुलकुला देवी मंदिर जाने वाले मार्ग पर बरषो से जर्जर हालत में पुल के निर्माण व शिवपुर से कुबेरनाथ मंदिर जाने वाले मार्ग पर स्थित जर्जर हालत में पड़ा पुल का निर्माण व करहिया हजारी पट्टी मार्ग पर स्थित जर्जर पुल के निर्माण कार्य कराने के लिए क्षेत्रीय लोगों ने विधायक पीएन पाठक से अनुरोध किया था जिसको लेकर विधायक पीएन पाठक ने तीनों पुल के निर्माण कार्य के लोकनिर्माण विभाग को पत्र लिखा था जिसको संज्ञान में लेते हुए शासन ने तीनों पुलों के लिए धन स्वीकृत देने का पत्र जारी किया गया है। बरवा जंगल से कुलकुला देवी मंदिर जाने वाले मार्ग पर पुल निर्माण कार्य के लिए 331 लाख रुपए शिवपुर कुबेरनाथ मंदिर जाने वाले मार्ग पर स्थित पुल निर्माण कार्य के लिए 362 लाख करहिया हजारी पट्टी जाने वाले मार्ग पर स्थित पुल निर्माण कार्य हेतु 194 लाख रुपए का पत्र जारी किया गया है। विधायक पीएन पाठक ने कहा कि पूरे विधान सभा में सड़क पुल पुलिया जो जर्जर हालत में पड़ा है इसको मरम्मत कार्य कराते हुए निमार्ण कराने के लिए प्रयास जारी हैं कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र में हर प्रकार की योजना को लाकर धरातल पर उतारा जा रहा है।

यमराज ने वाहन चालकों को पढ़ाया ट्रैफिक का पाठ

अमेठी । यातायात माह के तहत एक अनोखा जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें यमराज खुद सड़क पर उतरकर वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की सलाह देने पहुंचे। यमराज के भेष में कलाकार ने वाहन चालकों को बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चलाने से होने वाले खतरों के बारे में बताया और उन्हें यातायात नियमों का पालन करने की चेतावनी दी। गौरीगंज शहर के फल मंडी तिराहे पर आयोजित इस जागरूकता अभियान में यमराज ने बाइक और कार चालक को रोका और कहा कि यदि यातायात नियमों का पालन करेंगे, तो यमराज से दूरी बनी रहेगी, लेकिन अगर नियमों की अनदेखी करेंगे तो यमराज आपके प्राण ले लेंगे। यमराज ने यह भी कहा कि जीवन अनमोल है, और सड़क पर चलने के दौरान सुरक्षा के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग बेहद जरूरी है। सड़क पर नियमों का पालन कर के ही हम सुरक्षित गंतव्य तक पहुंच सकते हैं, और हमारे परिवार में खुशहाली बनी रहती है।ह उन्होंने यह भी कहा कि हर नागरिक को जिम्मेदार बनते हुए यातायात नियमों का पालन करना चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। इस अभियान में एएसपी हरेंद्र प्रताप सिंह और यातायात पुलिस के अधिकारी भी मौजूद थे। वहीं, मौके पर यातायात पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कई वाहन चालकों के चालान भी काटे।

बिजली विभाग में घाटे से ज्यादा बकाया

लखनऊ। पावर कॉर्पोरेशन अगर 100 फीसदी बिजली वसूली करता है तो वह एक साल के अंदर मुनाफे में आ जाएगा। प्रदेश में बिजली का घाटा 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। जबकि साल 2023झ 24 तक बिजली बिल का बकाया 1 लाख 15 हजार 825 करोड़ रुपए है। ऐसे में अगर ठीक वसूली की गई तो विभाग एक साल के अंदर 5825 करोड़ रुपए के फायदे में आ जाएगा। बिजली कंपनियों के घाटे की वजह से से निजी हाथों में देने की बात पर उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने यह दलील दी है। गुरुवार को आंकड़ा पेश करते हुए अवधेश वर्मा ने बताया कि ठीक से वसूली की जाए तो विभाग खुद फायदे में आ जाएगा। उपभोक्ताओं से वसूली कर उनको बेहतर बिजली दी जाए तो निजीकरण की जरूरत नहीं पड़ेगी। सबसे ज्यादा बकाया पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड पर है। यहां करीब 40 हजार 962 करोड़ रुपए का बकाया है। उसके बाद दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड पर 24947 करोड़ रुपए, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड पर 30031 करोड़ रुपए पश्चिमाचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड पर 16017 करोड़ रुपए, केस्को पर 3866 करोड़ रुपए का बकाया है। अवधेश वर्मा ने कहा कि अभी भी पावर कॉपोरेंशन व उत्तर प्रदेश सरकार के पास पर्याप्त समय है। अगर ठीक से काम किया गया तो निजी हाथों में बिजली देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। निजी हाथों में बिजली देने के बाद उपभोक्ताओं को शोषण बढ़ेगा। ऊर्जा मंत्री को चाहिए कि वह इस संबंध में सभी डिस्कॉम के इंजीनियरों से बात करे और 100 फीसदी वसूली की तरफ विभाग को लगाए।

प्रेमिका से झगड़े के बाद युवक ने लगाई फांसी

लखनऊ। अलीगंज इलाके में गर्लफ्रेंड की हाथ की नस काटने की धमकी से परेशान 23 साल के युवक ने फांसी लगा ली। परिवार का आरोप है कि उसकी दोस्त वीडियो कॉल पर धमकी दे रही थी। जिसके बाद युवक ने कदम उठाया। पुलिस फोन कब्जे में लेकर जांच कर रही है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। अलीगंज के अहिबरनपुर के रहने वाले विवेक गुप्ता (23) पुत्र पप्पू गुप्ता ने बुधवार रात करीब 8 बजे फांसी लगाकर जान दे दी। विवेक अपने पिता के साथ पान मसाले की दुकान चलाता था। बड़े भाई विशाल का आरोप है कि बुधवार दोपहर घर से खाटू श्याम मंदिर जाने की बात कहकर निकला था। शाम करीब 6 बजे वहां से वापस लौटा। घर पहुंचकर उसने चाय पी। परिवार वालों के साथ बैठकर बातचीत की। इसके बाद वह तीसरे माले पर बने अपने कमरे में चला गया। मां खाना खाने के लिए आवाज दी तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इस पर मां ने ऊपर जाकर दरवाजा खोला तो पंखे से दुपट्टे के सहारे लटकता मिला। बेटे को लटका देख मां की चीख निकल गई। शोर सुनकर परिवार के लोग इकट्ठे हो गए। परिवार ने आनन फानन में उसे ट्रामा सेंटर पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

शिविर अनुशासन, सेवा और कर्त्तव्यपरायणता के गुण विकसित करता है: सुरेंद्र कुमार कुशवाहा

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के नारायणपुर कोठी स्थित जितेंद्र स्मारक इंटरमीडिएट कॉलेज में तीन दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर का समापन भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और प्रेरणादायक संबोधन के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि स्काउट-गाइड प्रशिक्षण छात्रों में अनुशासन, सेवा और कर्तव्य परायणता के गुण विकसित करता है। उन्होंने शिविरार्थियों से आग्रह किया कि वे यहां सीखी गई जीवन कौशलों, जैसे तंबू लगाना और गांठ बांधना, को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। प्रधानाचार्य व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक रामाश्रय प्रसाद ने भी छात्रों को प्रेरित करते हुए अनुशासन और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। उन्होंने स्काउट- गाइड के माध्यम से अर्जित अनुभवों को जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी बताया। प्रशिक्षक एमडीआई खान और जेपी रावत ने स्काउट-गाइड के तहत छात्रों को तंबू लगाने, गांठ बांधने, और सामाजिक सेवा के अन्य कौशल सिखाए। छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुतियों और झांकियों के माध्यम से समापन समारोह को आकर्षक बनाया। विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने आयोजन में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान शिक्षकगण दिलीप सिंह, अजय नाथ तिवारी, प्रेम तिवारी, राजेंद्र प्रसाद कुशवाहा, विनोद शर्मा, प्रवीण कुमार, दुर्गेश यादव, नीलेश शर्मा,संजय कुमार सिंह,योगेश तिवारी, आरती द्विवेदी, और अन्य ने शिविर की सफलता सुनिश्चित की।

बरेली में राजीव राना समेत 33 लोगों पर लगा गैंगस्टर

बरेली । पुलिस ने जमीन पर कब्जा करने वाले भूमाफियाओं के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने 33 आरोपियों के पोस्टर भी जारी भी किए। जिसमें पीलीभीत बाईपास में हुए गोली कांड के मुख्य आरोपी राजीव राना का नाम भी इसमें शामिल है। थाना इज्जतनगर पुलिस ने भूमाफिया राजीव राना समेत 33 लोगों के खिलाफ गैगस्टर एक्ट के तहत की नई रिपोर्ट दर्ज की है। जिसमें राजीव राना के परिवार के सदस्य समेत केपी यादव और उनके कई गुर्गे इसमें शामिल है। 22 जून को शहर के बीचो-बीच पीलीभीत बाइपास पर एक प्लॉट को लेकर प्रॉपर्टी डीलर राजीव राना और आदित्य उपाध्याय के बीच ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। जिसमें पुलिस ने कई आरोपियों को जेल भी भेजा। आरोपी हाई कोर्ट से जमानत लेने के बाद एक बार फिर शहर में सक्रिय हो गए।

वही पुलिस ने नई रिपोर्ट दर्ज करते हुए 33 आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। जिसमें सजंय राना, रोहित, ओमकार राठौर, शिवओम कुमार, विशाल, अर्जुन कश्यप, शामिल हैं। इनमें केपी व ललित हिस्ट्रीशीटर पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है।

किसान संगठनों ने अधिकारों के लिए किया संघर्ष का आह्वान

संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में आयोजित तीन दिवसीय ग्रामीण भारत स्वाभिमान अधिवेशन व विशिष्ट सम्मान समारोह का समापन बुधवार को किसानों, श्रमिकों, भूमिहीनों के अधिकारों को लेकर लम्बी लड़ाई का संकल्प लिया गया। जनपद की बड़ौत तहसील अन्तर्गत ग्राम भड़ल में आयोजित अधिवेशन में किसानों के अधिकारों को लेकर मंथन किया गया। जिसमें कृषि अर्थ शास्त्री डॉ देवेंद्र शर्मा, राम पाल जाट, विजय जार्वदिया, केदार सिरोही, कुबेर सिंह, महेश सिंह, शिवाजी राय, मनीष यादव, नरेश सिरोही, रामबीर सिंह तोमर, सेवा सिंह, योगेन्द्र घासी राम नैन, चौधरी सुधीर तालान ने किसान समस्याओं पर चर्चा करते हुए संघर्ष का आह्वान किया। पारित प्रस्ताव में किसानों के जीवन निर्वाह हेतु निश्चित न्यूनतम आय, किसानों के कर्ज खत्म करने, आर्थिक विषमता दूर करने, किसानों को सस्ते दर पर विद्युत उपलब्ध कराने, स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक सी - 2 + 50 प्रतिशत के आधार पर एमएसपी कानून बनाने व लागू करने, कृषि उत्पादों को उसके दायरे में लाने, गन्ना मूल्य 14 दिन में भुगतान करने, कृषि उपकरण सस्ता करने व अनुदानित करने, ब्याज मुक्त ऋण देने की मांग की गई। कारपोरेट को जिस तरह से लाखों, करोड़ एनपीए राइट ए कर दिया जाता है। किसानों को भी वही सुबिधा मिले। बताया गया कि सरकार की नीतियों से किसानों की आत्म हत्याएं बढ़ी हैं। खेती घाटे में है और किसान निराश हैं। इस दौरान यूपी, हरियाणा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, हिमांचल, चंडीगढ़, दिल्ली के किसान, मजदूर से संगठनों ने भाग लिया।

सुप्रीम कोर्ट बोला-यूपी पुलिस सत्ता का आनंद ले रही

अगर दुबे को छुआ तो इतना सख्त आदेश देंगे कि जिंदगी भर याद रखोगे

लखनऊ। 'याचिकाकर्ता शायद इसलिए पेश नहीं हो रहा, क्योंकि उसे पता है कि पुलिस उस पर एक और केस दर्ज करेगी। यूपी पुलिस सत्ता का आनंद ले रही है। आप कितने मामले दर्ज करेंगे? अगर दुबे को छुआ, तो हम इतना सख्त आदेश पारित करेंगे कि उन्हें जिंदगी भर याद रहेगा। आप अपने डीजीपी को बताएं कि हम कड़ा आदेश पारित कर सकते हैं।' यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फरुर्खाबाद के गैंगस्टर अनुराग दुबे की अग्रिम जमानत पर सुनवाई के दौरान की। जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुइयां की पीठ ने यूपी पुलिस के वकील से कहा- जमीन हड़पने का आरोप लगाना बहुत आसान है। यहां तक कि विक्रय पत्र होने के बावजूद भी आप जमीन हड़पने की बात कह रहे हैं? क्या यह दीवानी या आपराधिक मामला है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पुलिस को संवेदनशील होने की जरूरत है। आजकल सब कुछ डिजिटल है। सीधे समन कौन भेजता है? कोर्ट ने कहा कि अनुराग दुबे ने अपना मोबाइल फोन हमेशा चालू रखने और जांच में सहयोग करने को कहा है। कोर्ट की इजाजत के बिना किसी भी मामले में और किसी भी परिस्थिति में हिरासत में नहीं लिया जा सकता। अनुराग दुबे की अंतरिम जमानत जारी रहेगी। इस पर यूपी सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राणा मुखर्जी ने बताया कि याचिकाकर्ता को नोटिस भेजा गया था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए। सिर्फ हलफनामा भेज दिया। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने टिप्पणी की, याचिकाकर्ता को शायद इस बात का डर है कि पुलिस उनके खिलाफ नया झूठा मामला दर्ज कर सकती है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- हर बार आप उनके खिलाफ नया मामला दर्ज कर देते हैं। कितने मामलों का आप समर्थन कर पाएंगे? यह जमीन विवाद है या आपराधिक मामला? आपकी पुलिस बहुत खतरनाक क्षेत्र में प्रवेश कर रही है और इसका आनंद ले रही है। इस बीच कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील अभिषेक चौधरी से पूछा कि दुबे उपस्थित क्यों नहीं हुए। वकील ने बताया, उनके पास इस बारे में निर्देश नहीं हैं। लेकिन, दुबे ने पुलिस को अपना मोबाइल नंबर दिया है ताकि उन्हें सूचित किया जा सके। इस पर कोर्ट ने सुझाव दिया कि अब डिजिटल युग है और नोटिस मोबाइल पर भेजा जाए। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि पुलिस दुबे को गिरफ्तार नहीं करेगी। अगर पुलिस को गिरफ्तारी की जरूरत महसूस होती है, तो वह कोर्ट से इजाजत ले। जस्टिस सूर्यकांत ने यह चेतावनी भी दी कि अगर पुलिस अधिकारियों ने गिरफ्तारी की तो हम उन्हें सस्पेंड करेंगे। फरुर्खाबाद के मऊ दरवाजा थाने में अनुराग दुबे उर्फ डब्बन के खिलाफ धोखाधड़ी, मारपीट और जालसाजी समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज है। अनुराग दुबे कसरटट्ट में रहता है। उसके कोर्ट में हाजिर न होने पर हाजिरी नोटिस उसके घर के मुख्य गेट पर चस्पा किया गया है। वहीं, अनुराग दुबे का भाई अनुपम दुबे बसपा नेता है। इंस्पेक्टर रामनिवास यादव और पीडब्ल्यूडी ठेकेदार शमीम की हत्या के मामले में वह मथुरा जेल में बंद है। इसके अलावा इसी मर्डर केस में अनुपम दुबे के साथ आरोपी बनाए गए विनय दुबे की करीब 2.5 करोड़ रुपए की संपत्ति को डीएम के आदेश पर कुर्क किया गया है। अनुपम और अनुराग दुबे पर कुल 10 मामलों में जांच चल रही है। आरोप है कि दोनों भाई गैंग चलाते हैं। यह गैंग जिले में अवैध हथियारों और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है।

लखनऊ मेयर का लगातार दूसरे दिन छापा

लखनऊ। मेयर डॉक्टर सुषमा खर्कवाल ने लगातार दूसरे दिन नगर निगम कार्यालय का निरीक्षण करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने स्टॉफ के बारे में जानकारी ली। मौके से शिकायतकताओं को भी फोन कर समस्याएं पूछीं। अटेंडेंस रजिस्टर चेक करने के बाद उन्होंने कहा- अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि वह समय से ड्यूटी आएं। जनता से जुड़े काम को प्राथमिकता दें। मेयर ने कहा- कल मुख्यालय का निरीक्षण करने के बाद आज अधिकारी और कर्मचारी सतर्क हो गए हैं। निरीक्षण के दौरान कुछ कमियां मिली हैं। उसे दूर करने का निर्देश दिया है। मौके पर नहीं पहुंचे कर्मचारियों की भी जानकारी ली गई है। जो कर्मचारी आउट डोर ड्यूटी पर तैनात थे उनको भी निर्देशित किया गया है। मेयर का कहना है कि हमारी जवाबदेही जनता के प्रति है। हम जनता के लिए काम कर रहे हैं। अधिकारी

और कर्मचारी समय पर जब कार्यालय नहीं पहुंचेंगे तो काम नहीं होगा। बुधवार को मुख्यालय पर जो अधिकारी-कर्मचारी नहीं मिले उनका वेतन काटा जाएगा। इसकी रिपोर्ट बना रही हूं। इसे शासन को भेजा जाएगा। बुधवार को भी महापौर सुषमा खर्कवाल लखनऊ नगर निगम कार्यालय पहुंची थीं। यहां अधिकारियों के नहीं मिलने पर वह भड़क गई। उन्होंने कहा- सुबह 10 बजे से ड्यूटी शुरू हो जाती है। अधिकारी, बाबू और चपरासी 11 बजे तक ड्यूटी पर नहीं आए हैं। सभी की रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजेंगे। आउटडोर ड्यूटी ही करनी है तो कुर्सियां क्यों लगाई गई हैं। महापौर सुषमा खर्कवाल को मौके पर सिर्फ दो अधिकारी ड्यूटी पर तैनात मिले। टैक्स अधिकारी डॉक्टर अशोक सिंह और अपर नगर आयुक्त अरविंद राव ऑफिस में बैठे थे। इनके अलावा कोई अपर आयुक्त स्तर का अधिकारी ड्यूटी पर नहीं पहुंचा था। इस दौरान भड़की महापौर ने कहा- जो लोग नहीं आए हैं सभी के खिलाफ कार्रवाई होगी।

मंदिरों का शहर हम्पी

यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल हम्पी भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। 2002 में भारत सरकार ने इसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। हम्पी में स्थित दर्शनीय स्थलों में सम्मिलित हैं- विरूपाक्ष मन्दिर, रघुनाथ मन्दिर, नरसिम्हा मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विठाला मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, हजारा राम मन्दिर, कमल महल तथा महानवमी डिब्बा आदि। हम्पी से 6 किलोमीटर दूर तुंगभद्रा बांध स्थित है। कहा जाता है कि हम्पी के हर पत्थर में कहानी बसी है। यहां दो पत्थर त्रिकोण आकार में जुड़े हुए हैं। दोनों देखने में एक जैसे ही हैं, इसलिए इन्हें सिस्टर स्टोंस कहा जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी प्रचलित है। दो ईर्ष्यालु बहनें हम्पी घूमने आईं, वे हम्पी की बुराई करने लगीं। शहर की देवी ने जब यह सुना तो उन दोनों बहनों को पत्थर में तब्दील कर दिया।

हम्पी इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ रामायण में भी हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किन्धा की राजधानी के तौर पर किया गया है। शायद यही वजह है कि यहां कई बंदर हैं। हम्पी से पहले एनेगुंदी विजयनगर की राजधानी हुआ करती थी। दरअसल यह गांव है, जो विकास की रफ्तार में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के निवासियों को बिल्कुल नहीं पता कि सदियों पहले यह जगह कैसी हुआ करती थी। नव वृंदावन मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव के जरिए नदी पार करनी पड़ती है, जिसे कन्नड़ में टेप्पा कहा जाता है। यहां के लोगों का विश्वास है कि नव वृंदावन मंदिर के पत्थरों में जान है, इसलिए लोगों को इन्हें छूने की इजाजत नहीं है।।

स्थापत्य कला

विजयनगर के शासकों ने मंत्रणागृहों, सार्वजनिक कार्यालयों, सिंचाई के साधनों, देवालयों तथा प्रासादों के निर्माण में बहुत उत्साह दिखाया। विदेशी यात्री नूनीज ने नगर के अन्दर सिंचाई की अद्भुत व्यवस्था और विशाल जलाशयों का वर्णन किया है। राजकीय परकोटे के अंतर्गत अनेक प्रासाद, भवन एवं उद्यान बनाये गये थे। राजकीय परिवार की स्त्रियों के लिए अनेक सुन्दर भवन थे, जिनमें कमल-प्रासाद सुन्दरतम था। यह भारतीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण था। यह माना जाता है कि एक समय में हम्पी रोम से भी समृद्ध नगर था। प्रसिद्ध मध्यकालीन विजयनगर राज्य के खण्डहर वर्तमान हम्पी में मौजूद हैं। इस साम्राज्य की राजधानी के खण्डहर संसार को यह घोषित करते हैं कि इसके गौरव के दिनों में स्वदेशी कलाकारों ने यहां वास्तुकला, चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक पृथक शैली का विकास किया था। हम्पी पत्थरों से घिरा शहर है। यहां मंदिरों की खूबसूरत श्रृंखला है, इसलिए इसे मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

मंदिरों का शहर

हम्पी मंदिरों का शहर है जिसका नाम पम्पा से लिया गया है। पम्पा तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है।

विठल स्वामी का मन्दिर

हम्पी में विठल स्वामी का मन्दिर सबसे ऊंचा है। यह विजयनगर के ऐश्वर्य तथा कलावैभव के चरमोत्कर्ष का द्योतक है। मंदिर के कल्याणमंडप की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सघन है कि यह देखते ही बनता है। मंदिर का भीतरी भाग 55 फुट लम्बा है। और इसके मध्य में ऊंची वेदिका बनी है। वित्रह्न भगवान का रथ केवल एक ही पत्थर में से कटा हुआ है। मंदिर के निचले भाग में सर्वत्र नक्काशी की हुई है। लांगहर्स्ट के कथनानुसार- यद्यपि मंडप की छत कभी पूरी नहीं बनाई जा सकी थी और इसके स्तंभों में से अनेक को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया, तो भी यह मन्दिर दक्षिण भारत का सर्वोत्कृष्ट मंदिर कहा जा सकता है। फग्र्युसन ने भी इस मंदिर में हुई नक्काशी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कहा जाता है कि पंढरपुर के वित्रह्न भगवान इस मंदिर की विशालता देखकर यहां आकर फिर पंढरपुर चले गए थे।

विरुपाक्ष मन्दिर

विरुपाक्ष मन्दिर को पंपापटी मंदिर भी कहा जाता है, यह हेमकुटा पहाडियों के निचले हिस्से में स्थित है। हम्पी के कई आकर्षणों में से यह मुख्य है। 1509 में अपने अभिषेक के समय कृष्णदेव राय ने गोपुड़ा का निर्माण करवाया था। भगवान विठाला या भगवान विष्णु को यह मंदिर समर्पित है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर बाजार क्षेत्र में स्थित है। यह नगर के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक है। मंदिर का शिखर जमीन से 50 मीटर ऊंचा है। मंदिर का संबंध विजयनगर काल से है। इस विशाल मंदिर के अंदर अनेक छोटे-छोटे मंदिर हैं जो विरूपाक्ष मंदिर से भी प्राचीन हैं। मंदिर के पूर्व में पत्थर का एक विशाल नंदी है जबकि दक्षिण की ओर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा है। यहां अर्ध सिंह और अर्ध मनुष्य की देह धारण किए नरसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है।

पत्थर का रथ

किंवदंती है कि भगवान विष्णु ने इस जगह को अपने रहने के लिए कुछ **अधिक ही बड़ा समझा और** अपने घर वापस लौट **गए। विरुपाक्ष मंदिर भूमिगत** शिव मंदिर है। मंदिर का **बड़ा हिस्सा पानी के अन्दर** समाहित है, इसलिए **वहां कोई नहीं जा सकता। बाहर** के हिस्से के मुकाबले **मंदिर के इस हिस्से का तापमान** बहुत कम रहता है। विठाला **मंदिर का मुख्य आकर्षण** इसकी खम्बे वाली दीवारें **और पत्थर का बना रथ है।** इन्हें संगीतमय खंभे के **नाम से जाना जाता है, क्योंकि** प्यार से थपथपाने पर **इनमें से संगीत निकलता है।** पत्थर का बना रथ वास्तुकला **का अद्भुत नमूना है।** पत्थर को तराश कर **इसमें मंदिर बनाया गया है, जो** रथ के आकार में है। कहा जाता है कि इसके पहिये घूमते थे, लेकिन इन्हें बचाने के लिए सीमेंट का लेप लगा दिया गया है।

बडाव लिंग

पास में स्थित बडाव लिंग चारों ओर से पानी से घिरा है, क्योंकि इस मंदिर से ही नहर गुजरती है। मान्यता है कि हम्पी के एक गरीब निवासी ने प्रण लिया था कि यदि उसकी किस्मत चमक उठी तो वह शिवलिंग का निर्माण करवाया। बडाव का मतलब गरीब ही होता है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

हम्पी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर या उग्र नरसिम्हा मंदिर बड़े चट्टानों से बना हुआ है, यह हम्पी की सबसे ऊंची मूर्ति है। यह करीब 6.7 मीटर ऊंची है। नरसिम्हा आदिशेष पर विराजमान हैं। असल में मूर्ति के एक घुटने पर लक्ष्मी जी की छोटी तस्वीर बनी हुई है, जो विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण के समय धूमिल हो गई।

रानी का स्नानागार

हम्पी में स्थित रानी का स्नानागार चारों ओर से बंद है। 15 वर्ग मीटर के इस स्नानागार में गैलरी, बरामदा और राजस्थानी बालकनी है। कभी इस स्नानागार में सुगंधित शीतल जल छोटी-सी झील से आता है, जो भूमिगत नाली के माध्यम से स्नानागार से जुड़ा हुआ था। यह स्नानागार चारों ओर से घिरा और ऊपर से खुला है।

हजारा राम मंदिर

हजारा राम मंदिर हम्पी के राजा का निजी मंदिर

माना जाता था। मंदिर की भीतरी और बाहरी दीवारों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। बाहरी कमरों की छतों के ठीक नीचे बनी नक्काशी में हाथी, घोड़ा, नृत्य करती बालाओं और मार्च करती सेना की टुकडियों को दर्शाया

गया है, जबकि भीतरी हिस्से में रामायण और देवताओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें असंख्य पंखों वाले गरुड़ को भी चित्रित किया गया है।

कमल महल

हम्पी में स्थित कमल के आकार का दो मंजिला

महल और इसका मुंडेर महल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कमल महल हजारा राम मंदिर के समीप है। यह महल इन्डो-इस्लामिक शैली का मिश्रित रूप है। कहा जाता है कि रानी के महल के आसपास रहने वाली राजकीय परिवारों की महिलाएं आमोद-प्रमोद के लिए यहां आती थीं। महल के मेहराब बहुत आकर्षक हैं।

हाउस ऑफ विक्टरी

हाउस ऑफ विक्टरी स्थान विजयनगर के शासकों का आसन था। इसे कृष्णदेवराय के सम्मान **में बनवाया गया जिन्होंने युद्ध में ओडिशा के राजाओं को पराजित किया था। वह हाउस ऑफ विक्टरी के विशाल सिंहासन पर बैठते थे और नौ दिवसीय दसारा पर्व को यहां से देखते थे।**

संग्रहालय

कमलापुर में स्थित पुरातत्व विभाग का संग्रहालय बहुत-सी प्राचीन मूर्तियों और हस्तशिल्पों का सग्रंह है। इस क्षेत्र की समस्त हस्तशिल्पों को यहां देखा जा सकता है।

हाथीघर

हम्पी का हाथीघर जीनान क्षेत्र से सटा हुआ है। यह गुम्बदनुमा इमारत है जिसका इस्तेमाल राजकीय हाथियों के लिए किया जाता था। इसके प्रत्येक चेम्बर में एक साथ ग्यारह हाथी रह सकते थे। यह हिन्दू-मुस्लिम निर्माण कला का उत्तम नमूना है।

कब जाएं

अक्टूबर से मार्च की अवधि हम्पी जाने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। हम्पी जाने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग को अपनी सुविधानुसार अपनाया जा सकता है। हम्पी जाने के लिए होस्पेट जाना पड़ता है। हैदराबाद से होस्पेट के लिए रेल है। होस्पेट से आगे 15 किलोमीटर की दूरी पर हम्पी है।

हवाई मार्ग

हम्पी से 77 किलोमीटर दूर बेल्लारी सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। बैंगलोर से बेल्लारी के लिए नियमित उड़ानों की व्यवस्था है। बेल्लारी से राज्य परिवहन की बसों और टैक्सी द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

हम्पी से 13 किलोमीटर दूर होस्पेट नजदीकी रेलवे स्टेशन है। यह रेलवे स्टेशन हुबली, बैंगलोर, गुंटाकल से जुड़ा हुआ है। होस्पेट से राज्य परिवहन की नियमित बसें हम्पी तक जाती हैं।

सड़क मार्ग

होस्पेट से सड़क मार्ग के द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है। हम्पी बेलगांव से 190 किलोमीटर दूर बेंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर, गोवा से 312 किलोमीटर दूर है।

मंदिर की छत दो बार बनाई गई थी। लेकिन पहली बार आग से छत नष्ट हो गयी।और दूसरी बार छत ढह गई। फिर भगवान शिव स्वयं एक भक्त के सपनों में प्रकट हुए और कहा: "मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मुझे सूर्य की किरणों की आवश्यकता है। इसलिए, मंदिर की छत को फिर से नहीं बनाना चाहिए।" उसी दिन से ताड़केश्वर महादेव के मंदिर का निर्माण इस तरह किया गया की शिवलिंग पर सूर्य की किरणे गिरते रहे।

800 साल पुराना शिवालय

गुजरात में तड़केश्वर महादेव मंदिर में सूर्य की किरणें करती हैं शिवजी का अभिषेक

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में वांकी नदी के किनारे बसा है अब्रामा गांव। यहां विराजमान हैं प्राचीन अलौकिक तड़केश्वर महादेव। भोलेनाथ के इस मंदिर पर शिखर का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे शिवलिंग का अभिषेक करती हैं।

1994 में हुआ था जीर्णोद्धार

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार कर 20 फुट के गोलाकार आकृति में खुले शिखर का निर्माण किया गया। शिव भक्त-उपासक हर समय यहां दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित करने आते रहते हैं। पावन श्रावण माह व महाशिव रात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है।

स्वप्न में शिव जी ने बताया था

800 वर्ष पुराने इस अलौकिक **मंदिर के** बारे में उल्लेख मिलता है कि एक **ग्वाले ने** पाया कि उसकी गाय हर दिन झूंड **से अलग** होकर घने जंगल में जाकर एक **जगह खड़ी** होकर अपने आप दूध की धारा **प्रवाहित** करती है। ग्वाले ने अब्रामा गांव **लौटकर** ग्रामीणों को उसकी सफेद गाय द्वारा **घने वन** में एक पावन स्थल पर स्वतः दुग्धाभिषेक **की** बात बताई। शिव भक्त ग्रामीणों ने **वहां जाकर** देखा तो पवित्र स्थल के गर्भ में **एक पावन** शिला विराजमान थी।

फिर शिव भक्त ग्वाले ने हर दिन घने वन में जाकर शिला अभिषेक-पूजन शुरू कर दिया। ग्वाले की अटूट श्रद्धा पर शिवजी प्रसन्न हुए। शिव जी ने ग्वाले को स्वप्न दिया और आदेश दिया कि घनघोर वन में आकर तुम्हारी सेवा से मैं प्रसन्न हूं। अब मुझे यहां से दूर किसी पावन जगह ले जाकर स्थापित करो। ग्वाले ने ग्रामीणों को स्वप्न में मिले आदेश की बात बताई।

कभी बन नहीं पाया शिखर

ग्वाले की बात सुनकर सारे शिव भक्त ग्रामीण वन में गए। पावन स्थल पर ग्वाले की देखरेख में खुदाई की तो यह शिला सात फुट की शिवलिंग स्वरूप में निकली। फिर ग्रामीणों ने पावन शिला को वर्तमान तड़केश्वर मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया। साथ ही चारों ओर दीवार बना कर ऊपर छप्पर डाला। ग्रामीणों ने देखा कि कुछ ही वक्त में यह छप्पर स्वतः ही सुलग कर स्वाहा हो गया।

ऐसा बार-बार होता गया, ग्रामीण बार-बार प्रयास करते रहे। ग्वाले को भगवान ने फिर स्वप्न में बताया मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मेरे ऊपर कोई छप्पर-आवरण न बनाएं। फिर ग्रामीणों ने शिव के आदेश को शिरोधार्य किया। शिवलिंग का मंदिर बनवाया लेकिन शिखर वाला हिस्सा खुला रखा **ताकि सूर्य की किरणें हमेशा शिवलिंग पर अभिषेक करती रहें। तड़के का अभिप्राय धूप है जो यहां शिव जी को प्रिय है।**

हिमाचल के सोलन की हसीन वादियों में बसा है एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

दोस्तों आपको पता ही होगा की भारत देश मंदिरो का देश हैं। वैसे तो भारत में कई खूबसूरत मंदिर है जिन्हें देखने हर साल देश-विदेश से करोड़ों सैलानी आते हैं। लेकिन हम जिस भव्य शिव मंदिर के बारे में आज बताने जा रहे है वो है हिमाचल प्रदेश के सोलन की हसीन वादियों में स्तिथ जटोली का शिव मंदिर।

जटोली शिव मंदिर को एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर कहा जाता हैं। हाल ही में मंदिर में 11 फुट लंबा स्वर्ण कलश चढ़ाया गया हैं। इससे जटोली शिव मंदिर की ऊंचाई करीब 122 फुट तक पहुंच गई है।

देवो के देव महादेव का यह मंदिर सोलन से करीब 6 किलोमीटर दूर है। दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने भोलेनाथ के इस मंदिर की नक्काशी की सुंदरता का अंदाजा इस बात

से लगाया जा सकता है की इस शिव मंदिर को बनने में करीब 39 साल का समय लगा।

ऐसा माना जाता है की भोलेनाथ ने यहां कुछ समय के लिए यहाँ विश्राम किया था। उसके बाद तपस्वी बाबा स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन पर 1973 में जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

इस मंदिर के चारों तरफ आप कुदरत के बेहतरीन नजारों का भी लुफ्त ले सकते हैं।

कैसे पहुंचे :

सोलन से बस/टैक्सी से राजगढ़ रोड़ होते हुए आसानी से जटोली शिव मंदिर पंहुचा जा सकता है। सड़क से करीबन 100 सीढ़ियां चढ़ने के बाद महादेव के दर्शन होते हैं।

2024 ऑटो शो में मुख्य आकर्षण बने इलेक्ट्रीक वाहन, अत्याधुनिक कनेक्टिविटी और एआई से लैस

न्यूयॉर्क ।

लॉस एंजिल्स में चल रहा 2024 ऑटो शो वाहन प्रेमियों और तकनीक के शौकीनों के लिए एक अद्भुत अनुभव बना हुआ है। 17 नवंबर से 1 दिसंबर तक चलने वाले शो में दुनिया के बड़े वाहन निर्माता अपने नए मॉडल और तकनीकी नवाचार पेश कर रहे हैं। शो का मुख्य आकर्षण इलेक्ट्रिफिकेशन है, जो पर्यावरण के प्रति उद्योग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कैलिफोर्निया के 2035 तक शून्य-उत्सर्जन वाहनों की ओर बढ़ने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर इस साल के शो में इलेक्ट्रिक वाहनों की धूम है। 2026 हुंडई आयोनिक 9, जो इलेक्ट्रिक एसयूवी का नया मानक पेश कर रही है, खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। हुंडई के अलावा जेनेसिस, होंडा और वोक्सवैगन जैसे दिग्गज ब्रांड्स ने भी अपने स्टाइलिश और परफॉर्मेंस-फोकस्ड मॉडल पेश किए हैं। शो में पेश वाहनों में केवल ग्रीन मोबिलिटी ही नहीं, बल्कि अत्याधुनिक कनेक्टिविटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस स्मार्ट फीचर्स भी दिए गए हैं। इन वाहनों में बैटरी तकनीक, लंबी ड्राइविंग रेंज और फास्ट चार्जिंग क्षमताओं में बड़े सुधार हुए हैं। ऑफ-रोडर्स और

दमदार प्रदर्शन करने वाले पारंपरिक वाहनों ने भी अपनी जगह बनाई है। मजबूत इंजन, उन्नत सस्पेंशन और अद्वितीय डिजाइन वाले इन वाहनों ने ऑफ-रोडिंग प्रेमियों को आकर्षित किया है। इस शो में आने वाले दर्शकों के लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो रहा है, जहां वे अपने पसंदीदा ब्रांड्स के वाहनों को न केवल करीब से देख सकते हैं, बल्कि उनकी तकनीकी विशेषताओं को समझने का भी मौका मिल रहा है। 2024 लॉस एंजिल्स ऑटो शो न केवल वर्तमान में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का उत्सव है, बल्कि भविष्य की ओर एक झलक भी है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने बताया, गौतम अदाणी, सागर और विनीत जैन पर कोई आरोप नहीं

अमेरिकी न्याय विभाग दवारा रिश्वतखोरी या भ्रष्टाचार के आरोप बेबुनियाद

मुंबई ।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने अपनी रिपोर्ट जारी की, जिसमें कंपनी ने कहा कि गौतम अदाणी, सागर अदाणी और विनीत जैन पर अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) द्वारा रिश्वतखोरी या भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे हैं। कंपनी ने मीडिया की उन खबरों का खंडन किया है, जिसमें दावा किया गया था कि इन अधिकारियों पर अमेरिकी विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) के उल्लंघन का आरोप है। एजीएल ने इन रिपोर्ट्स को गलत और आधारहीन करार देकर स्पष्ट किया कि अमेरिकी डीओजी की शिकायत में पांच आरोपों का उल्लेख है, लेकिन इन आरोपों में अदाणी अधिकारियों का नाम नहीं है। एजीएल ने अपनी फाइलिंग में बताया कि अमेरिकी डीओजे ने जिन आरोपों का उल्लेख किया है, उनमें से किसी भी आरोप में गौतम अदाणी, सागर और विनीत जैन का नाम नहीं है। विशेष रूप से, डीओजे द्वारा लगाए गए एफसीपीए उल्लंघन और रिश्वतखोरी के आरोपों में इन तीनों का कोई जिक्र नहीं किया गया है। एजीएल ने कहा कि डीओजे की शिकायत केवल एज्युर पावर और सीडीपीक्यू (क्यूबेक का एक कनाडाई संस्थागत निवेशक और एज्युर का सबसे बड़ा शेयरधारक) के कुछ पूर्व कर्मचारियों पर केंद्रित है, जिन पर रिश्वत देने की साजिश और अन्य धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए हैं। कंपनी ने बताया कि मीडिया रिपोर्ट्स ने तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया, इसके परिणामस्वरूप अदाणी समूह को अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में नुकसान हुआ और कंपनी की वित्तीय स्थिति पर भी असर पड़ा। एजीएल ने यह आरोप लगाया कि गलत रिपोर्टिंग के कारण उनके निवेशकों, साझेदारों और आम जनता के बीच भ्रम और अनावश्यक जांच पड़ताल का माहौल बना। अदाणी समूह, जो भारत की सबसे बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है, पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में अपने कारोबार का विस्तार कर रहा है। यह कंपनी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अमेरिकी और चीनी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर रही है। अमेरिकी डीओजे के अभियोग के बाद अदाणी समूह की 11 सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार मूल्य में करीब 55 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है।

ओला ने की 40 हजार रुपए से कम कीमत वाले ई-स्कूटर्स की घोषणा

कंपनी ने शहरी यात्रियों और छोटे कारोबारियों के लिए किया तैयार

नई दिल्ली। आने वाले कुछ सालों में देश की गिग इकॉनमी यानी ऐसी अर्थव्यवस्था जहां अस्थायी रोजगारों की संख्या अधिक होती है का आकार दोगुना होने और ऐसी अर्थव्यवस्था में काम करने वालों (गिग वर्कर्स) की संख्या एक करोड़ होने की संभावनाओं के बीच ओला स्कूटर ने 40 हजार रुपए से कम शुरुआती कीमत वाले ई-स्कूटर्स पेश करने की घोषणा की। बाजार ने इसकी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और बंबई स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी के शेयर 5.67 फीसदी बढ़कर 73.47 रुपए प्रति शेयर के मूल्य पर बंद हुए।

39,999 रुपए की शुरुआती कीमत वाला यह स्कूटर गिग वर्कर्स को ध्यान में रखकर पेश किया जा रहा है जो कम दूरी का सफर करते हैं। इसके अलावा 59,999 रुपए की शुरुआती कीमत वाला एस1 जेड श्रृंखला का स्कूटर काफी किफायती है। ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ ने एक्स पर लिखा- भारत की गिग इकॉनमी अगले कुछ सालों में दोगुनी हो जाएगी और इसमें काम करने वालों की तादाद एक करोड़ से ज्यादा होगी। दुर्भाग्यवश इन कर्मचारियों को ज्यादा कीमत देकर भी खराब गुणवत्ता वाले वाहनों पर सफर करना पड़ता है।

कंपनी ने चार नए मॉडल- ओला गिग, ओला गिग प्लस, ओला एस1जेड और ओला एस1 जेडप्लस को गिग वर्कर्स से लेकर शहरी यात्रियों और छोटे कारोबारियों के लिए तैयार किया है। ओला गिग और गिग प्लस की बिक्री अप्रैल 2025 से शुरू हो जाएगी। ओला एस1 जेड और एस1 जेड प्लस की बिक्री मई से शुरू हो जाएगी। इन वाहनों को 499 रुपए में बुक किया जा सकता है। ओला इलेक्ट्रिक के डिजाइन प्रमुख ने कहा कि हमने कीमतों को प्रतिस्पर्धी रखा है। ये बाजार में मौजूद विकल्पों से 50-60 फीसदी सस्ते हैं। हमें उम्मीद है कि हमारी मांग में दोगुनी बढ़ोतरी होगी। गिग वर्कर्स की तादाद तेजी से बढ़ने वाली है। आने वाले सालों में यह मौजूदा 50 लाख से बढ़कर एक करोड़ हो जाएगी।

ओला के गिग स्कूटर्स के लिए बाजार में तगड़ी प्रतिस्पर्धा मौजूद है। यूलु का इलेक्ट्रिक स्कूटर विन 59,999 रुपए का है और वह 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलता है। उसकी रेंज 70 किलोमीटर है। काइनेटिक ग्रीन का जिंग बिग बी 75,990 रुपए का है। उसकी भी रफ्तार 25 किलोमीटर प्रति घंटा है और उसकी रेंज 100 किलोमीटर की है। इसी तरह ओकिनावा का आर30 61,998 रुपए का है।

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी का लुत्फ लेने बढ़ रही पर्यटकों की संख्या

- सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम जैसी ऊंची इलाकों में आ रहे पर्यटक

श्रीनगर ।

कश्मीर घाटी में अब पर्यटकों के लिए एक नया आकर्षण है - बर्फबारी का मौसम। जम्मू-कश्मीर में दिन-प्रतिदिन बर्फबारी हो रही है, जिसके चलते सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम जैसी ऊंची इलाकों में पर्यटकों की भीड़ बढ़ रही है। हालांकि, मैदानी इलाकों में अभी तक बर्फबारी का कोई संकेत नहीं है। इसलिए, जो पर्यटक इस समय कश्मीर में बर्फबारी का आनंद लेना चाहते हैं, उन्हें ऊंची इलाकों की ओर मुड़ना होगा। डल झील की सुंदरता तक पहुंचने के लिए भी पर्यटकों की उत्सुकता बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त, पूरी घाटी के पर्यटक मैदानी इलाकों में बर्फबारी का इंतजार कर रहे हैं, जो शीघ्र होने की उम्मीद है। जो लोग बर्फबारी के रोमांच से भरी यात्रा पर निकलना

चाहते हैं, उन्हें कश्मीर की अद्वितीय सुंदरता का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

भारतीय स्टेट बैंक की रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में अच्छे रिटर्न की उम्मीद

- मात्र 100 रुपए से शुरू कर सकते हैं निवेश

मुंबई ।

वर्तमान समय में लोग विभिन्न निवेश विकल्पों की खोज में हैं जो उन्हें सुरक्षितता और अच्छे रिटर्न की सुनिश्चित करें। भारतीय स्टेट बैंक ने एक ऐसी महत्वपूर्ण योजना शुरू की है, जिसे आरडी स्कीम कहा जाता है और उसमें निवेश करने पर विशेष ब्याज दर के साथ सुरक्षितता मिलती है। एसबीआई की रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में निवेश करने पर निवेशकों को सुरक्षित और साथ ही तगड़ा रिटर्न मिलता है। इस स्कीम में ग्राहक अपनी सुविधा के हिसाब से निवेश की अवधि चुन सकते हैं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी अतिरिक्त ब्याज की ऑफर है। यह बचत योजना ग्राहकों को नियमित रूप से छोटी राशि जमा करने की संभावना देती है, जिससे एक बड़ा फंड जमा किया जा सकता है। उसके पश्चात निर्धारित अवधि के साथ ब्याज सहित राशि वापस मिलती है। वर्तमान में एसबीआई रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में जमा करने पर 4.0 से 6.5 फीसदी तक का ब्याज मिलता है। समय-समय पर बैंक की और से दी जाने वाली ब्याज दरें बदलती रहती हैं, जिससे निवेशकों को लाभ हो

सकता है। इसलिए अगर आप भविष्य को सुरक्षित और अच्छे रिटर्न के साथ बनाना चाहते हैं, तो एसबीआई की रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में निवेश की सोच सकते हैं। यह एक विश्वसनीय विकल्प हो सकता है जो आपके लिए एक सुरक्षित भविष्य की गारंटी प्रदान कर सकता है।

सरस आजीविका मेला ने व्यापार मेले में 26 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

- आठ करोड़ रुपये का कारोबार किया

नई दिल्ली । ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों ने बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी वाले सरस आजीविका मेला-2024 ने भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईटीटीएफ) में रिकॉर्ड तोड़ा। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने इसकी प्रमुखता दी। ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और राज्य समन्वयकों ने इस मेले में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मान प्राप्त किया। भारत सरकार द्वारा आयोजित 43वें व्यापार मेले में सरस मेले ने आठ करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया, जिससे पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पंचायती राज मंत्रालय के मंडप का विषय पंचायत विकसित भारत 2047 था और यहां ग्रामीण भारत में जारी डिजिटल परिवर्तन का अवलोकन किया गया। यह मेला सशक्त बनाने के लिए कांस्य पदक से सम्मानित था, जो भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा आयोजित व्यापार मेले के दौरान बहुत उपयोगी साबित हुआ।

गोदरेज प्रॉपर्टीज क्यूआईपी से 6,000 करोड़ की राशि जुटा लेगी

आवासीय भूखंडों और अपार्टमेंट कारोबार का विस्तार करेगी

नई दिल्ली । गोदरेज प्रॉपर्टीज ने क्यूआईपी के माध्यम से संस्थागत निवेशकों से 6,000 करोड़ रुपये की राशि जुटाने का एलान किया है। यह कम्पनी का उद्देश्य है आवासीय भूखंडों और अपार्टमेंट कारोबार का विस्तार करना। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए क्यूआईपी स्कीम पेश की है। इस मुद्दे पर बाजार सूत्रों की मानें तो गोदरेज प्रॉपर्टीज को इस दिशा में मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया जाहिर की गई है और कंपनी भविष्य में भी मजबूती बनाए रखने के लिए 6,000 करोड़ रुपये की राशि जुटा रही है। इस संपूर्ण राशि की गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अनुमानित मूल्य 2,727.44 रुपये प्रति शेयर पर निश्चित की है। कंपनी देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर है और इसकी मुख्य उपस्थिति दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र, पुणे और बेंगलुरु में है। हाल ही में कंपनी ने हैदराबाद बाजार में भी कदम रखा है। गोदरेज प्रॉपर्टीज की इस स्कीम से संस्थागत निवेशकों को नए अवसरों का लाभ उठाने का मौका मिलेगा, जिससे कंपनी के व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की फिराक में कनाडा

- अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ वार्ता एक नई मोड़ की और दिशा देगी

टोरंटो । अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कनाडा को धमकी दी है कि अगर कनाडा कमर्शियल उत्पादों पर टैरिफ कम नहीं करता, तो उसे भी टैरिफ लगाएगा। इसके जवाब में, कनाडा ने संभावित जवाबी टैरिफ की योजना करने की घोषणा की है। एक कनाडाई अधिकारी ने दावा किया कि अगर ट्रंप अपनी धमकी का अमल करते हैं, तो कनाडा अमेरिका से आने वाली कुछ वस्तुओं पर टैरिफ लगा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी धमकी में कहा कि अगर कनाडा और मेक्सिको नशे और प्रवासियों की अवैध तस्करी को नहीं रोकते, तो उन्हें भी उनके उत्पादों पर टैरिफ लगाना पड़ेगा। हालांकि, ट्रंप ने बाद में मीडिया सोशल पर आधिकारिक बातचीत के बाद मेक्सिकन राष्ट्रपति के साथ अवैध प्रवास को रोकने के लिए सहमति व्यक्त की। कनाडा में एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि उनका देश हर संभावित स्थिति के लिए तैयार है और उन्होंने बताया कि कनाडा कौन-कौन से उत्पादों पर टैरिफ लगा सकता है, लेकिन उन्होंने अपने नाम न बताकर इस बात की पुष्टि की। यह सम्भावना है कि इस कार्रवाही से ट्रंप की टैरिफ लगाने की योजनाओं पर असर पड़ेगा। यह विवाद एक कार्यात्मक कदम हो सकता है जिस पर सभी देशों के बीच अनुबंध है। पिछले वर्ष, ट्रंप ने कई उत्पादों पर उच्च टैरिफ लगाए थे, जिसका प्रतिशोध अन्य देशों ने अपने टैरिफ कम करके दिया था। सारांश में अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ वार्ता एक नयी मोड़ की और दिशा देने वाली है, इसका असर ग्लोबल व्यापार पर पड़ेगा।

शेयर बाजार टूटा, सेंसेक्स 1,190 अंक नीचे आया, निफ्टी 360 गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट दर्ज की गयी। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा मासिक फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) एक्सपायरी के दबाव में भी बाजार टूटा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,190 अंक करीब 1.48फीसदी टूटकर 79,043.74 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स 80,447.40 के उच्च और 78,918.92 के निचले स्तर तक पहुंचा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 भी 360.75 अंक तकरीबन 1.49 फीसदी नीचे आकर 23,914.15 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 24,345.75 के उच्च और 23,873.35 के निचले स्तर पर पहुंचा।

जानकारों के अनुसार बाजार में आई गिरावट का एक प्रमुख कारण रूस के यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण बढ़े तनाव और फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस एक्सपायरी से जुड़ी बिकवाली को बताया है।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी के 46 शेयर गिरावट पर बंद हुए। सबसे ज्यादा नुकसान एसबीआई लाइफ, इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों को हुआ। इनमें 5.4 फीसदी तक गिरावट रही। वहीं, अदाणी एंटरप्राइजेज, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई और सिप्ला जैसे चार शेयर ही 1.63 फीसदी ऊपर आये।

कारोबार के दौरान निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप100 इंडेक्स 0.05 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं आईटी सेक्टर पर सबसे ज्यादा दबाव रहा। निफ्टी आईटी इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा नीचे आया जबकि निफ्टी ऑटो, फाइनेंशियल्स, प्राइवेट बैंक, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर इंडेक्स में भी गिरावट रही। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक और मीडिया इंडेक्स में बढ़त आई। इससे पहले आज सुबह कारोबारी सत्र की शुरुआत में हल्की बढ़त देखी जा रही है। बीएसई सेंसेक्स 50 अंकों की मामूली

बढ़त के साथ 80,282 पर खुला, जबकि एनएसई निफ्टी 50 शुरुआती कारोबार में 20 अंकों की बढ़त के साथ 24,296 पर कारोबार करता दिखा। विदेशी बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स शुरुआत में थोड़ा गिरा, लेकिन बाद में 0.15 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। जापान का निक्केई 0.30 फीसदी गिरा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 बढ़त के साथ खुला और 0.43 फीसदी ऊपर बंद हुआ। वॉल स्ट्रीट पर हल्का कारोबार हुआ और ज्यादातर इंडेक्स नुकसान में रहे। नैस्डैक 0.6 फीसदी गिरा, जबकि डाओ जोन्स शुरुआती बढ़त गंवाकर 0.31 फीसदी नीचे बंद हुआ।

बोलीविया में ईंधन की कमी की समस्या का सामना कर रहे लोग

ईंधन की कमी के कारण जीवन और व्यवसाय में बढ़ रही हैं दिक्कतें

एल आल्टो । बोलीविया में ईंधन तेजी से सबसे दुर्लभ वस्तुओं में से एक बनता जा रहा है। दक्षिण अमेरिका में प्राकृतिक गैस के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक बोलिविया में पेट्रोल पंपों के बाहर कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। कुछ चालक अब अपने कतारों में खड़े ट्रकों के पास ही खाने-पीने और सोने के लिए जा रहे हैं। इन लोगों की निराशा बढ़ती जा रही है, क्योंकि ईंधन की कमी के कारण जीवन और व्यवसाय में दिक्कतें बढ़ रही हैं। बोलीविया के राष्ट्रपति लुइस आर्से ने सरकार के द्वारा ईंधन की कमी को दूर करने के लिए कई उपाय अपनाए हैं, लेकिन समस्या का हल अभी तक नहीं निकल पाया है। लोगों का कहना है कि सरकार को समस्या को स्वीकार करने के साथ ही इसे हल करने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए। इस कठिनाई से उबरने के लिए बोलीविया के लोगों ने राजधानी ला पाज़ में मार्च किया और सड़कों पर सब कुछ महंगा है के नारे लगाए। मुद्रा की कमी से सामान की कीमतें भी बढ़ रही हैं, जिससे आम जनता को भी परेशानियां हो रही हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए बोलीविया की सरकार और लोगों के बीच सहयोग और समझौते की आवश्यकता है। बिना सहयोग के यह समस्या हल नहीं हो सकती और लोगों की परेशानियां और बढ़ सकती हैं।

ओडिशा के बीजू पटनायक हवाई अड्डे से 2025 से पांच नई उड़ान सेवाएं

- उड़ान सेवाएं 2025 से शुरू करने का अनुबंध किया गया

भुवनेश्वर । बीजू अपटनायक सरकार ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए गंतव्य जोड़ने का ऐलान किया है। उड़ान सेवाएं 2025 से शुरू करने का अनुबंध किया गया है, कुछ उदाहरण शामिल हैं - इंदौर, देहरादून, भुवनेश्वर, लखनऊ, जयपुर, कोचीन और बेंगलुरु। इन जगह पर जाने के लिए उड़ान सेवा तेजी से शुरू होगी और प्रयास किया जा रहा है कि उसमें स्थानीय लोगों के लिए सुविधाएं मिलें। इसके साथ ही एयरलाइन कंपनियां इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी नए गंतव्यों के लिए उड़ान सेवाएं शुरू करने की योजना बनाई है। इन उड़ानों का समयावधि निर्धारित किया गया है और समय सार्वजनिक किया जा रहा है ताकि लोग उनके लिए आसानी से योजना बना सकें। यह नए उड़ान सेवाएं हवाई यातायात को बढ़ावा देंगी और उड़ान सेवाएं देश के विभिन्न हिस्सों में जुड़ने में मदद करेंगी। यह कदम हवाई यातायात क्षेत्र में नयी ऊर्जा को जगाएगा और लोगों के लिए विश्व के अलग-अलग स्थानों की यात्रा को और भी सरल और सुविधाजनक बनाएगा।

हुआई ने लांच किए नई मेट 70 सीरीज़ के स्मार्टफोन

नईदिल्ली ।

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी हुआई ने अपनी नई मेट 70 सीरीज़ के स्मार्टफोन लॉन्च किए हैं। यह हुआई का पहला ऐसा ऑपरेटिंग सिस्टम है, जिसमें ओपन-सोर्स एंड्रॉयड कोड का उपयोग नहीं किया गया है। हारमनीओएस नेक्स्ट को एंड्रॉयड और आईओएस के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है और यह हुआई के इकोसिस्टम को और मजबूत बनाने का वादा करता है। मेट 70 सीरीज़ में तीन वेरिएंट्स- मेट 70, मेट 70 प्रो और मेट 70 प्रो+ शामिल हैं। मेट 70 की कीमत 5,499 चीनी युआन (लगभग 759 अमेरिकी डॉलर) से शुरू होती है, जबकि मेट 70 प्रो+ की शुरुआती कीमत 8,499 चीनी युआन (लगभग 1,170 अमेरिकी डॉलर) है। इन स्मार्टफोन्स में उन्नत प्रोसेसर, बेहतर कैमरा फीचर्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित फोटो एडिटिंग टूल्स शामिल हैं। हुआई ने इन स्मार्टफोन्स के जरिए AI क्षमताओं को ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रस्तुत किया है। हुआई ने मेट एक्स6 नामक एक फोल्डेबल स्मार्टफोन भी पेश किया, जिसकी कीमत 12,999 चीनी युआन (लगभग 1,700 अमेरिकी डॉलर) है। इस डिवाइस में फोल्डिंग तकनीक और बेहतर स्क्रीन फीचर्स हैं। हारमनीओएस नेक्सट में ऐप्स के इंटीग्रेशन पर खास ध्यान दिया गया है, ताकि

इसका उपयोगकर्ता अनुभव बेहतर बनाया जा सके। 2019 में अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बाद हुआई को गूगल के एंड्रॉयड से बाहर कर दिया गया था, जिसके चलते कंपनी ने अपना ऑपरेटिंग सिस्टम विकसित किया। हारमनीओएस नेक्स्ट अब हुआई के तकनीकी विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कंपनी ने इस इकोसिस्टम के तहत ऐप डेवलपर्स को जोड़ने के लिए कई कदम उठाए हैं। लांकि मेट 70 सीरीज़ और हारमनीओएस नेक्स्ट मुख्य रूप से चीनी बाजार पर केंद्रित हैं, हुआई ने पुराने डिवाइसों के लिए भी सॉफ़्टवेयर अपग्रेड जारी करने का संकेत दिया है।

इंडियन आइडल 15 पर आइडल का पानवाला

मुंबई : इस वीकेंड, सोनी टीवी पर ह्यइंडियन आइडल 15ह्ल में इमोशन, पुरानी यादों, और प्रेरणा का एक परफेक्ट ब्लेंड पेश किया गया, फियरलेस फि रोज एपिसोड का उद्देश्य प्रतियोगियों को चुनौती देना और उन्हें उनके डर का सामना करने के लिए प्रेरित करना है, और शुभजीत ने मिट्टी के घर में रहने में आने वाली कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की, एक खतरनाक घटना को भी साझा किया जब एक दीवार गिर गई थी और उनकी मां बाल-बाल बच गई थी।

शुभजीत के दृढ़ संकल्प से प्रभावित होकर, बादशाह ने उनके सफर और उनकी आवाज की ताकत की तारीफ करते हुए कहाः ह्लआप एक लाजवाब गायक हैं, और यह दर्शाता है कि आप कहां से आए हैं। आपकी आवाज में पवित्रता, सरलता और प्रकृति के जीवंत रंग हैं। जैसे डिवाइन का रैप सड़कों को दर्शाता है, आपकी सिंगिंग आपकी जड़ों को दर्शाती है, और यह एक गिफ्ट है। आपका सफर प्रभावशाली है क्योंकि आपने अपने हालातों को अपनी ताकत में बदल दिया है।

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

ललित गर्ग

निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों एवं सामाजिक-पारिवारिक संरचना पर भी पड़ेगा।

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट ह्यद फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्डह्न ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है।

इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-रणनीतियों के केंद्र में रखना

समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं।

बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं-किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा।

बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान आधुनिक मानवतावाद और पूंजीवाद से प्रभावित होकर प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इससे परिवारों और बाल देखभाल प्रदाताओं पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। वर्तमान में मौजूद रहने के बजाय, लोग भविष्य के बारे में सोचने में अधिक से अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। और ज्यादातर मामलों में वे इस बारे में नहीं सोच रहे हैं कि व्यापक अर्थों में सफल जीवन कैसा हो सकता है, बल्कि इसके बजाय वे स्कूल और कार्यस्थल में सफलता के बारे में सोच रहे हैं। यह कुछ कौशलों पर बहुत अधिक जोर देता है, जबकि अन्य-जैसे रचनात्मकता, सामाजिक क्षमता, जीवनमूल्य और उत्साह-को कम महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वे अधिक उन्नत शैक्षणिक ट्रैक या अधिक प्रतिष्ठित करियर में चयन के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। इसका परिणाम यह होता है कि बच्चों में कई प्रतिभाएँ अविकसित रह जाती हैं। अगर समाज को भविष्य की चुनौतियों का सामना करना है-चाहे वह भविष्य आखिरकार कैसा भी क्यों न हो, तो भविष्य के खतरों की आहट को सुनते हुए जागरूक होना होगा। साफ है, नीति के स्तर पर प्रदूषण एवं बदलते मौसम की मार के लिये काम करना होगा। कम से कम भविष्य या बच्चों के लिये तो ऐसा किया ही जाना चाहिए।

निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों एवं सामाजिक-पारिवारिक संरचना पर भी पड़ेगा। जहां दुनिया के विकसित देशों में अधिकांश आबादी इंटरनेट से जुड़ने के कारण प्रगति की राह में सरपट दौड़ रही है, तो गरीब मुल्कों में यह प्रतिशत विकसित देशों के मुकाबले करीब एक चौथाई ही है। ऐसे में समतामूलक आदर्श समाज की स्थापना के लिये डिजिटल डिवाइड को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके मद्देनजर हमारी कोशिश हो कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का स्वरूप समावेशी हो। ताकि आधुनिक तकनीक तक बच्चों की समान व सुरक्षित पहुंच हो सके। निर्विवाद रूप से बच्चे आने वाले कल के लिये देश का भविष्य निर्धारक होते हैं। ऐसे में हर लोक कल्याणकारी सरकार का नैतिक दायित्व है कि अपनी रीतियों-नीतियों में बच्चों के हितों व अधिकारों को प्राथमिकता दे। तभी हम उनके सुखद भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

लोकतंत्र का दमन

हिंसा और दमन जुड़वां भाई हैं। पाकिस्तान में लोकतंत्र को कुचलने के लिए एक बार फिर इनका इस्तेमाल किया गया। जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई के लिए चलाई जा रहे शांतिपूर्ण आंदोलन के खिलाफ सुरक्षा बलों की हिंसात्मक कार्रवाई में चार लोग मारे गए और सैकड़ों लोग घायल हो गए। अंततः पीटीआई को अस्थाई तौर पर आंदोलन को रोकने की घोषणा करनी पड़ी। सैन्य सत्ता प्रतिष्ठान समर्थित शाहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन की सरकार और पीटीआई कार्यकर्ताओं के बीच लंबे समय से टकराव और संघर्ष चल रहा है। पार्टी के कार्यकर्ता पिछले तीन दिनों से अपने नेता इमरान खान की रिहाई के लिए सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए सरकार जगह-जगह अवरोध खड़े करके हजारों सुरक्षाकर्मियों को तैनात किए तैनात किए थे। बावजूद इसके पीटीआई के उत्साही कार्यकर्ता राजधानी इस्लामाबाद के मशहूर डी-चौक और इसके आसपास के इलाकों में पहुंच गए थे। इमरान खान कभी पाकिस्तान के शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान के चहेते थे और उसके समर्थन से प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन जब उन्होंने मुखौटा लोकतंत्र की जगह वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना के लिए अपना कदम बढ़ाना शुरू किया तो सेना प्रतिष्ठान की किरकिरी बन गए। यही वह मोडक्ष है जहां से उनके हाथ से राजनीति फिसलती गई और उन्हें एक के बाद एक राजनीतिक और वैधानिक दोनों मोर्चों पर हार का सामना करना पड़ रहा है। उन पर सैकड़ों आपराधिक मुकदमे लगाए गए। चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी गई और उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न छिन लिया गया। फरवरी में हुए आम चुनाव में पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार संसद में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने हाथ मिलाकर सरकार बना ली। फिलहाल सरकार और शक्तिशाली सैन्य सत्ता प्रतिष्ठान इमरान खान के साथ किसी प्रकार का राजनीतिक समझौता करने के पक्ष में दिखाई नहीं दे रहा है। राजनीतिक अस्थिरता के कारण देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। देखना है कि सत्ता प्रतिष्ठान इमरान खान की ओर से मिल रही चुनौतियों का सामना कैसे करता है?

ऑनलाइन सट्टेबाजी का बढ़ता जाल, देश में कमजोर कानून

हाल में मैं एक दंपत्ति से मिला, जो तलाक की कठिन प्रक्रिया से गुजर रहा है। पति और पत्नी दोनों ही आइआइएम से शिक्षित हैं और अपने कारपोरेट करियर में काफी सफल हैं। जब मैंने उनसे अलग होने का कारण पूछा तो जवाब सुनकर मैं चौंक गया। पति को आनलाइन जुए की लत थी। उसने अपने 20 लाख से ज्यादा रुपये आनलाइन सट्टेबाजी में खपा दिए थे और फिर पिछले दो सालों में पत्नी के खाते से भी लाखों चुरा लिए थे। सब कुछ तीन-पत्ती के एक आनलाइन सट्टेबाजी के खेल में खो गया। यह कोई अकेला मामला नहीं है। ऐसे कई उदाहरण हैं, जब मध्यम वर्ग युवा आनलाइन सट्टेबाजी और आनलाइन गेमिंग में लाखों रुपये हार चुके हैं। कई मामलों में अपने भविष्य के लिए कोई उम्मीद न देखकर, उन्होंने आत्महत्या तक कर ली। यह समस्या, गांव और शहर, दोनों ही जगह अपनी जड़ें जमा चुकी है। भारत में अब आनलाइन सट्टेबाजी का बाजार 25, 000 करोड़ सालाना का हो चुका है। आनलाइन गेमिंग उद्योग का बाजार भी लगभग इतना ही बड़ा है। तुलनात्मक रूप से देखें तो आनलाइन सट्टेबाजी और आनलाइन गेमिंग पर हर साल हम लगभग 50, 000 करोड़ खर्च करते हैं और हैरत की बात यह है कि यह आंकड़ा संपूर्ण भारत के उच्च शिक्षा बजट से भी अधिक है।

आनलाइन सट्टेबाजी को हम तीन प्रकार से देख सकते हैं। पहला आनलाइन कैसिनो। यहां पर कैसीनो की भांति ताश और अन्य प्रकार से घर बैठे मोबाइल या कंप्यूटर से जुआ खेला जा सकता है। दूसरा प्रकार है, फैंटेसी लीग गेम्स जहां पर क्रिकेट, फुटबाल और अन्य चर्चित खेल के नतीजों पर लोग सट्टा लगा सकते हैं। तीसरा प्रकार है वे साधारण आनलाइन गेम्स, जिन पर यूजर आपस में पैसा लगा सकते हैं। इस श्रेणी में लूडो, सांपसीढ़ी, बिलियर्ड, तीन पत्ती जैसे सरल खेलों को जुए के रंग में रंग दिया जाता है। भारत

में आनलाइन सट्टेबाजी और जुए के इतने बड़े पैमाने पर बढ़ने का कारण क्या है?

पहला, यह कि आनलाइन जुआ खेलते समय व्यक्ति पर्दे के पीछे एक अनजान शख्स बनकर जुआ खेलता है। उसे अपनी पहचान सार्वजनिक होने का कोई अंदेशा नहीं रहता। हमारे समाज में जुआ खेलना अच्छा नहीं माना जाता और इसीलिए लोग खुलेआम जुआ खेलने में संकोच करते हैं, लेकिन जब कोई अपने मोबाइल फोन से सट्टा खेलता है तो आसपास किसी को भनक तक नहीं लगती। दूसरा कारण यह है कि आनलाइन सट्टे को संचालित करने वाली कंपनियां बेहद संगठित और निपुण तरीके से अपने मायाजाल से लोगों को रिझाती हैं। आलम यह है कि ये कंपनियां गृहणियों और कालेज जाने वाले युवाओं को सट्टा खेलकर परिवार में एक कमाऊ सदस्य बनने का झांसा देती हैं। चूंकि ये कंपनियां अब काफी बड़ी हो चुकी हैं, इसलिए मोटी रकम देकर सिनेमा और क्रिकेट जगत से बड़े-बड़े सितारों को विज्ञापन में दिखाकर और अधिक से अधिक लोगों को इस लत में घसीटती जा रही हैं। विडंबना यह है कि इस पर कोई रोक-टोक नहीं लग पा रही है। कंपनियां केवल यह बताकर कर्तव्य की इतिश्री कर लेती हैं कि इस खेल में आर्थिक जोखिम है और इसकी लत लग सकती है। तीसरा कारण सबसे विकराल है। आनलाइन सट्टेबाजी को रोकने का कानून न सिर्फ कमजोर है, बल्कि अस्पष्ट भी।

भारत में जुए को नियंत्रित करने वाला कानून पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 का बना हुआ है। इसके तहत जुआ खेलने और खिलाने वालों पर पुलिस और प्रशासन सख्त कार्रवाई कर सकता है। इस कानून में जुए की परिभाषा को लेकर भ्रम है, क्योंकि यह ह्वगेम आफ स्किलह्व और ह्वगेम आफ चांसह्व को अलग-अलग मानता है। गेम आफ स्किल में शतरंज जैसे खेल हैं, जिसमें कौशल का उपयोग होता है। इसके विपरीत वे खेल, जिनमें पांसे या लाटरी इस्तेमाल की जाती है और जो पूर्णतः भाग्य पर आधारित है, उसे ह्गेम आफ चांसह्न कहा जाता है। भाग्य और कौशल के बीच की यह लकीर धूमिल है और आनलाइन युग में यह और भी पेचीदा हो चुकी है। इसी अस्पष्टता का लाभ उठाते हुए भारत में देखते ही देखते आनलाइन सट्टेबाजी ने अपने पांव पसार लिए हैं। आनलाइन सट्टेबाजी की कंपनियों के पीछे कई बार चीन से बड़ी मात्रा में निवेश हुआ है। ऐसी अनेक कंपनियां देश के बाहर सक्रिय हैं।

आनलाइन सट्टेबाजी की लत जिस प्रकार बड़ी संख्या में लोगों को जकड़ रही है, वह सरकार और समाज के लिए गहरी चिंता का विषय बनना चाहिए। इस समस्या का समाधान क्या हो सकता है? सबसे पहले हमें जुए को नियंत्रित करने वाले कानून को आज के आनलाइन परिदृश्य के अनुरूप ढालना होगा और ऐसे उपाय करने होंगे कि जिससे आनलाइन सट्टेबाजी वाली कंपनियां मनमानी न करने पाएं। फिलहाल उन पर कोई प्रभावी रोक-टोक नहीं। हमें बच्चों और युवाओं को किसी भी प्रकार के आनलाइन सट्टे से बिलकुल दूर रखना होगा। आनलाइन गेम्स या सट्टे में कितना पैसा लग सकता है, इस पर नियंत्रण आवश्यक है। आनलाइन गेम्स मनोरंजन का स्रोत हो सकते हैं, पर उन्हें आय का साधन नहीं बनाया जा सकता। यह समझा जाना चाहिए कि आनलाइन सट्टे में सदैव सट्टा खिलाने वाला ही जीतता है।

आनलाइन सट्टेबाजी के बढ़ते चलन को देखते हुए स्कूलों में उसके प्रति सजगता फैलाना अति आवश्यक है। वे लोग जो अपने आपको या अपने परिवार के लोगों को सट्टा खेलने की आदत से ग्रस्त पा रहे हैं, उनके लिए एक्सपर्ट हेल्पलाइन जैसी सुविधाएं गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से मुहैया कराना आवश्यक हो गया है, ताकि उन्हें वक्त रहते बचाया जा सके। कई मामलों में यह देखने में आ रहा है कि बच्चे आनलाइन गेम्स खेलते-खेलते सट्टेबाजी तक पहुंच जाते हैं और अभिभावकों को जब तक पता चलता है, तब तक नुकसान हो चुका होता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जुए को नशे से भी बुरी लत बताई थी, क्योंकि जुए से होने वाला नुकसान स्थाई होता है और परिवार एवं समाज, दोनों को खोखला करता है। आज उसी सामाजिक बुराई को आनलाइन सट्टेबाजी के रूप में मोबाइल और कंप्यूटर के जरिये एक चमकीले आवरण में पेश किया जा रहा है। देश को इससे बचाने की जरूरत है।

-सृजनपाल सिंह
(लेखक एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर के सीईओ हैं)

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

प्रदूषण : इच्छाशक्ति से ही बनेगी बात

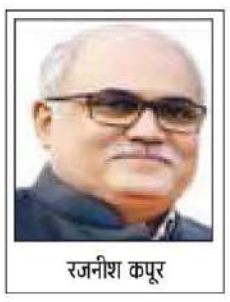

रजनीश कपूर

बीते कुछ सप्ताह से दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत को प्रदूषण के बादल ने इस कदर घेर रखा है कि जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। प्रदूषण की रोकथाम को लेकर सरकार ने कई तरह की पाबंदियां लगा दी हैं। लोग चिंतित हैं कि पाबंदियों के चलते कई रोजगारों पर असर पड़ने लगा है। निर्माण कार्य में लगे दिहाड़ी मजदूर पाबंदियों के चलते सबसे अधिक पीड़ित हुए हैं। तमाम टीवी चैनलों पर प्रदूषण के बिगड़ते स्तर पर काफी बहस हो रही है परंतु क्या किसी ने प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए सही व ठोस कदम उठाने की बात कही है? क्या निर्माण कार्यों और वाहनों पर प्रतिबंध से प्रदूषण के स्तर में कमी आएगी? अनेक कारण हैं जिन पर सरकार ध्यान दे तो प्रदूषण में नियंत्रण पाया जा सकता है।

सबसे पहले बात करें वाहन प्रदूषण की। इस पर इसी कॉलम में कई बार लिखा जा चुका है कि विशेष आयु या श्रेणी के वाहन को प्रतिबंध करने से क्या प्रदूषण में कमी आएगी? इसका उत्तर हां और नहीं, दोनों ही है। कोई वाहन जो पुराने माणकों पर चल रहा है और उसके पास वैध पीयूसी प्रमाणपत्र नहीं है तो निश्चित रूप से उसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। परंतु यदि वही वाहन प्रदूषण के तय मानकों की सीमा में पाया जाता है तो उस पर प्रतिबंध का क्या औचित्य? हम-आप जब भी कोई वाहन खरीदते हैं, तो हम उस वाहन की कीमत के साथ-साथ रोड टैक्स, जीएसटी आदि टैक्स भी देते हैं। इन सब टैक्स देने का मतलब हुआ कि यह राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी। परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रकम क्या वास्तव में जनता पर खर्च होती है? क्या हमें अपनी महंगी गाड़ियों के लिए साफ-सुथरी और बेहतरीन सड़कें मिलती हैं? क्या टूटी-फूटी सड़कों की समय-समय पर मरम्मत होती है? क्या सड़कों की मरम्मत करने वाली एजेंसियां अपना काम पूरी निष्ठा से करतीं हैं?

इनमें से अधिकतर सवालों के जवाब आपको नहीं में ही मिलेंगे। टूटी-फूटी सड़कों पर वाहन अवरोधों के साथ चलने पर मजबूर होते हैं। नतीजतन जगह-जगह ट्रैफिक जाम हो जाता है। जाम में खड़े रह कर आप न सिर्फ समय जाया करते हैं, बल्कि महंगा इंधन भी जाया करते हैं। जितनी देर तक जाम लगा रहेगा, वाहन बंपर-टू-बंपर चलेगा और बढ़ते हुए प्रदूषण की आग में घी का काम करेगा। ऐसे में जिन वाहनों को पुराना समझ कर प्रतिबंधित किया जाता है, उनसे कहीं ज्यादा नये वाहनों से प्रदूषण होता है। इसलिए लोक निर्माण विभाग या अन्य एजेंसियों की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि सड़कों को दुरुस्त रखें जिससे प्रदूषण को बढ़ावा न मिले। ट्रैफिक नियंत्रण की समस्या भी ऐसी समस्या है जिससे प्रदूषण बढ़ाता है। मिसाल के तौर पर आपको कई चौराहे मिल जाएंगे जहां लाल-बत्ती की अवधि जरूरत और ट्रैफिक के प्रवाह के अनुसार मेल नहीं खाती। नतीजा, ऐसे चौराहों पर ट्रैफिक की लंबी कतारें। ऐसा नहीं है कि पूरा दिन ही ऐसे चौराहों पर लंबी कतारें लगती हैं। ज्यादातर कतारें पीक ऑवर पर लगती हैं। उस समय ट्रैफिक पुलिस द्वारा चुनिंदा चौराहों को नियंत्रित किया जाए तो जाम की समस्या पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। बस कुछ मामूली से परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। आज गूगल मैप पर घर बैठे आप हर गली-नुक्कड़ का ट्रैफिक देख सकते हैं। यदि हम इसे देख कर अपनी यात्रा को प्लान कर सकते हैं तो ट्रैफिक कंट्रोल रूम के अधिकारी, संबंधित इलाके के ट्रैफिक अधिकारी को इस समस्या के प्रति झकझोर क्यों नहीं सकते?

प्रदूषण के अन्य कारकों पर भी लगाम कसी जा सकती है। जरूरत है तो इच्छाशक्ति की। याद दिलाना चाहूंगा कि 2010 में जब हमारे देश में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हुआ था तो दिल्ली में ऐसी व्यवस्था बनाई गई थी कि ट्रैफिक जाम नहीं होते थे। जगह-जगह पर ट्रैफिक पुलिस के सिपाही ट्रैफिक पर पैनी नजर बनाए हुए थे यानी डंडे के जोर पर व्यवस्था को नियंत्रित किया जा रहा था। यदि एक ट्रैफिक की समस्या को डंडे के जोर पर किसी विशेष इंतजाम के लिए नियंत्रित

जा सकता है तो आम दिनों में क्यों नहीं? अब बात करें दीपावली के बाद हर वर्ष होने पराली जलाने की घटनाओं की। जग-जाहिर है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान हर वर्ष इन्हीं दिनों पराली जलाते हैं। यह समस्या हर वर्ष प्रदूषण का कारण बनती है। बड़ी-बड़ी बातें और घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। यदि कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हो या कोविड के दौरान लॉकडाउन लागू करना हो, जब इन्हें सख्ती से लागू किया जा सकता है तो पराली को जलाने से क्यों नहीं रोका जा सकता? ठीक उसी तरह कारखानों से निकलने वाले धुएं को भी नियंत्रित करना असंभव नहीं है। सरकार चाहे तो इस राह में ठोस कदम उठा कर प्रदूषण को नियंत्रण में ला सकती है। केवल नारों, घोषणाओं और प्रतिबंधों से नहीं, इच्छाशक्ति से ही नियंत्रित हो सकेगा प्रदूषण। जहां चाह, वहां राह!

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

पहले भावनाओं को व्यक्त करने में मुश्किल होती थी: अनन्या पांडे

हाल ही में ट्रोलिंग और सोशल मीडिया नफरत पर अभिनेत्री अनन्या पांडे ने खुलकर बात की है। अनन्या ने एक शो में इस मुद्दे पर अपने अनुभव साझा किए। अनन्या ने कहा कि ट्रोलिंग और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव को समझते हुए, उन्होंने थेरेपी सेशन लिया था।

उन्होंने बताया, मैंने पहले थेरेपी ली है, अब उतनी नियमित नहीं रहती। मुझे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में मुश्किल होती थी, और मैं बहुत उदास रहती थी। सोशल मीडिया के साथ कभी-कभी ऐसा लगता था कि आप कुछ पढ़ते हैं और आपको यह एहसास नहीं होता कि यह आपको प्रभावित कर रहा है, क्योंकि आप सोचते हैं कि मैं ठीक हूँ, लेकिन बाद में यह आपके अवचेतन में गहरे बैठ सकता है। इसके बाद, अनन्या ने बताया कि थेरेपी के माध्यम से वह अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से व्यक्त करने और मानसिक संतुलन बनाने में सक्षम हो पाई हैं।

ट्रोलिंग और फर्जी खबरों से निपटने के बारे में अनन्या ने कहा, ईमानदारी से कहूँ तो मेरे बारे में बहुत कुछ कहा गया है, इसलिए मुझे एक खास पल याद नहीं आता। लेकिन कभी-कभी जब मैं किसी कहानी को नियंत्रित नहीं कर पाती, तो मुझे गुस्सा आता है। जब मैंने शुरुआत की थी, किसी ने एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया और यह दावा किया कि वे मेरे साथ स्कूल में थे, और मुझे लेकर झूठे आरोप लगाए थे। पहले मुझे लगा कि लोग इस पर विश्वास नहीं करेंगे, लेकिन कुछ समय बाद यह सच में वायरल हो गया। अनन्या ने यह भी बताया कि स्कूल के दिनों में उन्हें कई बार शारीरिक आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, जैसे कुबड़ा, सपाट छाती, चिकन लेग, लेकिन अब सोशल मीडिया के कारण ऐसे आलोचनात्मक टिप्पणियां और आक्रमण कहीं अधिक प्रभावी हो जाते हैं। काम की बात करें तो अनन्या पांडे आने वाले समय में कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं, जिनमें द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर, चांद मेरा दिल, दरबदर और रन फॉर यंग शामिल हैं। अनन्या पांडे का यह साक्षात्कार इस बात को उजागर करता है कि सोशल मीडिया की दुनिया में भले ही ग्लैमर और प्रसिद्धि हो, लेकिन इसके साथ आने वाली मानसिक चुनौतियाँ और ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ता है। बता दें कि अभिनेत्री अनन्या पांडे को सोशल मीडिया पर अक्सर ट्रोल किया गया है, और उनके बयान भी कई बार आलोचना का शिकार बने हैं।

पुष्पा -2 पहुंचेगी 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में

सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2 की रिलीज से पहले ही एक और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर आ रही है, जो पुष्पा 2 को चुनौती दे सकती है। वह फिल्म है सिद्धार्थ की मिस यू, जो 29 नवंबर को रिलीज हो रही है, जबकि पुष्पा- 2 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में पहुंचेगी। हाल ही में मिस यू के एक प्रेस मीट में जब सिद्धार्थ से पूछा गया कि क्या वह पुष्पा 2 के साथ क्लैश को लेकर चिंतित हैं, तो उन्होंने बिना घबराए जवाब दिया, हमें इस बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, बल्कि पुष्पा 3 के मेकर्स को इस बारे में सोचना चाहिए। सिद्धार्थ ने कहा कि सबसे अहम बात यह है कि उनकी फिल्म अच्छी हो और दर्शकों को पसंद आए। सिद्धार्थ ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा, जहां तक पुष्पा 2 का सवाल है, हमें इसकी चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। अगर फिल्म अच्छी है, तो वह दर्शकों के दिलों में जगह बना लेगी, खासकर आजकल के सोशल मीडिया युग में जब सभी को यह पता होता है कि कौन सी फिल्म अच्छी है। उन्होंने मिस यू पर पूरी तरह से विश्वास जताया और उम्मीद जताई कि पुष्पा 2 का उनकी फिल्म पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मिस यू एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें सिद्धार्थ और आशिका रंगनाथ मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी एक प्रेम कथा पर आधारित है और इसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।

नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल को लेकर चर्चा में नयनतारा

मशहूर एक्ट्रेस नयनतारा हाल ही में रिलीज हुई डॉक्यूमेंट्री नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरीटेल को लेकर चर्चा में हैं। एक समय ऐसा भी था जब नयनतारा को अपने वजन के कारण सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था। यह घटना साल 2005 की है जब नयनतारा फिल्म गजनी में नजर आई थीं। फिल्म के रिलीज के बाद, नयनतारा को उनके वजन को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। ट्रोलर्स ने उन्हें कहा कि वह फिल्म के लिए फिट नहीं थीं, और उनके वजन का मजाक उड़ाया। इस ट्रोलिंग ने नयनतारा को काफी दुखी किया था। नयनतारा ने इस बारे में कहा था कि उन्होंने वही किया था जो डायरेक्टर ने उनसे करने को कहा था, लेकिन इन टिप्पणियों को पढ़कर उन्हें बहुत बुरा लगता था। इसके बाद, 2007 में जब नयनतारा ने फिल्म बिल्ला में बिकनी पहनकर एक सीन किया, तो उसे भी ट्रोल किया गया। नयनतारा ने इस बारे में कहा कि उन्होंने वह सीन सिर्फ डायरेक्टर के कहने पर किया था, न कि किसी को कुछ साबित करने के लिए। हालांकि, इन मुश्किलों के बावजूद नयनतारा ने हार नहीं मानी और आज वह साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सबसे पॉपुलर और टॉप एक्ट्रेसेस में से एक बन चुकी हैं। सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है और लोग उन्हें खूब पसंद करते हैं। इसके अलावा, नयनतारा और धनुष के बीच के विवाद ने भी मीडिया में खूब सुर्खियां बटोरी हैं।

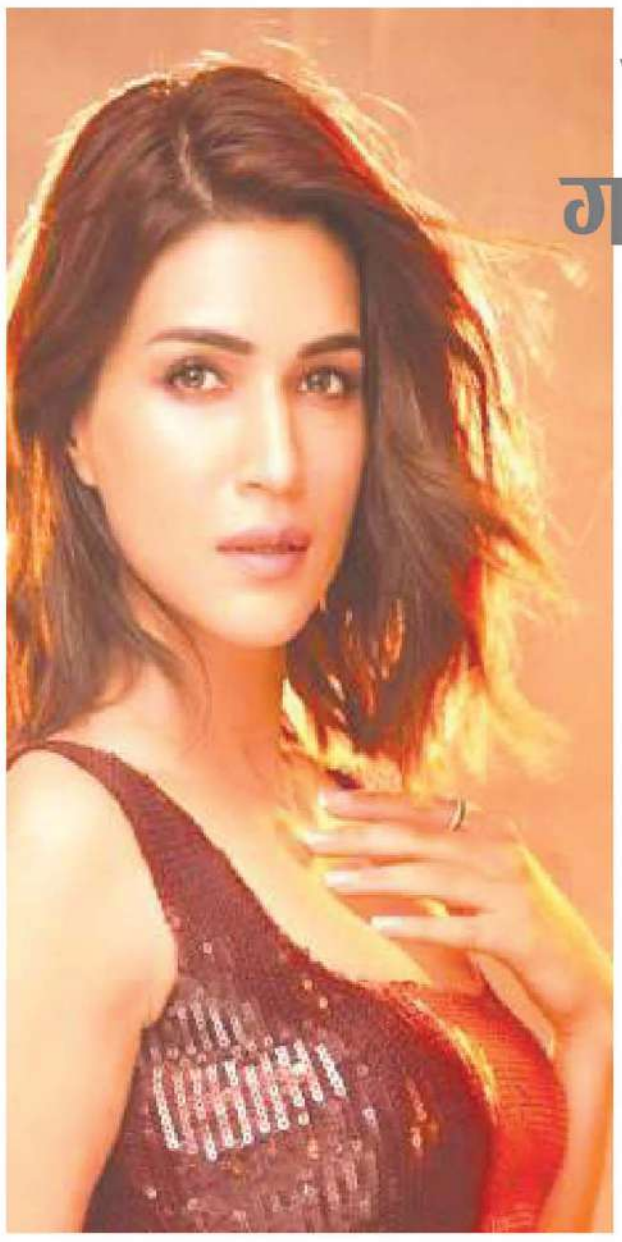

इंडस्ट्री ने मुझे हमेशा गर्मजोशी से स्वीकारा कृति सेनन

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में शिरकत करते हुए बॉलीवुड अदाकारा कृति सेनन ने नेपोटिज्म और फिल्म इंडस्ट्री में बाहरी लोगों के संघर्ष पर अपनी राय साझा की। कृति ने कहा, इंडस्ट्री ने मुझे हमेशा गर्मजोशी से स्वीकारा है। लेकिन जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं होते, तो आपके लिए वहां पहुंचना थोड़ा मुश्किल होता है। आपको अपनी काबिलियत साबित करने और अपनी जगह बनाने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि फिल्मी पृष्ठभूमि न होने के कारण किसी व्यक्ति के लिए अपने सपनों के अवसर पाने में अधिक समय लगता है। पत्रिकाओं के कवर पर दिखने से लेकर बड़ी फिल्में पाने तक, सब कुछ मेहनत से ही संभव होता है। हालांकि, अगर आप अपनी कड़ी मेहनत और लगन से काम करते रहें, तो आपको कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने नेपोटिज्म पर इंडस्ट्री के साथ-साथ मीडिया और दर्शकों की भूमिका को भी रेखांकित किया। कृति ने बताया कि स्टार किड्स को बढ़ावा देने में दर्शकों और मीडिया की रुचि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, इंडस्ट्री अकेले नेपोटिज्म के लिए जिम्मेदार नहीं है। मीडिया और दर्शकों का योगदान भी इसमें है। दर्शकों की रुचि के कारण मीडिया स्टार किड्स पर ध्यान केंद्रित करता है, जिससे इंडस्ट्री को लगता है कि दर्शकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए फिल्में बनानी चाहिए। यह एक चक्र है। हालांकि, प्रतिभा हमेशा अपनी जगह बनाती है। अगर आप दर्शकों के साथ जुड़ नहीं पाते, तो चाहे किसी भी पृष्ठभूमि से हों, टिक पाना मुश्किल है। काम की बात करें तो कृति को हाल ही में दो पत्ती में काजोल और शहीर शेख के साथ डबल रोल निभाते हुए देखा गया।

2025 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी अनुराग की डेब्यू फिल्म पांच

बालीवुड के फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप की पहली फिल्म पांच आखिरकार 2025 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। निर्माता टूटू शर्मा ने बताया कि फिल्म पर लगे प्रतिबंध और इसके नेगेटिव के खराब होने के कारण इसे अब तक रिलीज़ नहीं किया जा सका। निर्माता शर्मा ने कहा, हम अगले छह महीनों में पांच को सिनेमाघरों में लाने की योजना बना रहे हैं। नेगेटिव की मरम्मत का काम चल रहा है, और जैसे ही यह प्रक्रिया पूरी होगी, फिल्म रिलीज़ कर दी जाएगी।पांच को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के साथ लंबे विवाद का सामना करना पड़ा था। हालांकि, अब इन मुद्दों का समाधान हो चुका है। शर्मा ने भरोसा जताया कि मौजूदा दौर में पुरानी फिल्मों की दोबारा रिलीज़ का चलन और दर्शकों की रुचि पांच को सफलता दिलाएगी। उन्होंने कहा, पांच अनुराग कश्यप की अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म है। के के मेनन और तेजस्विनी कोल्हापुरी सहित पूरी कास्ट ने असाधारण प्रदर्शन किया है। एक बार इसे देखने के बाद दर्शक भी इस बात से सहमत होंगे। फिल्म में के के मेनन, आदित्य श्रीवास्तव, विजय मौर्य, जॉय फर्नांडिस और तेजस्विनी कोल्हापुरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसका कथानक 1976-77 में पुणे में हुई जोशी-अभयंकर हत्याओं पर आधारित है। फिल्म नशीली दवाओं के दुरुपयोग, हिंसा और अभद्र भाषा के चित्रण के कारण विवादों में रही और सीबीएफसी से मंजूरी मिलने में समय लगा। हालांकि, उत्पादन से जुड़ी बाधाओं के कारण इसकी रिलीज़ बार-बार टलती रही।

मनीषा कोइराला ने की आईएफएफआई में शिरकत

बालीवुड अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने गोवा में चल रहे 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में शिरकत की। मनीषा ने इस दौरान कहा कि अभिनेत्री रह चुकी हैं शब्द उनके लिए काफी दर्दनाक और आहत करने वाला है। मनीषा ने फिल्म निर्माता विक्रमादित्य मोटवानी के साथ बिग स्क्रीन से स्ट्रीमिंग तक सत्र के दौरान कहा, यह शब्द अक्सर महिला कलाकारों के लिए इस्तेमाल होता है, लेकिन ओटीटी ने इस सोच को बदल दिया है। इस दौरान उन्होंने सिनेमा और ओटीटी प्लेटफॉर्म के भविष्य और वरिष्ठ कलाकारों पर इसके प्रभाव पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने नीना गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अभिनेत्रियों का उदाहरण देते हुए कहा कि आज ओटीटी प्लेटफॉर्म ने उम्र और लिंग के बंधनों को तोड़ते हुए नई संभावनाएं दी हैं। मनीषा ने हाल ही में संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी- द डायमंड बाजार' से ओटीटी पर डेब्यू किया। इसमें उन्होंने एक वेश्यालय की मालकिन मल्लिकाजान की भूमिका निभाई, जो दर्शकों के बीच खूब सराही गई। इस सीरीज में उनके साथ सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, और ऋचा चड्ढा जैसे कलाकार नजर आए। मनीषा ने इससे पहले भंसाली के साथ फिल्म 'खामोशी- द म्यूजिकल' में काम किया था, जो उनकी शुरुआती चर्चित फिल्मों में से एक थी। अब वह 'हीरामंडी' के दूसरे सीजन में भी नजर आएंगी, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा। 'हीरामंडी' से पहले मनीषा कार्तिक आर्यन और कृति सेनन की फिल्म 'शहजादा' में उनकी मां के किरदार में दिखी थीं।

मास्टर क्लास के दौरान दर्शकों का दिल जीत लिया अनुपम खेर ने

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी मास्टर क्लास के दौरान 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में दर्शकों का दिल जीत लिया। इस दौरान अनुपम ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, कल आईएफएफआई में मेरी मास्टर क्लास के बाद दर्शकों में से किसी महाशय ने एक्टिंग के जंगल में शेर रहते हैं, सुना है उसे अनुपम खेर कहते हैं फरमाया! जय हो! मजा आया और अच्छा लगा! कुछ भी हो सकता है! इसके साथ उन्होंने #धन्यवाद, #असफलता की शक्ति हैशटैग भी लिखा। अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और हाल ही में उन्होंने सिंगर सोनू निगम और एमएम कीरावनी के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। इस पोस्ट में अनुपम ने अपनी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के गीत तन्वी द ग्रेट सॉन्ग के लिए सोनू निगम को धन्यवाद कहा। उन्होंने लिखा, डियर सोनू निगम! मेरी निर्देशित फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' का सबसे महत्वपूर्ण गाना गाने के लिए धन्यवाद। अनुपम खेर स्टूडियो भाग्यशाली है कि हमारी फिल्म में आपकी जादुई आवाज और ऑस्कर विजेता एमएम कीरवानी सर के भावपूर्ण संगीत की शानदार केमिस्ट्री है। आप हमारे प्यार और दृढ़ संकल्प की कहानी के लिए भगवान का उपहार हैं! अनुपम खेर ने 2002 में 'ओम जय जगदीश' फिल्म का निर्देशन किया था और अब वह एक बार फिर निर्देशन में वापसी करने जा रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' जुनून, साहस और मासूमियत की एक म्यूजिकल स्टोरी है, जिसमें कई नामी हस्तियां जुड़ी हुई हैं। इस फिल्म के गीतकार कौसर मुनीर हैं और इसमें कृति महेश (राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कोरियोग्राफर) और सुनील रोड्रिग्स ('जवान' के एक्शन निर्देशक) जैसे बड़े नाम भी जुड़े हैं। फिल्म का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियो द्वारा किया जा रहा है। अनुपम खेर की मास्टर क्लास और उनकी आगामी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के प्रति उनके उत्साह ने साबित कर दिया है कि वह न केवल एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक सशक्त निर्देशक भी हैं।

रश्मिका और विजय की मुलाकात की तस्वीरें वायरल

हाल ही में, एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा को एक लंच डेट पर देखा गया, और इस मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। हालांकि, रश्मिका ने अपनी एक तस्वीर शेयर की जिसमें वह लंच करते हुए नजर आ रही थीं, और उन्होंने उसी ब्लू टॉप को पहना था, जो उन्होंने विजय के साथ लंच डेट पर पहना था। यह तस्वीर वायरल हो जाने के बाद, यह स्पष्ट हो गया कि दोनों एक साथ लंच डेट पर गए थे। रश्मिका ने अपनी तस्वीर के साथ गुड फूड कैप्शन लिखा, जो उस समय की खुशी और उस लंच डेट का आनंद व्यक्त कर रहा था। इसके बाद विजय देवरकोंडा ने एक इंटरव्यू में भी यह स्वीकार किया कि वह किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वह कौन है। विजय ने यह भी कहा कि वह एक मजबूत दोस्ती से पहले किसी रिश्ते में नहीं आते, और 35 साल की उम्र में यह सामान्य है कि वह अकेले नहीं रहेंगे।

उनकी यह बात उस विचारधारा को प्रकट करती है कि रिश्ते की शुरुआत मजबूत दोस्ती से होनी चाहिए, क्योंकि यह एक स्थिर और स्वस्थ रिश्ते का आधार होता है। रश्मिका के लिए, यह समय फिल्मी करियर के लिहाज से भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह जल्द ही पुष्पा- द रूल में नजर आएंगी, जो 5 दिसंबर 2024 को रिलीज हो रही है। दूसरी ओर, विजय देवरकोंडा अपनी अगली फिल्म वीडी 12 की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो उनके फैंस के लिए एक नई फिल्म का इंतजार है। बता दें किरश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की रिलेशनशिप के बारे में अफवाहें काफी समय से चल रही थीं, और हाल ही में इन अफवाहों ने और जोर पकड़ा है। दोनों को अक्सर एक साथ स्पॉट किया जाता है, और उनकी मुलाकातों को लेकर मीडिया में कई रिपोर्ट्स आती रही हैं। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को लेकर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया था, जिससे उनके प्रशंसकों और मीडिया में कई तरह की अटकलें लगाई जाती रही थीं।

एडीलेड में पिछली हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी टीम इंडिया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम 6 दिसंबर से एडीलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच खेलेगी। गुलाबी गेंद से खेले जाने वाला यह मैच दिन-रात वाला होगा। भारतीय टीम ने अब तक गुलाबी गेंद से चार टेस्ट खेले हैं जिसमें से उसे 3 में जीत मिली है जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को जिस एक दिन-रात वाले टेस्ट में हार मिली है वो ऑस्ट्रेलिया में ही एडिलेड में खेला गया था। वहीं इस बार भी दूसरा टेस्ट इसी स्थल पर खेला जाएगा। ऐसे में इस बार भारतीय टीम इस बार उस हार का बदला लेना चाहेगी। भारतीय टीम ने अपना पहला दिन-रात टेस्ट मैच साल 2019 में खेला था। कोलकाता के ईडन गार्डंस स्टेडियम में खेले गए इस दिन-रात के टेस्ट में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को एक पारी और 46 रन से हराया था। इस मुकाबले में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने शतकीय पारी खेलकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी जबकि तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने कुल 9 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम ने अपना दूसरा दिन-रात का टेस्ट साल 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। एडिलेड में 17 दिसंबर से खेले गए इस टेस्ट मैच में भारत को 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं साल 2021 में टीम इंडिया ने अपना तीसरा दिन-रात का टेस्ट खेला। इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस टेस्ट मैच में भारत ने 10 विकेट से जीत दर्ज की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ इस मैच में अक्षर पटेल ने 11 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं भारतीय टीम ने अपना चौथा डे नाइट टेस्ट मैच श्रीलंका के खिलाफ साल 2022 में खेला था। बैंगलोर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेल गए इस टेस्ट में भारत ने 238 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी।

आईपीएल के बाद अब महिला प्रीमियर लीग ऑक्शन की बारी, जानें आगामी सीजन की नीलामी की पूरी जानकारी

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन की शुरुआत अगले साल 23 फरवरी से होने वाली है। वहीं आगामी टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों की मिनी नीलामी अगले महीने 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। इसके लिए बीसीसीआई ने लीग की पांचों फ्रेंचाइजी को इससे जुड़ी वेन्यू और तारीख के बारे में इनफॉर्म कर दिया है। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 23 फरवरी को महिला प्रीमियर लीग का आगाज होगा। मुकाबले दो शहरों बेंगलुरु और दिल्ली में खेले जाएंगे।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सत्र से पहले मिनी नीलामी 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। नीलामी में 19 स्थान यानी 14 भारतीय और 5 विदेशी के लिए बोली लगेगी। जिसमें टीमें 16.7 करोड़ रुपये खर्च कर सकती हैं।

हर टीम के पास 18 खिलाड़ी होते हैं और टीमें 15 करोड़ तक खर्च कर सकती हैं। हर स्क्वॉड में ज्यादा से ज्यादा 6 विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करने की अनुमति है। रिटेंशन के बाद गुजरात जायंट्स के पास 4.4 करोड़ रुपये का अधिकतम पर्स है, जिसमें चार स्लॉट भरने हैं। लीग के शुरुआती 11 मैच बेंगलुरु खेले जाएंगे। सीजन का पहला मैच मुंबई और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम 15 और 17 मार्च को क्रमशः एलिमिनेटर और फाइनल सहित अंतिम 11 मुकाबलों की मेजबानी करेगा।

शुभमन गिल अंगूठे की चोट से उबरकर नेट्स पर लौटे, कहा- रिकवरी अपेक्षा से बेहतर रही

कैनबरा (एजेंसी)। अंगूठे की चोट के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट से बाहर रहे शुभमन गिल ने फिट होने के बाद शुक्रवार को भारतीय टीम के साथ नेट्स पर अभ्यास किया। पहले टेस्ट में गिल की कमी महसूस नहीं हुई क्योंकि भारत ने 295 रन से जीत दर्ज की। पिछले दौरे पर उनके शानदार फॉर्म को देखते हुए हालांकि टीम को उसकी जरूरत है।

शीर्षक्रम के बल्लेबाजों ने नेट्स पर यश दयाल और आकाश दीप की गेंदों का सामना किया। भारत को कल से ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच खेलना है। गिल ने अभ्यास सत्र के बाद बीसीसीआई द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'मैं देख रहा था कि चोट से कितना उबर गया हूं। किसी तरह की सूजन तो नहीं है लेकिन मैंने और कमलेश भाई (कमलेश जैन, फिजियो) की अपेक्षा से बेहतर रिकवरी है। मैं बहुत खुश हूं।'

पहले टेस्ट से बाहर रहने से निराश गिल ने कहा, 'हर गेंद को बल्ले से पीटने का अनुभव शानदार होता है और मैं उसी के लिए खेलता हूं। जब मुझे चोट के बारे में पता चला तो पहले कुछ दिन काफी निराशाजनक रहे।' उन्होंने कहा, 'पर्थ में हमने पिछली बार 2020-21 के दौरे पर नहीं खेला था। यह शानदार मैदान है और टीम के प्रदर्शन से मैं काफी खुश था।'

गिल की गैर मौजूदगी में तीसरे नंबर पर उतरे देवदत्त पडिक्कल प्रभाव नहीं छोड़ सके। गिल हालांकि शीर्ष क्रम की बजाय मध्यक्रम में उतर सकते हैं क्योंकि रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में केएल राहुल ने पारी की शुरूआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। रोहित अब यशस्वी जायसवाल के साथ पारी का आगाज करेंगे जिससे राहुल तीसरे और गिल पांचवें नंबर पर उतर सकते हैं।

रिवर्स स्विंग, धीमी गेंद, अच्छे बाउंसर, उसके पास सब कुछ है, स्मिथ ने भारतीय गेंदबाज को बताया फुल पैकेज

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का विचित्र गेंदबाजी एक्शन और असाधारण कौशल उन्हें संपूर्ण पैकेज बनाता है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में कप्तानी करते हुए बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में आठ विकेट लिए और 'प्लेयर आफ द मैच' चुने गए।

स्मिथ ने कहा, 'उसके रनअप की शुरूआत से ही उसका गेंदबाजी एक्शन अजीब है। वह अलग ही तरह से दौड़ता है और उसके एक्शन का आखिरी मूवमेंट भी विचित्र है। मैंने उसका सामना काफी बार किया है और हर बार उसके खिलाफ क्रीज पर जमने में समय लगता है।'

पहले टेस्ट की पहली पारी में स्मिथ को बुमराह ने ही आउट किया था। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा कि बुमराह जब गेंद को छोड़ते हैं तो दूसरे गेंदबाजों की तुलना में बल्लेबाज से कम से कम एक फुट करीब होते हैं जिससे गेंद की लैंग्थ को पकड़ना मुश्किल हो जाता है।

स्मिथ ने कहा, 'वह आपके करीब आकर गेंद छोड़ता है जिससे आपको समय ही नहीं मिल पाता। इसके अलावा वह गेंद को दोनो ओर से स्विंग करा सकता है। रिवर्स स्विंग, धीमी गेंद, अच्छे बाउंसर, उसके पास सब कुछ है। वह एक गेंदबाज के तौर पर पूरा पैकेज है।' ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज डेमियन मार्टिन ने कहा, 'वह टर्मिनेटर है। उसे अपनी ताकत पता है और वह बल्लेबाज की कमजोरियां ढूंढ लेता है। उसका रनअप लंबा नहीं है लेकिन वह काफी चतुराई से गेंदबाजी करता है।'

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : दिल्ली के सभी खिलाड़ियों ने गेंदबाजी कर बनाया विश्व रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और मणिपुर के बीच खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 के ग्रुप सी में मैच में एक अनौखा विश्व रिकार्ड बनाया। इस मैच में दिल्ली की ओर से से सभी 11 खिलाड़ियों ने गेंदबाजी की। यहां तक कि विकेटकीपर आयुष बदोनी ने भी गेंदबाजी की। आयुष टीम के कप्तान भी हैं। इस मैच में 11 के 11 खिलाड़ियों में किसी ने अपनी सभी ओवर नहीं किये। हर्ष त्यागी, दिग्वेश राठी और मयंक रावत ने तीन-तीन ओवर किए, जबकि आयुष सिंह, अखिल चौधरी और आयुष बदोनी ने दो-दो ओवर किए। वहीं आर्यन राणा, हिम्मत सिंह, प्रियांश आर्या, यश धुल और अनुज रावत ने एक-एक ओवर फेंका।

मणिपुर ने इस मैच में 20 ओवर में आठविकेट पर 120 रन बनाए। 41 रनों के अंदर ही मणिपुर ने अपने छह विकेट खो दिए थे। इसके बाद कप्तान रेक्स राजकुमार, और विकेटकीपर अहमद शाह ने मिलकर मणिपुर को संभालने का प्रयास किया। अहमद ने सबसे अधिक 32 रन बनाये। वहीं ऊलेनयई ने 19 रन बनाए। अन्य बल्लेबाज सस्ते में निपट गये।

मणिपुर की ओर से निचले क्रम के बल्लेबाजों ने टीम का स्कोर 100 रन के ऊपर पहुंचाया। ये टी20 में पहली बार है जब किसी टीम की ओर से 11 के 11 खिलाड़ियों ने गेंदबाजी की हो और अब यह विश्व रिकॉर्ड दिल्ली के नाम दर्ज हो गया है।

दक्षिण अफीकी तेज गेंदबाज यानसन ने लिए सात विकेट, श्रीलंका 42 पर सिमटी

डरबन । दक्षिण अफीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसेन ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में अपनी घातक गेंदबाजी की है। आईपीएल 2025 ऑक्शन में 7 करोड़ में बिके यानसन ने केवल 13 रन देकर सात विकेट लेकर श्रीलंकाई टीम को पहली पारी में केवल 42 रनों पर ही समेट दिया। यानसेन को आईपीएल ऑक्शन में पंजाब किंग्स ने खरीदा है। इससे पहले मेजबान दक्षिण अफ्रीकी टीम ने अपनी पहली पारी में 191 रन बनाये थे। श्रीलंका की टीम पहली पारी में 13.5 ओवर में ही आउट हो गयी। यह श्रीलंका के टेस्ट इतिहास का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले श्रीलंका का सबसे कम स्कोर 71 रन था जो उसने पाकिस्तान के खिलाफ 1994 में कैंडी में बनाया था। साल 2006 में पाकिस्तान ने श्रीलंका को कैंडी में ही 73 रनों पर समेट दिया था जबकि इंग्लैंड ने 2001 में कोलंबो में श्रीलंका को 81 रन पर आउट किया था। यानसेन तेज गेंदबाजी करने के साथ साथ निचले ऑर्डर में आकर बड़े बड़े शॉट खेलते हैं। यानसेन ने हाल में भारत के खिलाफ खेले गए 4 मैचों की टी20 सीरीज में बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। इसी को देखकर पंजाब किंग्स ने इस गेंदबाज को 7 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है।

विराट का दिन रात के मैचों में 46.16 रहा है बल्लेबाजी औसत

एडीलेड। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 6 दिसंबर से एडीलेड में दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच खेला जाएगा। गुलाबी गेंद से खेला जाने वाला ये मैच दिन-रात का होगा। इस मैच से पहले ही विराट के शानदार शतक से साफ है कि वह फार्म में आ गये हैं। विराट कोहली ने एडिलेड में गुलाबी गेंद से पहले भी एक टेस्ट मैच खेले था जिसमें उन्होंने पहली पारी में 74 रन बनाए हैं जबकि दूसरी पारी में 4 रन बनाए। दिन-रात के चार टेस्ट मैचों में कोहली के नाम कुल 277 रन हैं जिसमें उनकी बल्लेबाजी औसत 46.16 रहा है। विराट ने बांग्लादेश के खिलाफ साल 2019 में खेले गए दिन-रात के टेस्ट मैच में 136 रन की पारी खेली थी। यह गुलाबी गेंद से हुआ टेस्ट मैच कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला गया था। भारत ने इस टेस्ट को पारी के अंतर से जीता था। इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच में कोहली ने 27 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में उनकी बल्लेबाजी नहीं आयी। वहीं बैंगलोर में श्रीलंका के खिलाफ खेले दिन-रात के टेस्ट मैच में विराट ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में 23 रन बनाये थे जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 13 रन बनाए। विराट पर्थ वाली लय को एडिलेड में भी बनाये रखना चाहेंगे। उन्होंने टेस्ट करियर का 30वां शतक लगाया जबकि अंतरराष्ट्रीय करियर का ये 81 वां शतक था। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवरऑल 26 टेस्ट मैच खेल हैं जहां उन्होंने 2147 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हें 9 टेस्ट शतक भी लगाये हैं।

सैयद मोदी इंटरनेशनल: पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन का बेहतरीन प्रदर्शन, क्वार्टर फाइनल के लिए किया क्वालिफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार शटलर पीवी सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट के महिला सिंग्लस में अपनी हमवतन ईरा शर्मा को तीन गेम में हराकर क्वार्टरफाइनल में एंट्री कर ली है। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट और दुनिया की 18वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू को 147वें नंबर की खिलाड़ी ईरा के खिलाप दूसरे कौर के मुकाबले में 21-10, 12-21, 21-15 से जीत दर्ज करने के दौरान 49 मिनट तक जूझना पड़ा।

सिंधू पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रही हैं और उन्होंने पिछला खिताब 2022 में सिंगापुर ओपन में जीता था। ये 29 वर्षीय भारतीय अगले दौर में चीन की दुनिया की 118वें नंबर की खिलाड़ी डाइ वैंग से भिड़ेंगी। वैंग ने दूसरे दौर में भारत की देविका सिहाग को 19-21 21-18 21-11 से हराया।

शीर्ष वरीय लक्ष्य सेन ने हालांकि, पुरुष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में इजराइल के दानिल डुबोवेंको के खिलाफ सीधे गेम में 35 मिनट में 21-14 21-13 की जीत के साथ अंतिम आठ में जगह बनाई। लक्ष क्वार्टर फाइनल में मेइराबा लुवांग के खिलाफ खेलेंगे जिन्होंने आयरलैंड के छठे वरीय एनहाट एनगुएन को 21-15 21-13 से हराया।

पुरुष एकल के अन्य मुकाबलों में भारत के आयुष शेट्टी ने मलेशिया के होह जस्टिन को 21-12 21-19 से हराया जबकि तीसरे वरीय किरण जॉर्ज को जापान के शोगो ओगावा के खिलाफ 21-19 20-22 11-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारत के दूसरे वरीय प्रियांशु राजावत ने भई वियतनाम के ली डुक फाट को 2115 21-8 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

जयशंकर भी हैं विराट के प्रशंसक

नई दिल्ली । विदेश विदेश मंत्री एस जयशंकर भी अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के प्रशंसक हैं। जयशंकर ने दिग्गज क्रिकेटर मोहिंदर अमरनाथ की आत्मकथा 'फियरलेस' का विमोचन करने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि मैं जिस क्रिकेटर का खेल देखना पसंद करता हूं वह विराट हैं। जिस जूनुन के साथ वह खेलते हैं और प्रदर्शन करते हैं वह शानदार है। मुझे लगता है कि युवाओं को उनसे बहुत कुछ सीखना चाहिए। ऑलराउंडर अमरनाथ ने साल 1983 में भारत को विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। जयशंकर ने कहा, ' मेरे लिए पूरी दुनिया मेरे पीछे आने वाले तेज गेंदबाजों का एक समूह है। मैं अपने साथियों को भी यही सलाह देता कि जल्दी आगे बढ़ो, देर से खेलो, अच्छी तरह से तैयारी करो, उन्हें समझो और फिर खेलो।' साथ ही साथ कहा कि जैसा अमरनाथ ने पाकिस्तान और 1982-83 के दौरे के बारे में कहा है। जयशंकर ने कहा कि आपने कहा कि आपने उन्हें अच्छे तरीके से खेला क्योंकि पारंपरिक स्थिति में आप पाकिस्तान के सामने खुलकर खेलते हैं। अमरनाथ ने 1969 से लेकर 1989 तक अपने क्रिकेट करियर में 69 टेस्ट मैचों में 4,378 रन बनाए जबकि 85 एकदिवीसय में उनके नाम 1,924 रन दर्ज हैं। उन्होंने 1983 विश्व कप विजेता टीम और भारत की वर्तमान क्रिकेट टीम की तुलना की। इस अवसर पर महान ऑलराउंडर कपिल देव और मोहिंदर अमरनाथ के भाई राजिंदर अमरनाथ भी मौजूद थे। अगरनाथ ने इस दौरान युवा सलामी बल्लेबाजी यशस्वी जायसवाल की जमकर सराहना की। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में पहले ही टेस्ट में शतक लगाया है।

पृथ्वी को कई मायनों में गलत समझा गया : पार्थ जिंदल

-कैरियर को पटरी पर लाने कड़ी मेहमन करनी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने कहा है कि पृथ्वी शॉ वह एक शानदार बच्चा है पर उसे कई मायनों में गलत समझा गया। साथ ही कहा कि जब आप अपनी पूरी जिंदगी यही सुनते हुए बड़े होते हैं कि आप बहुत खास हैं, सबसे प्रतिभाशाली हैं। आपकी ब्रायन लारा या दिग्गज सचिन तेंदुलकर से तुलना की जाती है, तो यह दबाव पैदा करता है। अब मेगानीलामी में नहीं बिकना उसके लिए एक बड़ा झटका है। जिसकी शायद उसको जरूरत थी।' शॉ 2018 में अपनी कप्तानी में अंडर 19 टीम को विश्व चैंपियन बनाने के बाद से ही दिल्ली कैपिटल्स टीम में रहे थे। उन्हें दिल्ली ने तब 1.2 करोड़ में अपने साथ जोड़ा था। 2022 में नीलामी से पहले उन्हें दिल्ली ने 7.5 करोड़ में रिटेन किया पर पिछले कुछ साल में उनके प्रदर्शन में गिरावट आई है।

जिंदल ने कहा कि पृथ्वी शॉ को अ अपनी फिटनेस पर काम करना होगा। इसके लिए उन्हें अनुशासन को भी बनाए रखना होगा। उसे गेम में वापस आने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। इससे पहले वह आईपीएल में अच्छे अनुबंध पर था। वह दिल्ली के लिए पारी की शुरुआत करता था। मैं उम्मीद करता हूं कि वह वापसी में सफल रहेगा और उसी पृथ्वी को हम दोबारा देख पाएंगे जिसे हम जानते हैं। पृथ्वी इस झटके को अपने लिए इसे वेकअप कॉल की तरह ले सकता है. जो उसके क्रिकेट करियर को ट्रैक पर ला सकता है। पृथ्वी शॉ ने आईपीएल 2024 के पिछले सत्र के 8 मैचों में केवल 198 रन बनाए थे। इसी कारण दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 2025 नीलामी से पहले ही उन्हें बाहर कर दिया था। इसके बाद मेगा नीलामी में उन्हें किसी भी टीम ने नहीं खरीदा।

पुणे में मैच के दौरान हुई क्रिकेटर की मौत

नई दिल्ली । क्रिकेट मैच के दौरान एक और क्रिकेटर की मौत का मामला सामने आया है। पुणे में बुधवार रात खेले गए मैच में 35 साल के इमरान पटेल की सीने में दर्द उठने के बाद मौत हो गई। लीग मैच में पटेल पारी की शुरुआत कर रहे थे। कुछ ओवर खेलने के बाद उन्होंने अंपायर से सीने में दर्द की शिकायत की। इसके बाद वह पवेलियन की ओर जाने लगे पर बीच में ही मैदान में गिर गये। पटेल को तत्काल अस्पताल ले जाया गया पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं क अन्य क्रिकेटर नासिर खान ने कहा कि इमरान पटेल को कोई बिमारी नहीं थी पर उनकी मौत से स्तब्ध हैं। मृत क्रिकेटर के परिवार में पत्नी और तीन बेटियां हैं। उनकी सबसे छोटी बेटी केवल 4 महीने की है। पटेल रिलय एस्टेट का कारोबार करते हैं। इमरान की मौत ठीक उसी तरह से हुई जिस तरह से हबीब शेख ने कुछ समय पहले मैच खेलते हुए दम तोड़ दिया था।

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत सरकार का बड़ा बयान, पाकिस्तान को दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी) चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर आईसीसी की आज अहम बैठक कर रही है। जिसमें अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लंबे समय से प्रतीक्षित कार्यक्रम को लेकर मुक्य चर्चा करने वाली है तो दूसरी ओर भारत सरकार की ओर से पहली बार पूरे मामले पर बयान आया है। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है और बीसीसीआई ने आईसीसी को बता दिया है कि वह टीम को पाकिस्तान नहीं भेजेगा। पाकिस्तान दूसरी तरफ टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल के तहत आयोजित नहीं करने पर अड़ा हुआ है।

आईसीसी बोर्ड की बैठक वर्चुअल तरीके से होगी और इसमें चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर कोई हल निकलने की संभावना है। आईसीसी के फैसले से ठीक पहले भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक लाइन में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ-साफ लहजे में कहा कि, बीसीसीआई ने बयान जारी किया है।

बोर्ड के अनुसार, पाकिस्तान में सुरक्षा संबंधित दिक्कते हैं, इसलिए टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। हम इसी पर कायम हैं। इस बीच आईसीसी के सदस्य पीसीबी को ये समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बिना चैंपियंस ट्रॉफी की चमक फीकी पड़ जाएगी और सबसे अहम बात ये है कि इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान होगा।

वहीं इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा कि, इस समय हाइब्रिड मॉडल सबसे अच्छा विकल्प है। हमें उम्मीद है कि टूर्नामेंट में शामिल सभी पक्ष टूर्नामेंट के हित में समझदारी भरा फैसला लेगें। भारत और पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट का आयोजन करना अच्छा नहीं है। टूर्नामेंट के मुख्य प्रसारक जियो स्टार ने पहले ही आईसीसी के टॉप अधिकारियों से संपर्क कर कार्यक्रम के बारे में आखिरी निर्णय पर पहुंचने में हो रही देरी पर अपनी निराशा व्यक्त की है। आईसीसी और प्रसारणकर्ता के बीच हुए अनुबंध के अनुसार संचालन संस्था से अपेक्षा की गई थी कि वह टूर्नामेंट का कार्यक्रम कम से कम 90 दिन पहले दे, लेकिन ये समय सीमा पहले ही पार कर ली गई है।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में ऐतिहासिक मछली, मांस बाजार बंद होंगे ; समाप्त होगी 1000 साल पुरानी परंपरा

लंदन, एजेंसी। लंदन के दो सबसे प्रसिद्ध बाजार – एक मछली बाजार, दूसरा मांस बाजार – आने वाले वर्षों में बंद होने वाले हैं, जिससे मध्ययुगीन दौर से यहां चली आ रही कारोबारी परंपराएं समाप्त हो जाएंगी। राजधानी शहर के ऐतिहासिक केन्द्र का शासी निकाय 'सिटी ऑफ लंदन कॉरपोरेशन' बुधवार को संसद में एक विधेयक पेश करने जा रहा है जिसके तहत बिलिंग्सगेट मछली बाजार और स्मिथफील्ड मांस बाजार के संचालन की उसकी जिम्मेदारियों को समाप्त किया जाएगा। ये दोनों ही बाजार 11वीं शताब्दी से किसी न किसी रूप में अस्तित्व में हैं। एक दिन पहले ही निगम ने निर्णय लिया था कि वह बाजारों को लंदन के पूर्व में डेगनहैम में नए विकास स्थल पर शिफ्ट नहीं करेगा। इसने हाल ही में महंगाई के दौर और निर्माण लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप बढ़ते खर्च के कारण नियोजित कदम को छोड़ दिया। वर्तमान में इसकी लागत लगभग एक अरब पाउंड (1.25 अरब डॉलर) है। इसके बजाय, बाजार के व्यापारियों के साथ एक नए समझौते के तहत, निगम वित्तीय मुआवजा और सलाह प्रदान करेगा। व्यापारियों के पास यह तय करने के लिए थोड़ा समय है कि उन्हें क्या करना है, क्योंकि परिचालन कम से कम 2028 तक जारी रहेगा।

ट्रंप कैबिनेट के मनोनीत सदस्यों और नियुक्त लोगों को धमकियां, अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में कैबिनेट स्तर के कई मनोनीत और शीर्ष प्रशासनिक पदों पर

नियुक्त लोगों तथा उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां मिली हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उन धमकियों के विरुद्ध कार्रवाई की है। प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि कल रात और आज सुबह मनोनीत तथा नियुक्त सदस्यों को धमकियां मिली हैं। कानून प्रवर्तन और अन्य अधिकारियों ने लक्षित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई की।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री की 'लिमोजिन' से पुलिस की कार टकराई, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

वेलिंगटन , एजेंसी। वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और वित्त मंत्री निकोला विलिस को ले जा रही एक सरकारी 'लिमोजिन' कार के पिछले हिस्से से पुलिस की एक कार टकरा गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दुर्घटना बुधवार दोपहर को न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन में हवाई अड्डे की मुख्य सड़क पर हुई, जहां संसद स्थित है। हालांकि दुर्घटना मामूली थी और इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने टक्कर की जांच शुरू कर दी है। न्यूजीलैंड का गृह मंत्रालय आधिकारिक वाहनों का प्रबंधन करता है। गृह मंत्रालय ने कहा कि इस दुर्घटना में 'लिमोजिन' कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। लक्सन ने बृहस्पतिवार को ऑकलैंड में संवाददाताओं से कहा कि दुर्घटना ''थोड़ा चौंकाने वाली'' थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ''ठीक'' हैं और उन्हें नहीं पता कि कार को सेवा से हटा लिया जाएगा या नहीं।

अमेरिका में जब्त किए गए अब तक के सबसे ज्यादा नकली गिटार

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका में सीमा शुल्क विभाग ने 3,000 से अधिक नकली गिब्सन इलेक्ट्रिक गिटार पकड़े हैं। यह रिकॉर्ड नकली म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स की जब्ती है। इसकी जानकारी अमेरिका के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा ने दी। साल 1902 में कलामजू, मिशिगन में स्थापित प्रतिष्ठित अमेरिकी गिटार ब्रांड ने अपने सभी उपकरणों का उत्पादन विशेष रूप से अमेरिकी में किया है। एक नए प्रामाणिक गिब्सन गिटार की कीमत आमतौर पर 500 यूएस डॉलर से 2,000 डॉलर के बीच होती है। जबकि, कुछ मॉडल 10,000 डॉलर में भी बिकते हैं। लॉस एंजिल्स बीच सीपोर्ट के सीमा शुल्क अधिकारियों के अनुसार, यह नकली गिटार ई-कॉमर्स बाजार के लिए थे, अगर असली होते तो उनकी अनुमानित कीमत 18 मिलियन डॉलर होती। ऐसे प्रोडक्ट अक्सर निम्न-गुणवत्ता या खराब सामग्रियों का उपयोग करके बनाए जाते हैं। यह हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। साथ ही इसका घटिया क्वालिटी का सामान आग लगने के खतरे को भी पैदा कर देते हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह जब्ती उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन या संदिग्ध स्रोतों से धोखाधड़ी वाले उत्पादों को खरीदने के जोखिमों के लिए जागरुक करने वाली थी। पोर्ट के निदेशक अफ्रीका बेल ने कहा, वह लोग धोखेबाज हैं और यह सब अमेरिकी उपभोक्ता को धोखा देने के एक बड़े प्रयास का हिस्सा है। बेल ने आगे कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में, दक्षिणी कैलिफोर्निया बंदरगाह पर 2 बिलियन डॉलर से अधिक के नकली उत्पाद जब्त किए गए थे। पोर्ट द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, लॉस एंजिल्स का पोर्ट संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे व्यस्त कंटेनर पोर्ट है।

अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर भड़का हिंदू-अमेरिकी समूह, बांग्लादेश के खिलाफ प्रतिबंध की मांग की

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा। उपद्रवी कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाल ही में हिंदुओं के जाने-माने नेता चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद से यहां लगातार तनाव जारी है। अब ढाका में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर अमेरिका में भी गुस्सा भड़क गया है। यहां कई हिंदू-अमेरिकी समूहों ने मांग की है कि दक्षिण एशियाई देश के लिए अमेरिकी सहायता इस शर्त पर निर्भर होनी चाहिए कि वहां की सरकार इन आबादियों की सुरक्षा के लिए ठोस कार्रवाई करे।

पांच अगस्त को हसीना को देश छोड़कर जाना पड़ा था : बता दें कि बांग्लादेश में कई महीनों से तनाव का माहौल है। हालात ऐसे हो गए कि इस साल पांच अगस्त को शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके बाद भी हिंदुओं भी इस हिंसा की चपेट में आने लगे। अक्तूबर के महीने में चटगांव में हजारों बांग्लादेशी हिंदुओं ने अपने अधिकार और सुरक्षा की मांग को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन किया था। यहां 17 करोड़ की आबादी का केवल आठ प्रतिशत हिंदू हैं। पांच अगस्त से अबतक 50 जिलों में 200 से अधिक हमले हो चुके हैं।

हालात इस सप्ताह और बिगड़े : इस हफ्ते हालात तब और बिगड़ गए जब हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया गया। बाद में एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया और जेल भेज दिया। इससे राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव सहित विभिन्न स्थानों पर समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बता दें, दास इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के सदस्य थे और उन्हें हाल ही में निष्कासित कर दिया गया था।

क्या बोले वीएचपीए: विश्व हिंदू परिषद अमेरिका (वीएचपीए) के अध्यक्ष अजय शाह ने कहा कि दास की गिरफ्तारी, चटगांव के काली मंदिर में तोड़फोड़ और पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों की खबरें परेशान करने वाली हैं। उन्होंने पूछा, क्या यह मानवाधिकार की विरासत है, जिसके लिए बाइडन प्रशासन याद किया जाना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय निंदा की कमी अपराधियों को देती बढ़ावा

विहिप के महासचिव अमिताभ मित्तल ने कहा, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचारों के बारे में वैश्विक मीडिया की चुप्पी चौंकाने वाली है। इस्कॉन के एक पुजारी की हालिया गिरफ्तारी और हिंदू मंदिरों पर हिंसक हमले धार्मिक असहिष्णुता में खतरनाक वृद्धि को दर्शाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घटनाएं भेदभाव का एक बड़ा पैटर्न है। उन्होंने आगे कहा, अंतरराष्ट्रीय निंदा की कमी केवल अपराधियों को बढ़ावा देती है और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और स्वतंत्रता को खतरा पैदा करती है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे एक खुले पत्र में हिंदूज फॉर अमेरिका फर्स्ट (एचएफएएफ) ने बांग्लादेश में बीजिंग की महत्वाकांक्षाओं से जुड़ी परियोजनाओं के लिए अमेरिकी वित्तपोषण रोकने और अमेरिका एवं उसके सहयोगियों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने वाली पहलों को प्राथमिकता देने की सिफारिश की है।

नागरिकों की सुरक्षा करने में नाकाम सरकार का नहीं करना चाहिए समर्थक- संदूजा एचएफएएफ के संस्थापक और अध्यक्ष उत्सव संदूजा ने कहा, बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदायों ने व्यवस्थित हिंसा और भेदभाव का सामना किया है। हम विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि आपका प्रशासन बांग्लादेशी सरकार पर अमेरिकी सहायता को निर्भर करता है जो इन आबादी की रक्षा के लिए कार्रवाई कर रही है। करदाताओं को कभी भी उन सरकारों का समर्थन नहीं करना चाहिए जो अपने सबसे कमजोर नागरिकों की रक्षा करने में नाकाम रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ बांग्लादेशी अधिकारियों के जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे चरमपंथी समूहों से संबंध हैं और ये संबंध अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं। संदूजा ने अपने पत्र में कहा, हम सम्मानपूर्वक वीजा प्रतिबंधों और सख्त निगरानी की सिफारिश करते हैं ताकि इन विचारधाराओं को अमेरिकी धरती पर पैर जमाने से रोका जा सके।

कश्मीर छोड़ो, काम की बात करो; बेलारूस के राष्ट्रपति ने कर दी शहबाज शरीफ की फजीहत

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुलाकात बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ उस समय चर्चा का विषय बन गई जब कश्मीर मुद्दे पर शरीफ को साफ जवाब मिला। तीन दिवसीय दौरे पर पाकिस्तान आए लुकाशेंको ने स्पष्ट कर दिया कि वह किसी भी राजनैतिक मुद्दे पर चर्चा करने नहीं आए हैं। जब शहबाज शरीफ ने कश्मीर का मुद्दा उठाया तो लुकाशेंको ने कहा, मैं यहां केवल व्यवसाय और द्विपक्षीय सहयोग पर बात करने आया हूं। इस परिस्थिति ने न सिर्फ शरीफ की स्थिति असहज कर दी बल्कि बेलारूस के राष्ट्रपति के स्पष्ट रुख ने पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों पर भी सवाल खड़े कर दिए। बेलारूस के राष्ट्रपति का यह बयान पाकिस्तान के लिए शर्मिंदगी का कारण बन गया, खासकर तब जब शरीफ ने प्रोटोकॉल तोड़कर उनका स्वागत करने के लिए खुद एयरपोर्ट पर पहुंचकर अपनी गर्मजोशी दिखाई थी। पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी ने इसे लेकर अपने यूट्यूब चैनल पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कश्मीर का हर मंच पर मुद्दा उठाना पाकिस्तान की राजनीति और कूटनीति का हिस्सा बन गया है, लेकिन लुकाशेंको का जवाब यह दर्शाता है कि सभी देश इस मुद्दे पर पाकिस्तान का समर्थन नहीं कर सकते। इससे पहले, पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने भी विवादित बयान देकर पाकिस्तान को और मुश्किल में डाल दिया था। जब उनसे पूछा गया कि क्या कश्मीर के लोग इमरान खान की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं, तो उन्होंने जवाब दिया कि कश्मीर विदेशी भूमि है। इस बयान ने पाकिस्तानी सियासत में हलचल मचा दी और विपक्षी दलों ने इसे राष्ट्रीय नीति के खिलाफ बताया। लुकाशेंको का यह दौरा पाक-बेलारूस संबंधों को मजबूती देने के लिए अहम माना जा रहा था, लेकिन कश्मीर पर उनकी स्पष्ट नीति ने शरीफ सरकार की कूटनीतिक स्थिति को कमजोर कर दिया।

जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामले बढ़े

टोक्यो, एजेंसी। जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान के अनुसार, 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान देश भर के चिकित्सा संस्थानों में औसतन 2.84 मरीज मिले हैं। यह आंकड़ा पिछले सप्ताहों की तुलना में मामलों में वृद्धि दिखाता है। वर्तमान ट्रैकिंग प्रणाली शुरू होने के बाद से यह अब तक का उच्चतम आंकड़ा है। माइकोप्लाज्मा निमोनिया एक बैक्टीरियल इंफेक्शन (जीवाणु संक्रमण) है। यह इंफेक्शन ज्यादातर बच्चों में देखने को मिलता है। यह सांस के साथ निकलने वाली सूक्ष्म बूंदों से या करीबी संपर्क में आने से फैलता है। इसके लक्षणों में मरीजों को लगातार खांसी, बुखार, थकान और सिरदर्द जैसी परेशानी दिखाई देती है। इसके कई मामले बिना गंभीर जटिलताओं के ठीक हो जाते हैं। वहीं, कुछ मामले गंभीर निमोनिया में बदल सकते हैं जिसके लिए मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पड़ सकती है।

फुकुई प्रान्त ने प्रति चिकित्सा संस्थान ने 8.83 मामलों के साथ उच्चतम क्षेत्रीय औसत की सूचना दी। उसके बाद आओमोरी (5.0), क्योटो (4.71) और होक्काइडो (4.59) का स्थान रहा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, टोक्यो और ओसाका जैसे प्रमुख शहरों में भी क्रमशः 4.32 और 3.17 की उच्च दर दर्ज की गई।

बांग्लादेश में हिंदू परिवार के 4 लोगों की निर्मम हत्या, गर्भवती महिला को भी नहीं छोड़ा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के निरस्त होने के बाद से लगातार हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार हो रहे हैं। ताजा हिंसा किशोरगंज जिले के भैराब शहर में हुई है, जहां एक हिंदू परिवार के चार लोग एक अपार्टमेंट में मृत पाए गए। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय जॉनी बिस्वास, उनकी गर्भवती पत्नी और उनके दो बच्चों के रूप में हुई है। पुलिस ने बुधवार को हत्या का मामला दर्ज किया।

पुलिस प्रशासन इस हत्याकांड को आत्महत्या की तरह पेश कर रहा है। स्थानीय पुलिस ने कहा है कि जॉनी ने अपनी पत्नी और बच्चों की हत्या करने के बाद खुद को भी मौत के घाट उतार लिया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हम जांच कर रहे हैं। इस खौफनाक घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव की स्थिति बन गई है। आपको बता दें कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में तेजी देखी जा रही है। अधिकारियों ने मामले की गहराई से जांच करने और समुदाय में बढ़ते डर को कम करने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

बांग्लादेश के पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा है कि भारत विरोधी बयानबाजी और कट्टरपंथियों एवं आतंकवादी ताकतों को बढ़ावा देना परस्पर संबंधित रणनीतियां हैं, जिन्होंने बांग्लादेश को पूर्ण अराजकता की ओर धकेल दिया है। उन्होंने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लेदश की अंतरिम सरकार पर लोकतंत्र को भीड़तंत्र में तब्दील करने का आरोप लगाया।

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के बाद बिगड़े हालात के बाद अपना देश छोड़कर आए महमूद ने हाल ही में एक अज्ञात स्थान से टेलीफोन पर एक विशेष साक्षात्कार में पीटीआई को बताया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को खतरनाक करार दिया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी सहित चरमपंथी समूह सक्रिय हो गए हैं।

महमूद ने जोर देकर कहा कि हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर हमलों का घटनाक्रम एक चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह अल्पसंख्यक विरोधी भावना को दर्शाता है जो चरमपंथी बयानबाजी से मेल खाती है, जिससे धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत एवं धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा दोनों खतरे में पड़ रहे हैं। इस बीच, बांग्लादेश के चटगांव शहर में एक वकील की हत्या और एक प्रमुख हिंदू नेता की गिरफ्तारी को लेकर सुरक्षाकर्मियों पर हमला करने के आरोप में कम से कम 30 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

हांगकांग में समलैंगिक जोड़ों को विरासत और आवास का मिला अधिकार, शीर्ष अदालत ने दिया ऐतिहासिक फैसला

विक्टोरिया, एजेंसी। हांगकांग के शीर्ष अदालत ने बुधवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए समलैंगिक जोड़ों को विरासत और आवासों के अधिकार को बरकरार रखते हुए फैसला सुनाया। हांगकांग शीर्ष अदालत का ये फैसला समलैंगिक अधिकारों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर है। भलेही हांगकांग समलैंगिक विवाह को कानूनी तौर पर मान्यता नहीं देता लेकिन अदालत के इस फैसले ने विदेशों में शादी करने वाले दो जोड़ों के पुराने मामले का खत्म किया।

न्यायाधीशों ने सरकार की नीति को बताया भेदभावपूर्ण : इस मामले में सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश एंड्रयू चेउंग ने कहा कि हांगकांग की आवास नीतियों में समलैंगिक विवाहित जोड़ों को बाहर रखना उचित नहीं है और कल्याण लाभों को बिना भेदभाव के वितरित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही न्यायाधीश जोसेफ फॉक और रॉबर्टो रिबेरो ने भी सरकार की नीति को भेदभावपूर्ण बताते हुए उसे सही ठहराने में असफल पाया।

यहां ये हुई शुरू हुई हक की लड़ाई : अब कुछ समय पीछे चले तो एक मामला था निक इनफिंगर का, जिन्होंने कनाडा में शादी की थी और हांगकांग में सरकारी आवास के लिए आवेदन किया था, लेकिन उनका आवेदन खारिज कर दिया गया था। जानकारी के अनुसार उन्होंने 2018 में हांगकांग की हाउसिंग अथॉरिटी के खिलाफ मुकदमा दायर किया और जीत हासिल की, लेकिन सरकार ने उस फैसले के खिलाफ अपील की। इसी तरह एक और मामला था एडगर एनजी का, जिन्होंने हांगकांग सरकार की नीति को जानते हुए कि उनके शादीशुदा पति को सरकारी आवास का हक नहीं है उन्होंने चुनौती दी। हलांकि 2020 में एनजी की मृत्यु हो गई और निचली अदालत ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया।

निक इनफिंगर ने जताई खुशी : न्यायाधीश जोसेफ फॉक और रॉबर्टो रिबेरो ने कहा कि सरकार उत्तराधिकार कानूनों में भेदभाव को सही ठहराने में नाकाम रही है और इसे गैरकानूनी और असंवैधानिक करार दिया। निक इनफिंगर ने हांगकांग की शीर्ष अदालत के फैसले पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज का निर्णय समलैंगिक जोड़ों के एक-दूसरे से प्यार करने और साथ रहने के अधिकार को मंजूरी देता है, जो बहुत महत्वपूर्ण है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया भ्रष्टाचार मामले में बरी

यूएस वीजा अप्लाई करने अमेरिकन एंबेसी पहुंचीं, सीरियस हेल्थ प्रॉब्लम से जूझ रहीं

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश हाई कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया को भ्रष्टाचार के एक मामले में बरी कर दिया। इसके बाद खालिदा जिया यूएस वीजा एप्लिकेशन प्रोसेस पूरा करने ढाका में अमेरिकन एंबेसी पहुंची। जिया लंबे वक्त से लीवर, हार्ट और आंखों की गंभीर परेशानी से जूझ रही हैं। 79 साल की जिया को अनाथालय ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में स्पेशल कोर्ट ने पांच साल सुनाई थी, जिसके बाद उन्हें साल 2018 में ढाका सेंट्रल जेल भेज दिया गया। 30 अक्टूबर 2018 को हाई कोर्ट ने उनकी सजा को बढ़ाकर 10 साल कर दिया था। बाद में उन्हें जिया चैरिटेबल ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराते हुए सात साल की भी सजा सुनाई गई थी। अगले महीने ब्रिटेन से अमेरिका जा सकती हैं बीडीन्यूज24 की रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने जिया की अपील के आधार पर इस फैसले को पलट दिया। मामले में दो अन्य आरोपियों को भी बरी कर दिया। जिया अगले महीने की शुरुआत में ब्रिटेन जा सकती हैं, जहां से वो अमेरिका या जर्मनी में हाई मेडिकल ट्रीटमेंट की मांग कर सकती हैं। 17 साल बाद जिया के बैंक अकाउंट अनफ्रीज कोरोना की वजह से जिया को जेल से अस्थाई तौर पर रिहा किया गया था। साल 2020 को उनकी सजा को इस शर्त पर निलंबित कर दिया गया था कि वो अपने घर में ही रहेंगी और देश नहीं छोड़ेंगी। कुछ महीने पहले ही खालिदा जिया के बैंक अकाउंट अनफ्रीज किया गया है। उनके बैंक खातों पर 17 साल से रोक लगी हुई थी। एनबीआर के सेंट्रल इंटेलिजेंस सेल ने अगस्त 2007 में खालिदा जिया के खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया था। चिन्मय प्रभु की रिहाई को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी वहीं दूसरी तरफ, बांग्लादेश में इस्कॉन धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ्तारी को लेकर जगह-जगह विरोध प्रदर्शन जारी हैं। प्रदर्शनकारियों ने ढाका, चटगांव और दिनाजपुर सड़क पर जाम लगाया और नारेबाजी कर प्रभु की जल्द रिहाई की मांग की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चिन्मय दास प्रभु पर देशद्रोह और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का केस है।

इजराइल ने नेतन्याहू, गैलेंट के खिलाफ आईसीजे के वारंट की वैधता से इनकार किया

यरूशलम, एजेंसी। इजराइल ने पीएम नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट की वैधता से इनकार किया. इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक पोस्ट में कहा, इजराइल हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के प्राधिकार तथा प्रधानमंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री के विरुद्ध जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट की वैधता से इनकार करता है. आगे कहा गया. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जेरूसलम में प्रधानमंत्री कार्यालय में अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम से मुलाकात की. सीनेटर ने उन्हें आईसीसी और इसके साथ सहयोग करने वाले देशों के खिलाफ अमेरिकी कांग्रेस में उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी. हाल ही में हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया. इसमें उन पर मानवता के विरुद्ध अपराध और युद्ध अपराध का आरोप लगाया गया है. इन आरोपों में नागरिकों को निशाना बनाने और गाजा में भुखमरी की नीतियों को लागू करने के आरोप शामिल हैं. इजराइली प्रधानमंत्री द्वारा एक्स पर कई पोस्ट किए गए जिसमें यह भी उल्लेख किया गया कि कांग्रेस में प्रयासों के समानांतर इजरायल ने आईसीसी से गिरफ्तारी वारंट के कार्यान्वयन में देरी की मांग की. साथ ही न्यायालय में अपील करने का इरादा भी जताया. इजराइली प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट में यह भी कहा गया, इजरायल की अपील की सूचना से विस्तार से पता चलता है कि गिरफ्तारी वारंट जारी करने का निर्णय किस हद तक निराधार था और इसका कोई तथ्यात्मक या कानूनी आधार नहीं था. इसमें कहा गया है कि यदि आईसीसी अपील को खारिज कर दे, तो इससे अमेरिका और दुनिया भर में इजराइल के मित्रों को यह पता चल जाएगा कि आईसीसी इजरायल के प्रति कितना पक्षपाती है. इससे पहले व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव करिन जीन-पियरे ने एक प्रेस ब्रीफिंग में आईसीसी के निर्णय पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हम वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अदालत के फैसले को मौलिक रूप से अस्वीकार करते हैं. उन्होंने वारंट प्राप्त करने में अभियोजक की जल्दबाजी की आलोचना की तथा प्रक्रियागत त्रुटियों की ओर ध्यान दिलाया, जिसके कारण यह परिणाम सामने आया. जीन-पियरे ने फिर से पुष्टि की थी, हम मूलतः इस बात को अस्वीकार करते हैं कि आईसीसी को इस स्थिति पर अधिकार है और इसलिए यह ऐसी बात है जिसके बारे में हम बहुत स्पष्ट हैं तथा आगे भी रहेंगे. यह बयान ऐसे समय में आया है जब आईसीसी द्वारा इजरायल के नेताओं पर लगाए गए आरोपों के बीच अमेरिका इजरायल के प्रति अपना समर्थन जारी रखे हुए है।

जासूसी के आरोप में भारतीय शख्स गिरफ्तार, संवेदनशील जानकारियां भेजता था पाकिस्तान

देवभूमि द्वारका । गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने देवभूमि जिले के ओखा से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले एक भारतीय शख्स को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया शख्स प्राइवेट नौकरी की आड़ में भारतीय कोस्ट गार्ड की संवेदनशील सूचनाएं और तस्वीरें सीमा पार पाकिस्तान को भेजता था। जानकारी के मुताबिक गुजरात एटीएस ने देवभूमि द्वारका के ओखा में एक सफल ऑपरेशन को अंजाम देते हुए पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहे एक भारतीय को दबोच लिया। दीपेश गोहिल नामक शख्स पर आरोप है कि वह देवभूमि द्वारका के ओखा पर कोस्ट गार्ड की बेहद संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान भेजता था। दीपेश गोहिल तटरक्षक जहाजों की आवाजाही समेत गतिविधियों की जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचाता था। जांच में खुलासा हुआ है कि दीपेश गोहिल ने निजी कंपनी में नौकरी का झांसा देकर संवेदनशील तस्वीरें खींची और उन्हें पाकिस्तान भेज दिया। दिनेश गोहिल का सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के कुछ लोगों के साथ संपर्क हुआ था। जांच में पता चला कि तस्वीरें सोशल मीडिया और कुछ अन्य माध्यमों से पाकिस्तान भेजी गईं जो भारतीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचा सकती थीं। पूछताछ में कोस्ट गार्ड और भारतीय समुद्री सीमा की तस्वीरें पाकिस्तान के एक शख्स को भेजे जाने का खुलासा हुआ है। इस पूरे मामले में गुजरात एटीएस ने उस कंपनी के कुछ लोगों से भी पूछताछ की है जहां दिनेश काम करता था। साथ ही दीपेश गोहिल के संपर्क में रहने वाले लोगों की भी जांच शुरू कर दी है।

अहमदाबाद पुलिस ने नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने के आरोप में चार लोगों को पकड़ा

अहमदाबाद । गुजरात के अहमदाबाद में नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने के आरोप में पुलिस ने एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक सहित चार लोगों को पकड़ा है। वटवा के एक गोदाम से नकली नोट मिले हैं। अहमदाबाद पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) को अहमदाबाद के वेजलपुर में नकली करेंसी सकुंलेशन के बारे में सूचना मिल थी। जिसके बाद इस नकली करेंसी रैकेट का भंडाफोड़ किया गया। 24 साल के मजदूर रौनक राठौड़ को सबसे पहले 50 डॉलर के 119 नकली ऑस्ट्रेलियाई नोट बदलने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया था। राठौड़ ने पूछताछ में बताया कि उसे नकली नोट 24 साल के खुश पटेल से मिले थे, जिसे गिरफ्तार किया गया। खुश ने पुलिस को कथित मास्टरमाइंड 36 साल के मौलिक पटेल तक पहुंचाया, जो एक ट्रांसपोर्ट कारोबारी है। एसओजी को पता चला कि मौलिक 20 साल के छात्र ध्रुव देसाई के साथ मिलकर वटवा केएक कारखाने में नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने का काम करता है। पुलिस ने 50 डॉलर के 32 तैयार नकली नोट और 18 आंशिक रूप से छपे हुए नोट बरामद किए हैं। जब्त की गई वस्तुओं की कुल कीमत 11,92,500 है, जिसमें 2,10,000 मूल्य के सात मोबाइल फोन और 16,500 भारतीय करेंसी शामिल है। पुलिस ने नकली करेंसी के लिए टेम्पलेट के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली असली करेंसी भी बरामद की। पिछले महीने नवरंगपुरा इलाके में एक सर्राफा व्यापारी से 500 रुपये के नकली नोटों की स्कीम के जरिए 1.6 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

कोलकाता में सड़कें रही जाम, हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने किया प्रदर्शन

कोलकाता। पश्चिम बंगल की राजधानी कोलकाता में सड़कें जाम रहीं। हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कोलकाता की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया। हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में चल रहे संकट के खिलाफ प्रदर्शन किया, वहीं मुस्लिम संगठनों ने वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में प्रदर्शन किया। बंगाल स्टेट जमीयत-उल-उलमा की ओर से विरोध में सभा आयोजित की गई। शहर के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग विरोध में शामिल हुए। उन्होंने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ आवाज उठाई और साथ ही एक स्वतंत्र फिलिस्तीन राज्य की भी मांग की।

हिंदू संगठनों का प्रदर्शन- वहीं दूसरी ओर हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे कथित अत्याचारों पर प्रदर्शन किया। उन्होंने केंद्र से मुद्दे पर हस्तक्षेप करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ा रुख अपनाने की मांग की। इन दोनों बड़े प्रदर्शनों के चलते कोलकाता की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। शहर के महत्वपूर्ण मार्गों पर जाम लगा रहा और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के मुख्य शूटर गौतम का लॉरेंस को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में नया मोड़ आ गयास है। एनसीपी नेता की हत्या में शामिल आरोपी ने बड़ा दावा कर दिया है। आरोपी ने दावा किया है कि जब बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची जा रही थी, तब गुजरात की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी। मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम ने क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। मुख्य शूटर गौतम ने अधिकारियों को बताया कि हत्या की योजना बनाने के दौरान लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी। लॉरेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद है। शूटर ने बताया कि इस दौरान बिश्नोई ने शूटर को हत्या के बाद पुलिस से डरने की जरूरत नहीं की बात कही थी। लॉरेंस ने गौतम से कहा था कि अगर वह पकड़ा जाता है, तब भी वह घबराए नहीं, उस जेल से कुछ ही दिनों में बाहर निकल गया। शूटर गौतम ने बताया कि बिश्नोई ने हत्या के लिए उस 12 लाख रुपये देने का वादा किया था। इसके अलावा, जेल से बाहर आने के बाद विदेश भेजने की व्यवस्था करने का भी आश्वासन दिया था। गौतम के अनुसार बिश्नोई ने बताया कि उसके पास वकीलों की एक टीम है, जो उसकी गिरफ्तारी के बाद कुछ ही दिनों में रिहा करवा देगी।

प्रदर्शन की चेतावनी, इस बार राकेश टिकैत ने सीधे पीएम मोदी को लिखा पत्र, कर दी यह मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान नेता राकेश टिकैत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) बीजों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। पत्र में ऐतिहासिक उदाहरणों का संदर्भ दिया गया है जहां आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों, जैसे बैसिलस थुरिंजिएन्सिस (बीटी) कपास की शुरूआत ने मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर उनके संभावित प्रतिकूल प्रभावों के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। टिकैत ने किसानों के सामने बढ़ती इनपुट लागत और अप्रत्याशित जलवायु परिस्थितियों, फसल की पैदावार को प्रभावित करने और किसानों की आय में कमी सहित बढ़ती चुनौतियों को भी संबोधित किया।

पत्र में, टिकैत ने बताया कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, किसानों को उनकी उपज का उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक दुर्दशा और खराब हो रही है। आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलें वे पौधे हैं जिनके डीएनए को विशिष्ट वांछनीय लक्षण विकसित करने के लिए आनुवंशिक इंजीनियरिंग के माध्यम से संशोधित किया गया है। इस प्रक्रिया में अक्सर अन्य जीवों, जैसे बैक्टीरिया या पौधों के जीन को फसल की आनुवंशिक संरचना में शामिल करना शामिल होता है।

टिकैत ने अतीत में कुछ फसलों के खेत परीक्षण को रोकने के लिए भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) द्वारा उठाए गए कदमों को याद किया, और आज इसी तरह के खतरों के खिलाफ सतर्कता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जीएम फसलों के सक्रिय विरोध के बावजूद, देश में ऐसी फसलों का अनधिकृत प्रवेश जारी है। टिकैत के अनुसार, आयात प्रक्रिया के दौरान मौजूदा नियमों और मानकों के कमजोर प्रवर्तन के कारण ऐसा होता है, जिससे राष्ट्रीय जैव सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है।

इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए, टिकैत ने नियामक ढांचे को मजबूत करने और विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील जैसे जीएम-उत्पादक देशों से आयात की निगरानी बढ़ाने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख हितधारकों को शामिल करते हुए एक बैठक बुलाने का सुझाव दिया। उन्होंने मानव स्वास्थ्य पर जीएम फसलों के हानिकारक प्रभावों, जैसे संभावित कैंसर के खतरे और त्वचा की बीमारियों, और पशुधन और परागणकों पर उनके हानिकारक प्रभावों के बारे में चेतावनी दी। टिकैत ने जीएम बीजों पर प्रतिबंध लगाने और अनधिकृत क्षेत्र परीक्षणों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का आह्वान किया, अगर सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है तो बीकेयू द्वारा राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन की धमकी दी गई।

पेंच : सौदेबाजी के चलते महाराष्ट्र को नहीं मिल पा रहा सीएम

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घर हुई तीन घंटे की बैठक के बाद भी महाराष्ट्र का सीएम तय नहीं हो पाया है। इसके पीछे सौदेबाजी और नेताओं के अपने निजी स्वार्थ आड़े आ रहे हैं। माना जा रहा है कि कौन सा विभाग किसके पास होगा इसको लेकर भी चर्चा हुई है। गठबंधन के सहयोगियों के बीच मंत्रिमंडल में पदों के बंटवारे का खाका तैयार किया गया। महायुति सरकार के अगले सप्ताह की शुरुआत में शपथ लेने की संभावना है। बैठक के दौरान तय हुआ कि मुख्यमंत्री पद भाजपा के पास रहेगा, जबकि दो उपमुख्यमंत्री पदों पर शिवसेना और एनसीपी के नेताओं को नियुक्त किया जाएगा। भाजपा शनिवार को मुंबई में अपने विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के नाम की घोषणा करेगी। अगर देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बनते हैं, तो वह गृह विभाग अपने पास रख सकते हैं। वहीं, वित्त विभाग एनसीपी को मिलने की संभावना है। शिवसेना को शहरी विकास और सार्वजनिक निर्माण विभाग जैसे विभाग मिल सकते हैं। कैबिनेट में 43 मंत्री होंगे, जिनमें से 22 पद भाजपा के पास होंगे। शिवसेना को 12 और एनसीपी को 9 मंत्री पद मिलने की संभावना है। कैबिनेट के अलावा, गठबंधन के दल बोर्ड और निगमों में भी हिस्सेदारी पर सहमत हो चुके हैं। एनसीपी ने अपने वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल को नरेंद्र मोदी सरकार में शामिल करने की मांग की है, जबकि शिवसेना भी केंद्रीय कैबिनेट में एक मंत्री पद चाहती है। शिवसेना के प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा कि वर्तमान कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री का पद लेने के इच्छुक नहीं हैं। चर्चा है कि वह अपने बेटे श्रीकांत शिंदे के लिए यह पद छोड़ सकते हैं और खुद केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने पर विचार कर सकते हैं। बैठक में महाराष्ट्र के जातिगत समीकरणों पर भी चर्चा हुई। भाजपा ने गैर-मराठा मुख्यमंत्री की संभावित प्रतिक्रिया और मराठा समुदाय के प्रतिनिधित्व को संतुलित करने के लिए रणनीति तैयार की।

संभल में जुमे की नमाज को लेकर अलर्ट जारी, पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

*** लोगों से की शांति की अपील, किसी भी तरह की अफवाह पर ना दें ध्यान**

मुरादाबाद (एजेंसी)। संभल हिंसा के बाद जिले में अलर्ट जारी है। सोशल मीडिया, व्हॉट्सऐपग्रुप और फेसबुक पर पुलिस पूरी तरह से नजर रख रही है। शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर विशेष रूप से अलर्ट जारी किया है। शहर को 10 जोन और 43 सेक्टर में बांटा गया है। जामा मस्जिद, जीआइसी और कांठरोड की गुलाब मस्जिद के बाहर फोर्स तैनात की गई है। पुलिस ने शहर के उलेमाओं से संवाद करने के साथ ही फ्लैग मार्च भी निकाला और लोगों से अपील की गई कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान ना दें। अपील की कि शहर हमारा है और अमन की जिम्मेदारी भी हमारी है। इसलिए अपने क्षेत्र में किसी भी अनजान को देखें तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

संभल में बवाल के बाद पुलिस सभी धर्मगुरुओं से संवाद कर रही है। एसपी सिटी ने नायब शहर इमाम मुफ्ती सैयद फहद अली के अलावा शहर के अन्य उलेमाओं के पास पहुंचे। एसपी सिटी ने कहा कि जुमे की नमाज में सभी उलेमा नेकी की हिदायत दें। शहर के माहौल को खराब नहीं होने देना है। युवाओं से अपील करनी है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान ना दें। हम सभी को शांति स्थापित करना है। शहर के माहौल को बिगड़ने नहीं देना है। इस दौरान मुफ्ती अशहद रशीदी, मुफ्ती दानिश उल कादरी, रिजवान उर्र रहमान, शुजाअत अशरफी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

संभल हिंसा के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। कोतवाली संभल

क्षेत्र में हिंसा के दौरान चिन्हित किए गए तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों पर हिंसा भड़काने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और शांति भंग करने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर हिंसा के अन्य संभावित आरोपियों और उनकी साजिश का खुलासा करने का प्रयास कर रही है। साथ ही, इस कार्रवाई को हिंसा से प्रभावित क्षेत्र में शांति बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पीएम बिरयान खाने जा सकते हैं, पर भारत खेलने पाकिस्तान नहीं जाएगा

-तेजस्वी यादव ने कहा- खेलकूद में राजनीति अच्छी बात नहीं

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया है। इस पर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि खेलकूद में राजनीति अच्छी बात नहीं है। कोई भी कहीं भी खेलने जाए ये अच्छी बात है। हमारे देश में सभी देश के लोग खेलने आते हैं। हम लोग यही चाहते हैं। खेलकूद की भावना अलग है। हमको लगता है जो लोग इन सब चीजों पर राजनीति करते हैं यह बात ठीक नहीं है।

तेजस्वी ने कहा कि हम लोग तो सबके साथ खेलते ही हैं। ओलंपिक में सभी देशों के लोग शामिल होते ही हैं। वहां युद्ध थोड़े ही होता है, वहां केवल खेल होता है। खेल को खेल की नजर से देखना चाहिए। भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान दौरा करने के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि क्यों नहीं जाना चाहिए, बिल्कुल जाना चाहिए। क्या पहले कभी भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान नहीं गई। पहले वह लोग भी आते थे, हम लोग भी जाते थे। पीएम बिरयानी खाने पाकिस्तान जाएं तो अच्छी बात है। इंडियन टीम क्रिकेट खेलने जाए तो यह बात हजम नहीं हो रही है।

भारत सरकार ने भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान जाकर खेलने से इनकार कर दिया है। भारत के कुछ पूर्व क्रिकेटर भी इस फैसले का स्वागत कर रहे हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी भारत की भागीदारी के बिना नहीं हो सकती। उन्होंने पड़ोसी देशों के बीच सुरक्षा और राजनीतिक तनाव के कारण राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान न भेजने के भारत सरकार के फैसले का समर्थन किया।

बता दें कि भारत की ओर से पाकिस्तान जाने से इनकार करने के बाद, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का भविष्य अधर में लटक गया है, शुक्रवार को आईसीसी बोर्ड की बैठक में इसके कार्यक्रम के बारे में अंतिम फैसला होना है। पाकिस्तान जाने पर भारत की आपत्ति के बीच, टूर्नामेंट संभवतः हाइब्रिड मॉडल में खेला जाएगा, जिसमें भारत अपने मैच तटस्थ स्थल पर खेलेगा।

मध्य भारत में ठंड का असर : 8 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट, तूफान फेंगल 30 नवंबर को तमिलनाडु से टकरा सकता है

नई दिल्ली । देश के राज्यों में ठंड का मौसम बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने मध्य भारत के 8 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। इनमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश में लाहौल स्पीति क्षेत्र में रात का तापमान माइनस 11 डिग्री तक पहुंच गया है। ??विशेषज्ञों का कहना है ?कि ठंड और बढ़ सकती है। मध्य भारत में मध्य प्रदेश के कुछ भागों में भी सर्दी का महसूस किया जा रहा है। जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में ज्यादा सर्दी पड़ रही है। यहां रात का तापमान 7 डिग्री से नीचे है। तमिलनाडु में फेंगल तूफान के असर से बारिश की संभावना है, जिससे कई इलाकों में तेज बारिश की गिरिवात चल रही है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी बारिश का अनुमान है। इस तरह से देश के विभिन्न क्षेत्रों में मौसम की भारी बदलाव से लोग सतर्क रहें और ठंड से अपनी सुरक्षा का ख्याल रखें।

टी राजा के बयान से कांग्रेस हुई लाल, खत लिखाकर एफआईआर दर्ज करने की मांग

इंदौर (एजेंसी)। बीजेपी विधायक टी राजा ने महाकाल में दर्शन करने के बाद बयान देकर कहा था कि महाकाल मंदिर पवित्र और प्राचीन स्थल है। मंदिर से 50 किलोमीटर दूर तक किसी भी मुसलमान की होटल नहीं होना चाहिए। बीजेपी विधायक के बयान के बाद अब मध्यप्रदेश कांग्रेस की बीजेपी सरकार पर हमलावर हो गई है। इंदौर कांग्रेस के नेता और पीसीसी के पूर्व महासचिव ने बीजेपी विधायक टी राजा के बयान पर डीजीपी से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है। बता दें कि बीजेपी के विधायक राजा हैदराबाद की गोशामहल सीट से विधायक हैं।

मप्र कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव राकेश सिंह यादव ने डीजीपी को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा कि गोशामहल विधानसभा से विधायक टी राजा ने उज्जैन में एक बयान दिया

है। सार्वजनिक रूप से दिए गए बयान का उद्देश्य वर्ग विशेष के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को भड़का कर मप्र में सांप्रदायिक तनाव बढ़ना है। भारत के संविधान एवं कानून का खुलेआम उल्लंघन किया गया हैं। विधायक अल्पसंख्यक वर्ग के धर्म और धार्मिक विश्वासों का अपमान कर, उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा कर और हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को भड़का कर अराजकता फैलाना चाहते हैं। कांग्रेस की मांग है कि विधायक टी राजा पर प्रदेश में सांप्रदायिक नफ़रत फैलाने का बयान देने के चलते एफआईआर दर्ज करे।

टी राजा ने की थी सीएम से सर्वे की मांग

इसके पहले टी राजा ने कहा था कि महाकाल मंदिर पवित्र और प्राचीन स्थल है। मंदिर से 50 किलोमीटर दूर तक किसी भी मुसलमान की होटल नहीं होना चाहिए। टी राजा ने कहा था कि हिंदू यदि अपवित्र जगह में रहकर मंदिर आएंगे, तब पूजा भी स्वीकार नहीं होगी। एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से निवेदन करता हूं कि महाकाल मंदिर के आसपास जो होटल हैं, उनका सर्वे होना चाहिए। इसमें क्या पक रहा है, क्या बेचा जा रहा है? जांच की जानी चाहिए।

श्रीलंका ने निभाया पड़ोसी धर्म, समुद्र में हो रही ड्रग स्मगलिंग का भेजा मैसेज

- अपने ही नागरिकों को भारतीय नौसेना से पकड़वाकर भेजा जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दूर-दूर तक फैला नीला समुद्र तस्करी करने वाले श्रीलंका ने ये सोचा भी नहीं होगा कि कोई उन्हें कोई देख भी रहा है और वह पकड़े जाएंगे लेकिन वह पकड़े गए और ये हुआ श्रीलंका की तरफ से भेजे गए एक टिप के बाद। समुद्र में ड्रग की स्मगलिंग करने वाले अपने नागरिकों को श्रीलंका ने ही भारतीय नौसेना के जरिए पकड़वाया है।

इस पूरे ऑपरेशन की जानकारी भारतीय नौसेना ने साझा करते हुए कहा कि श्रीलंका की नौसेना की तरफ से एक मैसेज मिला कि अरब सागर श्रीलंका फ्लैग फिशिंग वेसेल के जरिए ड्रग की स्मगलिंग हो रही है। मैसेज मिलते ही नौसेना से उस बोट को पकड़ने के लिए ऑपरेशन चलाया। चूंकि मैसेज इतना ही था कि अरब सागर के इस इलाके में श्रीलंकाई फिशिंग बोट में ड्रग है और इतने बड़े समुद्र में बोट को ढूंढना चुनौती से कम नहीं था।

भारतीय नौसेना ने अपने लॉंग रेंज मेरिटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट पी8आई और ड्रोन को एरियल सर्विलांस के लिए लॉन्च किया तो गुरुग्राम स्थित नौसेना के इनफार्मेशन फ्यूजन सेंटर से इनपुट मिलने के बाद समुद्र में वॉरशिप को भी मूव किया। लंबे सरवेलांस के बाद 24-25 नवंबर को दो श्रीलंकाई फिशिंग बोट को पहचान लिया गया, उसे पकड़ा गया। तलाशी के बाद उसमें से 500 किलोग्राम क्रिस्टल मेथ ड्रग बरामद की गई। दोनों बोट और उसमें पकड़े गए लोगों को श्रीलंका के हवाले कर दिया गया है।

भारतीय नौसेना अरब सागर में श्रीलंका की बोट को ढूंढ रही थी तो उसी वक्त बंगाल की खाड़ी में अंडमान निकोबार के पास कोस्ट गार्ड भी ड्रग से भरी म्यांमार की फिशिंग बोट को तलाश रही थी। 23 नवंबर के अंडमान निकोबार के पास कोस्ट गार्ड के डॉर्नियर एयरक्राफ्ट ने भारतीय ईईजेड में एक संदिग्ध बोट को देखा तो तुरंत कार्रवाई करते हुए को कोस्ट गार्ड ने बोट को रोककर तलाशी ली और अब तक की सबसे बड़ी ड्रग की खेप पकड़ में आई। इस ऑपरेशन में 5500 किलो मेटाफेटामाइन बरामद किया है। इसे पिंक ड्रग या जाबा के तौर पर भी जाना जाता है।

शिक्षा का स्तर बढ़ा, नौकरियां नहीं, भारत में हर 100 में से 3 लोग बेरोजगार

-बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा केरल में, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु भी पीछे नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बेरोजगारी एक अहम सामाजिक और आर्थिक मुद्दा रही है। देश में बेरोजगारी को लेकर बहस होती रहती है। सरकारी आंकड़े और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के मुताबिक यदि कोई व्यक्ति हफ्ते में कम से कम एक घंटा ऐसा काम करता है, जिससे आय होती है, तो उसे बेरोजगार नहीं माना जाता है। यह परिभाषा कई देशों में बेरोजगारी को मापने का आधार है। भारत में बेरोजगारी की समस्या इससे कहीं ज्यादा जटिल है। सरकारी रिपोर्ट्स के मुताबिक देश में हर 100 में से केवल तीन लोग बेरोजगार हैं। असली चुनौती यह है कि 78 फीसदी कामकाजी लोगों की मासिक आय 14 हजार रुपए से कम है। ऐसे में भले ही ये लोग बेरोजगार नहीं माने जाते हैं, उनकी कमाई इतनी कम होती है कि उन्हें अपना परिवार चलान भी मुश्किल होता है।

भारत का सबसे शिक्षित राज्य केरल, जिसकी साक्षरता दर 96.2 फीसदी है, वहां बेरोजगारी दर देश में सबसे ज्यादा 7.2 फीसदी है। यह स्थिति चौंकाने वाली है, क्योंकि ज्यादा साक्षरता को आमतौर पर रोजगार से जोड़कर देखा जाता है। इसके विपरीत, मध्य प्रदेश में बेरोजगारी दर सबसे कम एक फीसदी है। यह विरोधाभास देश में रोजगार व्यवस्था और अवसरों की असमानता को उजागर करता है।

केरल के बाद बेरोजगारी दर में पंजाब (5.5 फीसदी), राजस्थान (4.2फीसदी), और तमिलनाडु (3.5फीसदी) का स्थान है। दूसरी ओर, गुजरात, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में बेरोजगारी दर क्रमशः 1.1फीसदी, 1.3फीसदी, और 2.5फीसदी है। पढ़ाई और बेरोजगारी के बीच एक चिंताजनक संबंध देखने को मिलता है। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे और आईएलओ की रिपोर्ट्स बताती हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं में बेरोजगारी का स्तर ज्यादा है। डिप्लोमा या उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों में यह दर 12फीसदी से भी ज्यादा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत के कुल बेरोजगारों में 83फीसदी युवा थे। यह आंकड़ा दिखाता है कि शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार की कमी एक गंभीर समस्या बन गई है। आंकड़े धर्म के आधार पर बेरोजगारी की स्थिति को भी उजागर करते हैं।

सिख समुदाय में बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा 5.8फीसदी है। ईसाई समुदाय में यह दर 4.7फीसदी है। मुस्लिमों में 3.2फीसदी और हिंदुओं में यह 3.1फीसदी है। कामकाजी आबादी के की बात करें तो, हिंदुओं में यह 45 फीसदी, मुस्लिमों में 37फीसदी, सिखों में 42फीसदी, और ईसाइयों में 45फीसदी है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले 20 सालों में शिक्षित बेरोजगारों की हिस्सेदारी दोगुनी हो गई है। सन 2000 में बेरोजगारों में पढ़े-लिखे लोगों का हिस्सा 35.2 फीसदी था, जो 2022 में बढ़कर 65.7 फीसदी हो गया। यह तथ्य दर्शाता है कि शिक्षा के बढ़ते स्तर के बावजूद रोजगार के अवसर नहीं बढ़े। भारत में बेरोजगारी की समस्या केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक और आर्थिक असमानता का एक बड़ा संकेत है। शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए सरकार को नई नीतियां लाने और वर्तमान रोजगार व्यवस्था को बेहतर बनाने की जरुरत है। कौशल विकास, स्वरोजगार को बढ़ावा, और क्षेत्रीय असमानता को कम करना इसके समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। भारम में आर्थिक विकास के बावजूद बेरोजगारी का उच्च स्तर और निम्न आय यह दर्शाते हैं कि विकास के लाभ सभी तक समान रूप से नहीं पहुंच रहे हैं। ऐसे में रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ कामकाजी लोगों की आय बढ़ाने की भी जरूरत है। यदि इस समस्या का समाधान समय रहते नहीं किया गया, तो इसका प्रभाव देश के सामाजिक और आर्थिक ढांचे पर देखने को मिलेगा।